Vol.18, Issue 8 | Annual Subscription ₹420

June 2019

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

Rotary

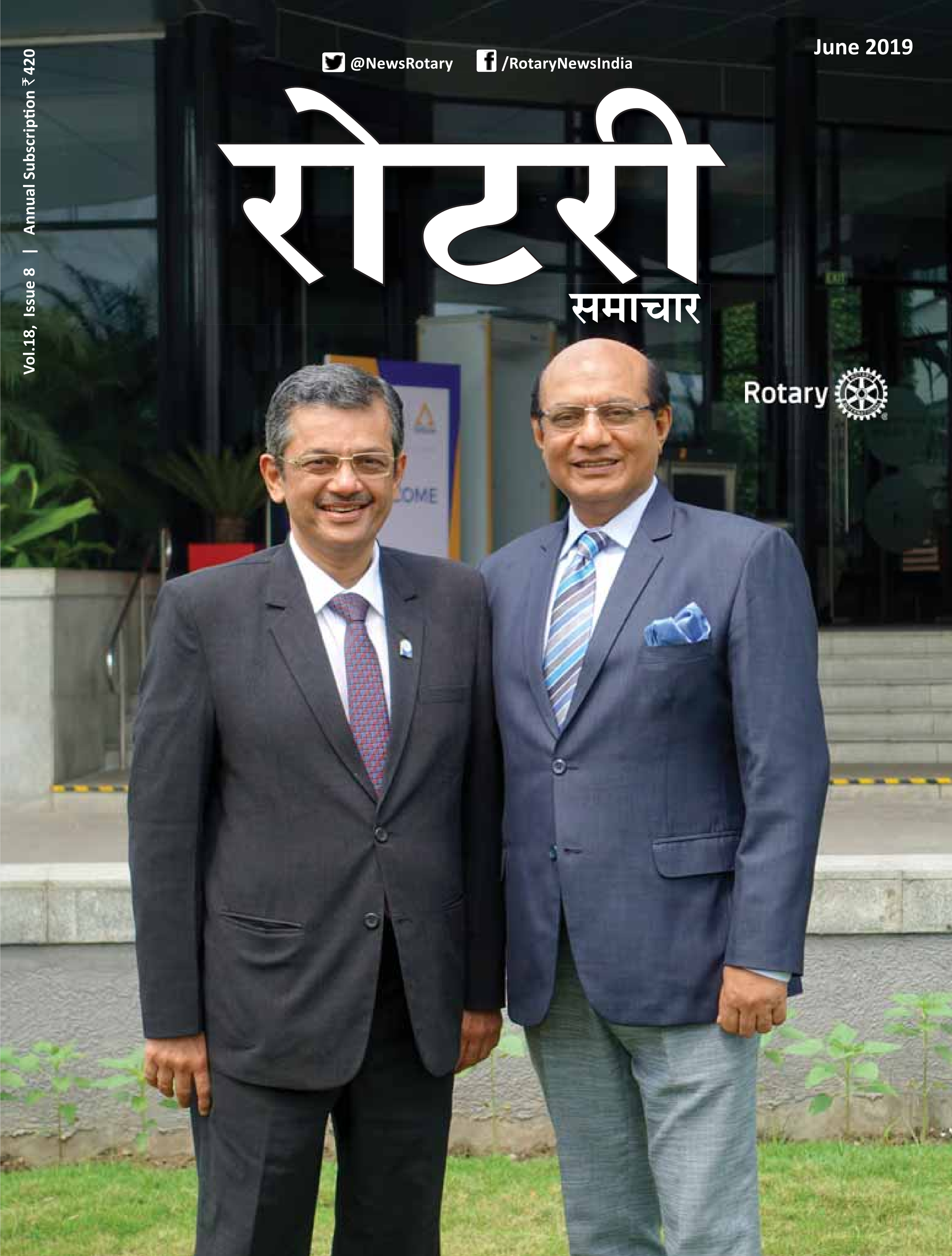

निर्वाचित गवर्नरों की चेन्नई में बैठक

निर्वाचित गवर्नरों का एक समूह।

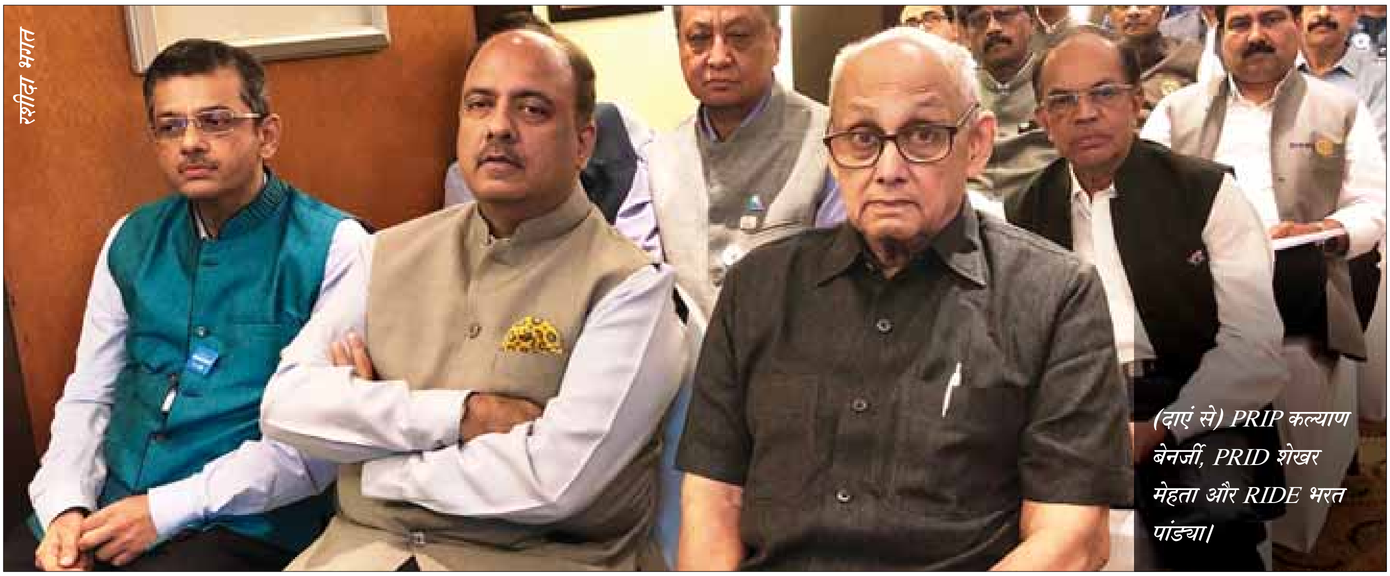

रशीदा भगत

(दाएं से) PRIP कल्याण बेनर्जी, PRID शेखर मेहता और RIDE भरत पांड्या।

जयश्री

(बाएं से) DGE गण शिवनारायण राव, समीर हरियाणी, राजेंद्र भामरे, गिरीश आर मसुरकर, बी एन रमेश, अजय अग्रवाल, बीना देसाई, मोहन चंद्रावरकर, RID सी भास्कर, RIDE गण भरत पांड्या और कमल संघवी और DGE जितेंद्र ढींगरा।

विषयसूची

12 रोटरी निरंतर मेरी दृष्टि का विस्तार करती है: भरत पांड्या
नवनिर्वाचित रो ई निदेशक अपनी रोटरी की यात्रा को याद करते है, और भविष्य के लिए उनकी परिकल्पना को साझा करते है।

22 निदेशक के रूप में मेरी भूमिका प्रशासक से अधिक एक सहायक की है: कमल संघवी
मुक्त रूप से हुई एक बातचीत में, नवनिर्वाचित निदेशक समझाते है कि कैसे रोटरी ने उन्हें एक सेवाभावी इंसान में परिवर्तित किया।

34 प्रेजिडेंट इलेक्ट मार्क मलोनी रोटरी के भविष्य की रूप रेखा बताते हैं
मलोनी उनकी प्राथमिकताओं एवं उन बदलावों के बारे में विस्तारपूर्वक बताते है जो वह रोटरी में देखना चाहते है।

38 बैलाकुप्पे में एक तिब्बती दुनिया
बैलकुप्पे में नाम्ड्रोलिंग मठ के आसपास एक तिब्बती बसाहट है।

42 क्रिस चितले... एक समर्पित रोटेरियन, गुज़र गए
रोटरी क्लब मद्रास के विशिष्ट रोटेरियन एस एल चितले को श्रद्धांजलि, जिन्होंने खसरे एवं पोलियो के खिलाफ प्रारम्भिक लड़ाई का नेतृत्व किया था।

48 WinS कार्यक्रमों के लिए नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना
WinS संगोष्ठियों की एक श्रृंखला स्कूलों में बेहतर स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित करती है।

54 तनाव को जड़ से निकालना
तनाव के कारणों को समझने की प्रक्रिया एवं जीवनशैली परिवर्तनों को अपनाकर तनाव से बाहर आइए।

60 देवी का नृत्य
मेइतेइ, मणिपुर का प्रमुख जातीय समूह, मणिपुरी नृत्य के गर्वित उत्तराधिकारी है।

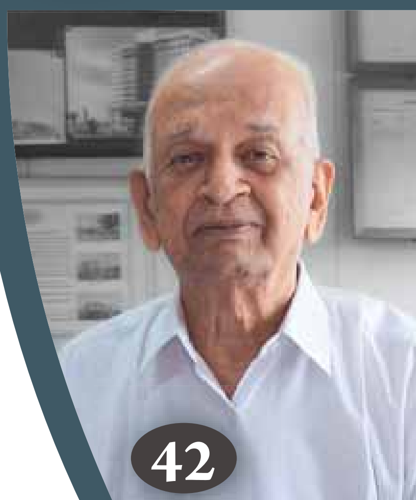

कवर पर : नवनिर्वाचित रो ई निदेशक भरत पांड्या और कमल संघवी।

चित्र: रशीदा भगत

आपके पत्र

रोटरी की कमजोरियों पर भी प्रकाश डाले

रोटरी न्यूज़ पढ़ना हमेशा ही आनंददायक होता है। आप न केवल क्लबों की गतिविधियों को कवर करते है बल्कि रोटेरियनों के विचारों को भी जगह देते है। लेकिन लेख केवल रोटरी के सकारात्मक पहलुओं पर ही ध्यान केन्द्रित करते है। यद्यपि रोटरी एक उत्कृष्ट संगठन है, फिर भी इसमें कमियाँ है जिन पर प्रकाश डालने की आवश्यकता है। 20 वर्षों में मैंने कुछ अच्छे परिवर्तन देखे है लेकिन ऐसी चीज़ें भी देखी जहाँ काम से अधिक पैसे का गुणगान किया जाता है। जमीनी स्तर पर किये गए काम के बजाय एक मोटी रकम के चेक को सराहना मिलती है। जमीनी स्तर पर किए जाने वाले कार्यों की प्रशंसा की जाने की जरूरत है।

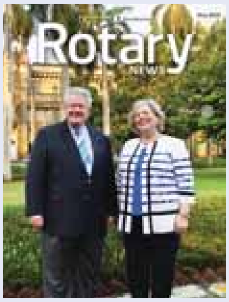

मेट्रो के बजाय, छोटे शहरों के रोटेरियन तस्वीर खींचने की इच्छा के बिना छोटी किन्तु प्रभावशाली परियोजनाएं करते है। इन दिनों कुछ सदस्य उनके डीजीयों का दिल जीतने के लिए चापलूसी कर रहे है जो कि रोटरी की संस्कृति ङ्गसब बराबर हैफ के खिलाफ है।

चुनाव प्रक्रिया भी भ्रामक है; कभी वहाँ एक नामांकन समिति होती है, कभी उम्मीदवारों को पक्षप्रचार की अनुमति होती है। एक मंडल सम्मेलन में मैंने देखा कि उम्मीदवारों को अपनी परिकल्पनाएँ साझा करने के लिए केवल कुछ मिनट दिये जा रहे थे। अब मुझे बताया गया कि मतों के लिए पक्षप्रचार की अनुमति नहीं है। फिर कैसे एक रोटेरियन को चुनावी प्रतिस्पर्धा में लड़ रहे उम्मीदवारों की क्षमताओं के बारे में पता चलेगा।

वाय के कपूर

रोटरी क्लब पंचशिला पार्क - रो ई मंडल 3011

समृद्ध सामग्री

आरआईपीई मार्क मलोनी और गे की कवर तस्वीर के साथ मई अंक बहुत ही आकर्षक दिख रहा है। संपादक द्वारा लिया गया मलोनी का साक्षात्कार पढ़ने योग्य है। संपादकीय 'आइये भारतीय लोकतन्त्र के महापर्व का उत्सव मनाएं' सूचनाप्रद और विचार उत्तेजक है।

अध्यक्ष बेरी रेसिन का संदेश *युवा को प्रेरित करें* उचित है, और दीपक एवं राजू के बारे में रो ई निदेशक सी भास्कर की कहानी रोचक है और हमारे समाज में गरीबों द्वारा झेली जाने वाली मुसीबतों को दर्शाती है।

स्वास्थ्य कारणों से आरआईपीएन सुशील गुप्ता द्वारा दिए गए इस्तीफे के बारे में पढ़कर दुख हुआ। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। रो ई निदेशक सी भास्कर का *एक आनंदित रोटेरियन से एक गंभीर व्यक्ति तक का सफर* दिलचस्प है और उनके द्वारा दी गई सेवा सराहनीय है। पीआरआईपी के आर रविन्द्रन कहते है कि रो ई डीजीयों के भत्तों पर 11 मिलियन डॉलर खर्च करती है; यह हमारे लिए एक खबर है।

शीला नाम्बियार द्वारा लिखित लेख *सचेत भोजन* खाने के हमारे दैनिक तरीके को सही करने के लिए उपयोगी है। रंगबिरंगी तस्वीरों वाले *इस्तांबुल के तुर्की कबाब* और *रोटरी में महिलाओं के 31 वर्षों का उत्सव* सभी बहुत रोचक है। इस आकर्षक पत्रिका के लिए संपादकीय दल को बधाइयाँ।

एम टी फिलिप, रोटरी क्लब त्रिवेन्द्रम सबअर्बन - रो ई मंडल 3211

मैं रोटरी न्यूज़ का नियमित पाठक हूँ और इसका स्तर वास्तव में काफी बेहतर हुआ है। आरआईपीई मार्क मलोनी और गे की कवर तस्वीर और डी. रविशंकर और पाओला द्वारा शिकागो स्थित पॉल हैरिस के घर के दौरे की तस्वीरें बढ़िया है। रशीदा द्वारा लिया गया मलोनी का साक्षात्कार और जयश्री की रिपोर्ट *रोटरी में महिलाओं के 31 वर्षों का उत्सव* शानदार है। *रोटरी न्यूज़* दल को उनकी कड़ी मेहनत के लिए सलाम।

अप्रैल अंक में भी अनेक प्रेरक लेख थे, जिसमें महिलाओं की प्रशंसा पर *संपादक का संदेश*, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन द्वारा लिखित *माता और शिशु की देखभाल, रोटरी को एक अस्थिर संगठन ना बनाएं, कष्टमय काल में शांति की स्थापना* और *मलोनी द्वारा कोलकाता में 6 मिलियन डॉलर की परियोजनाओं का लोकार्पण* शामिल है।

छत्तीसगढ़ में निराश्रित महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए रोटरी क्लब बिलासपुर क्वींस को बधाइयाँ।

डेनियल चित्तिलाप्पिल्ली

रोटरी क्लब कलूर

रो ई मंडल 3201

रो ई निदेशक भास्कर की एक प्रसन्न रोटेरियन से एक गंभीर व्यक्ति तक की यात्रा पर लेख वाकई में बहुत अच्छा है। वह एक बढ़िया नेतृत्वकर्ता है; विनम्र है लेकिन महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए दृढ़ भी है। इसके अलावा, दिशा पर पीआरआईपी के आर रविन्द्रन की रिपोर्ट आँखें खोल देने वाली है।

सम्पतकुमार

रोटरी क्लब कोयम्बटूर एलिट - रो ई मंडल 3201

मैंने मई अंक का आनंद लिया; आरआईडी भास्कर पर लिखित *आनंदित रोटेरियन से एक गंभीर व्यक्ति तक का सफर* एक समर्पित रोटेरियन का सच्चा प्रतिबिंब है।

पीआरआईपी के आर रविन्द्रन ने डीजीयों के भत्तों पर रो ई द्वारा किए जा रहे अत्यधिक खर्च पर सावधान किया है।

नन नारायणन

रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट

रो ई मंडल 3000

आरआईडी की कलम से एक अच्छा लेख

आरआईडी सी भास्कर के साथ हम भी ज्योति और नेहा को सलाम करते है जिन्होंने लड़कियों के रोजगार के खिलाफ सामाजिक वर्जनाओं से लड़ते हुये यूपी की एक नाई की दुकान में काम करने हेतु लड़कों का भेष धारण किया।

आपके पत्र

रोटेरियन यह जानकार स्तब्ध है कि सुशील गुप्ता ने स्वास्थ्य समस्याओं के आधार पर 2020-21 के लिए RIPN के रूप में इस्तीफा सौंप दिया है। हम प्रार्थना करते है कि उनका स्वास्थ्य ठीक हो जाए। मडागास्कर में रो ई मंडल 3080 और 3070 से 19 डॉक्टरों के एक दल द्वारा किए गए 3,500 मरीजों के इलाज के बारे में पढ़कर मैं प्रसन्न हुआ। भारतीय रोटेरियन इस बात पर गर्व महसूस कर सकते है कि 1950 के दशक में रोटरी क्लब अहमदाबाद ने रोटरी में महिलाओं के दाखिले का प्रस्ताव रखा था, ऐसा करने वाला वह दुनिया का पहला क्लब था।

एस मुनियांदी

रोटरी क्लब डिंडीगुल फ़ोर्ट - रो ई मंडल 3000

हमेशा की तरह ही अप्रैल अंक समृद्ध सामग्री और विभिन्न रोटरी परियोजनाओं की जानकारी देने वाले विचारणीय लेखों से भरा हुआ था। रो ई मंडल 3181 द्वारा कर्नाटक में शुरू की गई आंगनवाड़ी परियोजना के बारे में पढ़कर मैं प्रसन्न हूँ और डीजी पी रोहिनाथ, उनके मंडल के क्लबों और अध्यक्षों को सलाम करता हूँ जो सुविधाओं से वंचित बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाये है। साथ में बच्चों की तस्वीरें कहानी को बहुमूल्य बनाती है।

लेख *रो ई और टीआरएफ़ के मध्य अंतर* जानकारीप्रद है और हाल ही में शामिल हुये सदस्यों के लिए आशु परिकलक है। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि रो ई मंडल 3181 ने केरल बाढ़ पीढ़ितों के लिए घरों के निर्माण हेतु एक बाढ़ राहत कोष की स्थापना की है। अमरावती में आरआईपीई मार्क मलोनी द्वारा देखी गई रोटरी परियोजनाएं जिनमें मानव दूध बैंक और प्लास्टिक सर्जरी शिविर शामिल है को स्पष्ट रूप से समझाया गया है। ऐसे लेख रोटेरियनों को प्रेरित करेंगे। *रोटरी न्यूज़* का तमिल संस्करण पूरे परिवार को उनकी मातृ भाषा में पत्रिका का आनंद लेने देता है।

डॉक्टर एन इंबामनी

रोटरी क्लब विरुधुनगर - रो ई मंडल 3212

अप्रैल अंक में डीजी पी रोहीनाथ के नेतृत्व में की गई रो ई मंडल 3181 की विविध परियोजनाएं प्रशंसनीय है। लेख रोटरी द्वारा *कोवलम गाँव का कायाकल्प* में, एक ग्रामीण वी ललिता कहती है कि रोटरी ने शौचालयों की स्थापना करके उनकी ज़िंदगियों को परिवर्तित किया है और वह उनसे पाइप द्वारा जल आपूर्ति का निवेदन करती है। रोटरी से उनकी अपेक्षाएँ हमारी विश्वसनीयता को बढ़ाती है और सार्वजनिक छवि का निर्माण करती है।

नवीन आर गर्ग

रोटरी क्लब सुनाम - रो ई मंडल 3090

रोटरी क्लब मैसूर मिडटाउन के रोटेरियनों और डीजी पी रोहीनाथ को उनकी शानदार आंगनवाड़ी परियोजनाओं के लिए बधाइयाँ। आरआईपीई मार्क मलोनी द्वारा 40 करोड़ की परियोजनाओं, जिनका निष्पादन रोटरी क्लब कोलकाता महानगर ने किया, के लोकार्पण पर लेख रोचक है। रोटरी गतिविधियों पर जानकारी से परिपूर्ण पत्रिका के लिए मैं संपादकीय दल को धन्यवाद देता हूँ।

डॉक्टर पी संगीतकुमार

रोटरी क्लब सलेम ग्रांड - रो ई मंडल 2982

आपकी संपादकीय कुछ महिला नेतृत्वकर्ताओं की शक्ति एवं सकारात्मक रवैये पर ध्यान केन्द्रित करती है। लेकिन अधिक चुनौतीपूर्ण दिन आने वाले है, और महिलाओं को रोटरी में समान अवसरों को पाने के लिए संघर्ष करना होगा।

अरुण कुमार दास

रोटरी क्लब बारिपदा - रो ई मंडल 3262

रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर की महान परियोजनाएं

रोटरी क्लब ठाणे हिल्स की *राइट टू गो* परियोजना पर लेख *ठाणे का स्वच्छता नायक* के लिए आपका धन्यवाद। धन्यवाद जयश्री। रशीदा, आप कभी भी विभिन्न प्रेरक रोटरी परियोजनाओं पर अच्छी तरह शोध किए गए अपने लेखों से हमें अचंभित करना नहीं छोड़ती; रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर की विशालकाय परियोजना जिससे 1,50,000 लोग लाभान्वित होंगे, अत्यंत प्रेरणादायक है। ₹40 करोड़ की लागत वाले छह वैश्विक अनुदानों के माध्यम से ऐसे योग्य कार्यों का समर्थन करने के लिए टीआरएफ़ को भी श्रेय जाना चाहिए। *रोटरी न्यूज़* के माध्यम से, मैं पीआरआईडी मेहता और रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर से अपील करता हूँ कि उन्होंने लाभार्थियों की पहचान कैसे की, इसकी जानकारी साझा करें। महाराष्ट्र में भी इसी प्रकार का काम करना लाभकर होगा।

अतुल भिड़े

रोटरी क्लब ठाणे हिल्स - रो ई मंडल 3142

मैं *रोटरी न्यूज़* को बारीकी से पढ़ता हूँ क्योंकि उसमें रोटरी परियोजनाओं से जुड़ी विभिन्न प्रकार की खबरें होती है। अप्रैल अंक में आरआईपीई मार्क मलोनी ने कोलकाता में विशाल परियोजनाओं का लोकार्पण किया; *रो ई और टीआरएफ़ के मध्य अंतर* एक स्पष्ट लेखन द्वारा भ्रम दूर करता है। *आंगनवाड़ियों का पुनर्निर्माण* एक बढ़िया पहल है। हावड़ा में *20 बंगाली स्कूलों में WinS का लोकार्पण* रो ई मंडल 3291 के अंतर्गत एक शक्तिशाली परियोजना है। रो ई अध्यक्ष बैरी रेसिन द्वारा लिखित *माता और शिशु की देखभाल* एवं रो ई निदेशक सी भास्कर द्वारा लिखित *मातृ और नवजात स्वास्थ्य सेवा* ने हमारे विचारों को और अधिक समृद्ध बनाया।

सौमित्रा चक्रवर्ती

रोटरी क्लब टोलीगूंगे - रो ई मंडल 3291

दुनिया भर की नवीनतम रोटरी अपडेट के साथ हमें जोड़ने के लिए मैं रोटरी न्यूज़ के संपादकीय दल को धन्यवाद देता हूँ। मैं हमारे क्लब के खूबसूरत कवरेज को देखकर प्रसन्न हूँ, जो हमें और भी अधिक करने के लिए प्रेरित करेगा। दिल से आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

नवीन छाबड़ा

रोटरी क्लब फरीदकोट - रो ई मंडल 3090

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**

Click on Rotary News Plus in our website www.rotarynewsonline.org to read about more Rotary projects.

Governors Council

RI Dist 2981	DG	S Piraiyon
RI Dist 2982	DG	Nirmal Prakash A
RI Dist 3000	DG	RVN Kannan
RI Dist 3011	DG	Vinay Bhatia
RI Dist 3012	DG	Subhash Jain
RI Dist 3020	DG	Guddati Viswanadh
RI Dist 3030	DG	Rajiv Sharma
RI Dist 3040	DG	Gustad Anklesaria
RI Dist 3053	DG	Priyesh Bhandari
RI Dist 3054	DG	Neeraj Sogani
RI Dist 3060	DG	Pinky Patel
RI Dist 3070	DG	Barjesh Singhal
RI Dist 3080	DG	Praveen Chander Goyal
RI Dist 3090	DG	Dr Vishwa Bandhu Dixit
RI Dist 3100	DG	Deepak Jain
RI Dist 3110	DG	Arun Kumar Jain
RI Dist 3120	DG	Stuti Agrawal
RI Dist 3131	DG	Dr Shailesh Palekar
RI Dist 3132	DG	Vishnu S Mondhe
RI Dist 3141	DG	Shashi Sharma
RI Dist 3142	DG	Dr Ashes Ganguly
RI Dist 3150	DG	Ramesh Vangala
RI Dist 3160	DG	Konidala Muni Girish
RI Dist 3170	DG	Ravikiran Janradan Kulkarni
RI Dist 3181	DG	Rohinath P
RI Dist 3182	DG	Abhinandan A Shetty
RI Dist 3190	DG	Suresh Hari S
RI Dist 3201	DG	A Venkatachalapathy
RI Dist 3202	DG	Dr E K Ummer
RI Dist 3211	DG	E K Luke
RI Dist 3212	DG	K Raja Gopalan
RI Dist 3231	DG	C R Chandra Bob
RI Dist 3232	DG	Babu Peram
RI Dist 3240	DG	Dr Sayantan Gupta
RI Dist 3250	DG	Kumar Prasad Sinha
RI Dist 3261	DG	Nikhilesh M Trivedi
RI Dist 3262	DG	Bhabani Prasad Chowdhury
RI Dist 3291	DG	Mukul Sinha

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP	Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP	Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
RIPN	Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID	Sudarshan Agarwal	RI Dist 3011
PRID	Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID	Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID	Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID	Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID	P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID	Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
RID	C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee	Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RIDE	Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RIDE	Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2018–19)

DG Rajiv Sharma Chair – Governors Council	RI Dist 3030
DG Pinky Patel Secretary – Governors Council	RI Dist 3060
DG Subhash Jain Secretary – Executive Committee	RI Dist 3012
DG A Venkatachalapathy Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3201
DG Shashi Sharma Member – Advisory Committee	RI Dist 3141

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

Send all correspondence and subscriptions to

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers, 34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India. Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website : www.rotarynewsonline.org

Printed by P T Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by P T Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

संपादक
का संदेश

सुंदरा को स्कूल भेजना

जैसे-जैसे रोटरी वर्ष समाप्ति की ओर अग्रसर होता है और क्लब और मंडल के स्तर पर नेताओं का एक समूह प्रस्थान कर - दूसरे के लिए मार्ग प्रशस्त करता है, बुनियादी स्तर पर किए गए कार्यों का मूल्यांकन करने का उचित समय यही है। जैसा कि रोटरी के शीर्ष नेता बार बार कहते हैं कि वास्तव में रोटरी में काम क्लब के स्तर पर ही किये जाते हैं और क्लब अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, रो इ निदेशक से ले कर स्वयं रो इ अध्यक्ष की सफलता का मापदंड वो सामुदायिक सेवा हैं जो रोटेरियनों द्वारा उनके क्लबों के माध्यम से निष्पादित की जाती है। वो परियोजनाएं जो आप अपने समुदायों में जीवन परिवर्तन के लिए करते हैं, वास्तव में इन्हीं के आकलन से किसी सेवा संगठन का वास्तविक मूल्यांकन होता है जैसे रोटरी।

क्लब अध्यक्षों से लेकर मंडल अध्यक्षों और रो इ निदेशक के स्तर तक, जहां चयनित व्यक्ति नेतृत्व के पदों की ज़िम्मेदारी लेने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं *रोटरी न्यूज़* ने आगामी निदेशकों भरत पंड्या और कमल सांघवी से मुलाक़ात कर उनकी रोटरी यात्रा के बारे में सवाल जवाब किये। उनके अनौपचारिक साक्षात्कार से जो एकमात्र संदेश उभर कर आया, कि वे दोनों ही अपने पदों को ''सत्ता के पदों'' के रूप में नहीं, बल्कि एक जवाब देही जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। और इस अद्वितीय अवसर को उपलब्ध कराने के लिए वे रोटरी के अत्यंत आभारी हैं, वंचित लोगों की सेवा करने, अभावग्रस्त लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए।

जरूरतमंदों और पीड़ितों की मदद के लिए आज भारत में कई तरह के अवसर उपलब्ध हैं। पानी की अत्यधिक कमी और सूखे की गंभीर स्थिति से उपजा कृषि संकट हो या बेरोजगारों की दयनीय स्थिति, लाखों भारतवासीयों को मदद की जरूरत है। रोटरी के छह फोकस क्षेत्र चाहे वो साक्षरता और शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता हो या आजीविका, पीड़ित लोगों की सहायता के लिए पूर्णतया सक्षम हैं। वंचित वर्ग के लिए सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ सुलभ हैं; लेकिन गरीब और अनपढ़ों का, करदाताओं के धन से बनाई गई योजनाओं तक पहुंचना अक्सर बहुत मुश्किल होता है। यहां रोटरी जैसे सेवा संगठन वास्तव में बदलाव ला सकते हैं। गत वर्षों में चाहे वो पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम रहा हो या वर्तमान में स्वास्थ्य देखभाल और साक्षरता कार्यक्रम, रोटेरियनों ने सरकार के साथ सदैव साझेदारी में काम किया है, सरकार ने उस की कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक बेहतर तरीके से पहुंचाने में रोटरी के प्रयासों की सराहना की है।

नई दिल्ली में अपने पांच साल के कार्यकाल की शुरुआत करने जा रही ही नई सरकार को अर्थव्यवस्था, विकास, शिक्षा, आय के सृजन और आजीविका से संबंधित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। रोटरी के पास महत्वपूर्ण साझेदार बनने का एक और मौका है, इवान्स्टन और भारत दोनों ही नेतृत्व इसे बहुत अहम मानते हैं। आप क्या प्रभाव डाल सकते हैं, वो इनर व्हील की पूर्व गवर्नर, भरत पंड्या की पत्नी डॉ माधवी के संस्मरण में वर्णित है, जिन्होंने साक्षरता के क्षेत्र में रोटेरियनों के साथ मिलकर काम किया है। सलीके से तैयार बच्चों का एक समूह स्कूल जा रहा था, और छोटी सी सुंदरा उन्हें ध्यान से देख रही थी। ''कुछ बच्चों ने उससे पूछा कि 'सुंदरा, तुम भी स्कूल क्यों नहीं चलती?'

उसने कहा कि मेरे पास वर्दी, जूते, स्कूली बैग, किताबें और पेंसिल नहीं हैं। मैं कैसे आ सकती हूं स्कूल? उन बच्चों ने कहा कि चिंता मत करो, रोटरी और इनर व्हील क्लब के सदस्यों ने स्कूलों में इतना ज्यादा काम किया है, वे तुम्हें सब कुछ दिला देंगे। उसका स्कूल में दाखिला हो गया; जिस दिन सुंदरा स्कूल में भरतीं हुई सब ने उस को गले लगाया। वह बहुत ही खूबसूरत पल था।''

वो इससे सम्बंधित एक किस्सा और सुनाती हैं एक आश्रम शाला के बारे में, मुंबई से लगभग 120 किलोमीटर दूर, ''जहाँ के बच्चे इतने अच्छे धावक थे कि नंगे पैरों दौड़ कर मैराथन जीत सकते थे। उनके पास जूते नहीं थे तो हमारे क्लबों के रोटेरियनों और इनर व्हील के सदस्यों ने मिल कर उन्हें दौड़ने के लिए जूते दिए और अभ्यास के लिए एक प्रशिक्षक भी उपलब्ध करवाया।'' पांड्या कहते हैं: ''यही चीजें हमें आगे बढने के लिए प्रेरित करती हैं।''

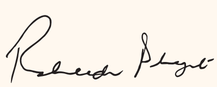

रशीदा भगत

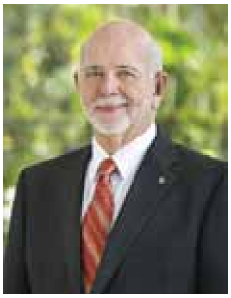

रोटरी और उसकी अनंत संभावनाएँ

BE THE INSPIRATION

प्रिय साथी रोटेरियनों,

जब मैं पीछे मुड़कर उन सभी चीजों की ओर देखता हूँ जो मैंने पिछली जुलाई में रोटरी अध्यक्ष बनने के बाद से देखी है और जिन लोगों से मैं मिला हूँ, मैं इस बात को लेकर सुनिश्चित हूँ: कुछ बेहतर बनाने हेतु ज़िंदगियों को परिवर्तित करने की रोटरी की क्षमता अद्वितीय है। हमारा प्रभाव हर उस चीज़ से बढ़कर है जो मैंने तब सोचे थे जब मैं पहली बार एक रोटेरियन बना था।

मैं पाकिस्तान में मिले रोटेरियनों के बारे में सोचता हूँ, जिन्होंने पोलियो उन्मूलन प्रयासों की सहायता करने के साथ ही कराची के आसपास के इलाकों में स्वच्छता को बेहतर बनाने के लिए कोका-कोला के साथ साझेदारी की थी। मैं प्यूर्टो रिको के रोटेरियनों के बारे में सोचता हूँ जो तूफान मारिया के बाद पूरे समुदायों की ज़िंदगियों के पुनर्निर्माण में मदद कर रहे है। मैं जर्मन रोटेरेक्टरों के बारे में सोचता हूँ जो मधुमक्खियों - परागणकारियों के रूप में जिनकी भूमिका हमारे ग्रह के लिए बहुत महत्वपूर्ण है - को विलोपन से बचाने के लिए काम कर रहे है। मैं छह रोटेरियन और रोटरेक्टरों के बारे में सोचता हूँ जिन्हें मुश्किल चुनौतियों के अनोखे समाधान निकालने के लिये नवंबर में नैरोबी, केन्या में संयुक्त राष्ट्र में रोटरी दिवस के दिन पीपल ऑफ एक्शन: यंग इनोवेटर्स के रूप में सम्मानित किया गया।

ऐसा लगता है मानो कल ही मैंने सैन डिएगो के एक मंच से खड़े होकर आपसे अपने क्लबों में, अपने समुदायों में और दुनिया में *प्रेरणा बनने* के लिए कहा हो। आपकी प्रतिक्रिया मेरे लिए प्रेरणा थी। आप रोटरेक्टरों के लिए हमारे भावी नेतृत्वकर्ता बनने का मार्ग प्रशस्त कर रहे है, नए रोटरेक्ट क्लबों की शुरुआत करने में मदद कर रहे है और रोटरी कार्यक्रमों एवं आपके समुदायों की परियोजनाओं में रोटरेक्टरों को शामिल करने हेतु कार्य कर रहे है। आप पोलियो के उन्मूलन के लिए कड़ी मेहनत कर रहे है, विश्व पोलियो दिवस के लिए 100 से भी अधिक देशों में 4,200 कार्यक्रमों में भाग ले रहे है। और आप परिवर्तनकारी परियोजनाएं कर रहे है जो आपके समुदायों एवं दुनिया में स्थायी परिवर्तन लाएँगी।

इस वर्ष, मैंने यह भी देखा कि शांति स्थापित करने के कैसे रोटरी के कार्यों के परिणाम मिल रहे है। हमारे शांति केन्द्रों में पढ़ रहे 98 रोटरी शांति निर्माता जल्द ही स्नातक हो जाएंगे, जो 1,200 अन्य शांति निर्माताओं के साथ मिलकर उन समस्याओं में अपने संघर्ष समाधान कौशलों को लागू करेंगे जिन्हें समाधान की आवश्यकता है। और इस माह, एस्थर और मैं एक सम्मेलन के लिए हैमबर्ग, जर्मनी जाएंगे जहाँ सभी नस्ल, राष्ट्रीयताओं, धर्मों, और राजनैतिक पृष्ठभूमियों के लोग एकत्रित होंगे क्योंकि वे सभी लोगों की ज़िंदगियों को बेहतर बनाना चाहते है।

यह देखने के बाद कि रोटरी लोगों - जिन समुदायों की हम सेवा करते है और स्वयं रोटेरियनों - के लिए क्या मायने रखती है, मेरा रोटरी और उसके कार्यों के प्रति स्नेह एवं आदर और गहरा हो गया है।

जल्द ही एस्थर और मेरा नासाऊ स्थित घर पर लौटने का समय हो जाएगा। जब हम वहाँ पहुंचेंगे, मैं उस विशाल समुद्र की ओर देखूंगा जो हमारे द्वीप के चारों ओर फैला हुआ है, और वह मुझे रोटरी की अनंत संभावनाओं की याद दिलाएगा, और साथ ही उस अद्भुत भविष्य की भी जो क्षितिज के पार हमारा इंतज़ार कर रहा है। मैं आपके साथ वहाँ जाने की प्रतीक्षा कर रहा हूँ।

बेरी रेसिन
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

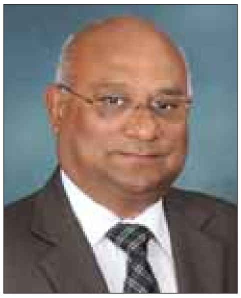

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद

प्रिय रोटेरियनों,

बौद्ध परंपरा के अनुसार तीन प्रकार का करुणामय नेतृत्व होता है: अग्रणी जो आगे रहकर नेतृत्व करता है, जोखिम उठाता है, और दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करता है; नाविक, जो उसकी नाव में सवार लोगों के साथ चलता है और पार करने के दौरान आने वाले उतार-चढ़ावों को साझा करता है, और चरवाह जो अपनी सुरक्षा से पहले अपने झुंड के बाकि लोगों की सुरक्षा देखता है। रोटरी में मैंने करुणामय नेतृत्व के ये तीनों प्रकार पाए है लेकिन जो बात सबमें सामान्य है वह यह है कि सभी में एक संघर्ष-मुक्त और प्रसन्न दुनिया के लिए काम करने की प्रबल इच्छा है। निर्देशक के रूप में मैंने मेरे कार्यकाल के 24 महीनों में से 23 महीने पूर्ण कर लिए है और क्रिकेट की भाषा में कहें तो यह मेरा अंतिम ओवर है। निर्देशक के रूप में मैं खुशकिस्मत रहा कि मैंने रोटरी के ऐसे नेतृत्वकर्ताओं के साथ काम किया जिन्होंने नेतृत्व के इन तीनो प्रकारों का सफलतापूर्वक अभ्यास किया।

दुनिया भर के विभिन्न हिस्सों के रोटेरियनों से हुई मेरी बातचीत में, मैंने अक्सर ध्यान दिया है कि दूसरे उनका मूल्यांकन सकारात्मक या नकारात्मक जिस तरह से भी करते है उसका प्रधान सूचक विश्वास होता है। विश्वास को बढ़ावा देने वाले कार्यों को समझकर, नेतृत्वकर्ता उस विश्वास के स्तर को उठा पाने में सक्षम होते है जो दूसरे लोग उनके प्रति महसूस करते है। जब हम सत्यनिष्ठा के साथ सेवा करते है, तो हमारे विचार, भावनाएं, शब्द और कार्य सरेखित हो जाते है।

एक बार कुछ विद्यार्थी एक ऋषि से मिले और वह उनसे उनके परिणामों और हर विषय में अर्जित अंकों के बारे में पूछ रहे थे। ऋषि अचानक मुड़े और कहा ''मेरा पास आप सभी के लिए एक प्रश्न है। यदि आपको भौतिकी में 90 प्रतिशत, रसायनशास्त्र में 60 प्रतिशत और गणित में 20 प्रतिशत अंक मिले, तो क्या आप परीक्षा में उत्तीर्ण माने जाएंगे?'' उत्तर तेज आवाज में 'ना' था। ऋषि ने पूछा ''क्यों?'' विद्यार्थियों ने परीक्षा के नियम समझाना शुरू किया कि परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए सभी तीन विषयों में उत्तीर्ण होना जरूरी है। ऋषि मुस्कुराए और पूछा, ''क्या ऐसा है? मान लीजिये कि आप कर्मों में बहुत अच्छे है और आपको 90 प्रतिशत मिलते है। वाणी में भी आप अच्छे है और आपको 60 प्रतिशत मिलते है। लेकिन आपके विचारों में आप कमज़ोर है और इसलिए आपको 20 प्रतिशत मिलते है। क्या आपको भगवान की परीक्षा में उत्तीर्ण माना जाएगा?'' वहाँ एकदम सन्नाटा छा गया। ऋषि ने आगे कहा, ''जिस प्रकार आप सभी विषयों में उत्तीर्ण हुए बिना अपनी अकादमिक परीक्षाओं में सफल नहीं हो सकते, उसी प्रकार आप विचारों, शब्दों एवं कर्मों में अच्छा किये बिना भगवान की परीक्षा में सफल नहीं हो सकते।फ उन्होंने आगे कहा: यह वास्तव में त्रिकर्ण शुद्धि (सत्यनिष्ठा) है - जो परमात्मा तक पहुँचने के मार्ग का सोपान है।''

इन 23 महीनों ने रोटरी के मिशन को पूरा करने की मेरी परिकल्पना को संवारा है। प्रत्येक रोटेरियन जिनसे मैं मिला हूँ उनसे नेतृत्व की बारीकियों को सीखने और उसकी अहमियत समझने का यह एक अच्छा अवसर रहा है। नेतृत्व का मतलब केवल नेतृत्व करना ही नहीं होता है, बल्कि इसका मतलब प्रबंधन करना, उत्तराधिकारियों को विकसित करना और अच्छे कार्यों द्वारा रोटरी में मूल्य को जोड़ना अधिक होता है। माला और मैं सभी रोई वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं, मंडल में मेरे साथियों, टीआरएफ न्यासियों, बड़े दिल वालों, रोटरी अंतर्राष्ट्रीय और RISAO के कर्मचारियों, *रोटरी न्यूज़* के संपादक और उनका स्टाफ, क्षेत्रीय नेतृत्वकर्ताओं, सभी पूर्व, वर्तमान और भावी रोई अफसरों, के साथ-साथ उस प्रत्येक रोटेरियन का उनके बहुमूल्य योगदानों, पूरे दिल से किये गए सहयोग और जहाँ कहीं भी हम गए हम पर बरसाए गए प्यार और अपनेपन के लिए दिल से धन्यवाद करते है जिसके कारण मैं ज़ोन 4, 5 और 6 के निर्देशक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को पूरी संतुष्टि के साथ निभा पाया।

एक बार फिर से आपका धन्यवाद।

मैं आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूँ!

सी भास्कर

निदेशक, रोटरी इंटरनेशनल

Organisation Development Consultants

WE ADD VALUE TO YOUR EFFORTS
Estd. 22-02-2002

Hyderabad

Visit us at : www.odchyd.com

Mr P Seshadri
Management Consultant

Introduces New Services for Micro, Small & Medium Level Enterprises & Start up's on

ORGANISATION DEVELOPMENT

- Building Sustainable Organisations

Services could be availed as per need and maturity of the organisation

BASIC Package
(3 Months)
Professional Fees : Rs 2 Lakhs

Streamlining Systems / Processes in the organisation to meet business requirements

Organisation Development Plan to be provided for one year w.r.t the following aspects based on assessments

- Customer Focus
- Leadership
- Engagement of People
- Process Approach
- Improvements
- Evidence based Decision Making
- Relationship Management

SUPREME Package
(6 Months)
Professional Fees : Rs 5 Lakhs
(Includes BASIC Package Services)

Business Excellence Assessments w.r.t

- Leadership
- Strategy Development & Deployment
- People Management
- Resources & Infrastructure Management
- Process Management
- Customers Results
- People Results
- Social Results
- Business Results

Formulating Blue Print for Change Management within the organisation for one year and training assistance in initiating implementation of changes

PREMIUM Package
(12 Months)
Professional Fees : Rs 9 Lakhs
(Includes BASIC & SUPREME Package Services)

Establishing Integrated Management Systems (based on best practices) with 100+ Key Performance Indicators with focus on organisations :

- Economic Performance
- Environmental Performance
- Social Performance

Preparation of Business Sustainability Report which is useful for accessing finance , global work contracts and improving sustainability initiatives of the organisation.

Professional Profile of Mr. P Seshadri

A qualified Production & Industrial engineer with management specialisation in Industrial Management from Nagpur University has industrial and consulting experience of more than 28 years in the domains of HRD, TQM and OD with Corporates, MSME's and Start-up's.

Practicing as Management Consultant since 2002, he has evolved his core competencies in three areas which include – Developing Management Systems, Facilitating Business Excellence Practices and Establishing Sustainability Reports for Industries and Institutions.

Active with professional / industrial bodies and social organisations, he has held leadership positions in several of such organisation like QCFI, NIPM, ISTD, IMCI, HDCF, FAPCCI, CII, BNI and Rotary International. His current passion as qualified faculty from Rotary Leadership Institute is strengthening Rotary Movement using several initiatives in Clubs, Communities and Corporates.

Contact:

98490 82520

pseshadri29@gmail.com

होल्गर नेक नए रोई अध्यक्ष मनोनीत है

होल्गर नेक, रोटरी क्लब हर्ज़ोगटम लाउनबर्ग-मोल्न, जर्मनी के एक सदस्य, को रोटरी अंतर्राष्ट्रीय 2020-21 के अध्यक्ष के रूप में सेवा देने के लिए चुना गया है।

नामांकन समिति का यह फैसला पिछले माह अध्यक्ष-मनोनीत सुशील गुप्ता द्वारा स्वास्थ्य कारणों से दिये गए इस्तीफे के बाद आया।

मजबूत सदस्यता के निर्माण के लिए, नेक का कहना है कि रोटरी को महिला सदस्यों की संख्या बढ़ाने एवं रोटरेक्टरों का रोटेरियनों में परिवर्तन करने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

नेक मानते है कि *पीपल ऑफ एक्शन* अभियान रोटरी के लिए नई जन जागरूकता की संभावनाएं पेश करता है। ''यह अभियान क्षेत्रों एवं संस्कृतियों के मध्य अंतरों का सम्मान करते हुये हमारी वैश्विक छवि को प्रस्तुत करता है,'' वह कहते है।

1992 से एक रोटरी सदस्य रहे नेक ने रोटरी में खजांची, निदेशक, समन्वयक, विभिन्न समितियों के सदस्य एवं अध्यक्ष, विधान परिषद के प्रतिनिधि, ज़ोन समन्वयक, प्रशिक्षक, और मण्डल गवर्नर के रूप में सेवा दी है।

वह अक्षय निधि/प्रमुख दानों के एक सलाहकार है और हैमबर्ग में होने वाले 2019 रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए मेजबान संगठन समिति के सह-अध्यक्ष है।

नेक एक रियल एस्टेट कंपनी नेक केजी के सीईओ है। नेक और उनकी पत्नी, सुसैन, रोटरी संस्थान के प्रमुख दानकर्ता है और बिक्रेस्ट सोसाइटी के सदस्य है।

©rotary.org

सुशील गुप्ता का संदेश

प्रिय रोटेरियनों,

जैसा कि आप सब जानते है, मैंने मेरी स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों, जिनका सामना मैं पिछले कुछ महीनों से कर रहा हूँ, के कारण मैंने रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के अध्यक्ष मनोनीत के पद से इस्तीफा दे दिया है।

मैं जानता हूँ कि मेरे इस फैसले ने आपको निराश किया होगा क्योंकि पूरी भारतीय रोटरी इस उत्साह एवं हर्ष से भरी हुई थी कि उनका एक भारतीय साथी एक बार फिर से रोटरी जगत का नेतृत्व करने जा रहा है। यह फैसला मेरे लिए भी आसान नहीं था पर मेरे अन्त:कारण और रोटरी के मूल्यों ने मुझे पदत्याग करने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि मुझे लगा कि मेरी स्वास्थ्य स्थिति के कारण मैं रोटरी जगत को मेरा सौ प्रतिशत नहीं दे पाऊँगा।

मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि मैं मेरी पूरी क्षमता के साथ रोटरी और हमारे समुदायों के सुविधाओं से वंचित लोगों की सेवा करता रहूँगा। मैं आपसे कहना चाहूँगा कि अपना दिल छोटा ना करें क्योंकि रोटरी जगत में भारतीय रोटरी का बहुत सम्मान है और जल्द ही, मुझे विश्वास है, हमारे बीच रोटरी जगत का नेतृत्व करने वाला एक और भारतीय होगा।

मुझे लगातार संदेश प्राप्त हो रहे है कि आप में से हर एक व्यक्ति मेरे शीघ्र अच्छे होने की कामना कर रहा है। इससे मुझे बहुत प्रोत्साहन मिलता है और चूंकि प्रार्थना की शक्ति में हमेशा मेरा विश्वास रहा है, मुझे यकीन है कि आपकी प्रार्थनाएँ चमत्कार करेंगी।

रोटरी निरंतर मेरी दृष्टि का विस्तार करती है: भरत पांड्या

रशीदा भगत

आगामी रो इ निदेशक भरत पांड्या अपने पद का अलंकरण प्रत्यक्ष रूप से धारण नहीं करते। मृदुभाषी, एक विद्वान व्यक्ति और अत्युत्सुक पाठक, वह जो कुछ पढ़ते हैं उसमें से आकर्षक पंक्तियों और उद्धरणों को अलग से लिख लेते हैं। अपने श्रोताओं को ऐसे ही प्रेरणादायक उद्धरणों से जोड़ते हैं जिन्हें वे अपने व्याख्यान में इतनी कुशलता से पिरोते हैं कि आप कह सकते हैं कि ये पंक्तियाँ उन्होंने त्रेस्सश्रश पर ममेमोरेबल कोट्स म से नहीं ली हैं !

पांड्या और उनकी पत्नी माधवी, दोनों मेडिकल डॉक्टरों से मेरी मुलाकात, मुंबई के बोरीवली में उनके सामान्य पर विशाल निवास पर होती है, जिसमें ज़्यादा तड़क भड़क नहीं है पर प्रवेश करते ही यहां घर जैसा महसूस होता है। इस इमारत की अन्य मंज़िलों का प्रयोग डॉक्टर दंपति अस्पताल के रूप में करते हैं।

अगर कुछ समय के लिए मैं प्रैक्टिस नहीं करता, तो आर्थिक रूप से मुझ पर कोई असर नहीं पडेगा और मैं अपनी इसी जीवन शैली को जारी रख सकता हूं। लेकिन नुकसान मेरे मरीजों का होगा।

RIDE भरत पांड्या और माधवी।

उनसे पूछने की शुरुआत यूँ करती हूं कि आख़िरकार रो इ निदेशक के पद में ऐसा क्या आकर्षण है जो सीनियर रोटेरियनों को इतना अपनी ओर खींचता है; यह लगता तो बहुत ग्लैमरस है, लेकिन मैंने इससे जुड़ी तकलीफें, कड़ी मेहनत, और इसमें शामिल दुष्कर यात्रा को करीब से देखा है ... तो नेतृत्व के इस पद को वो क्यों प्राप्त करना चाहते थे?

मुस्कुराते हुए कहते हैं पांड्या, ''मेरे पेशे में, विशेष रूप से मेरी प्रैक्टिस में, मुझे थोड़ा बहुत परोपकार करने के अवसर मिलते हैं,'' ... वह उन मरीजों का प्रतिशत बताते हैं जिन्हें वह मुफ्त में देखते हैं और उनका भी जिनसे वह नाममात्र फीस लेते हैं ... मुझे दोनों ही प्रतिशत बताने की अनुमति नहीं है! (''कृपया लिखियेगा मत, मुझे संकोच होता है, वह अनुरोध करते हैं''))।

''लेकिन इस पदवी पर रहते हुए मुझे विविध क्षेत्रों में प्रभाव डालने के अवसर मिलेंगे। रोटेरियन बने रहने का मेरा एक कारण यह भी है कि यह मेरी दृष्टी का विकास करता है। पूर्व जर्मन चांसलर कोनराड एडेनॉयर ने कहा है कि हम सभी एक ही आसमान के नीचे रहते हैं, लेकिन हमारे दृष्टी समान नहीं हैं। मेरी मानना है कि रोटरी ने मेरे दृष्टी का विस्तार करना जारी रखा है।''

नेतृत्व की बात करें तो, ''क्लब का अध्यक्ष बनने से पहले अगर मुझे पांच लोगों के सामने भाषण देने के लिए कहा जाता तो पाँच वाक्य बोलने में भी मेरे पैर कांपते थे।'' लेकिन एक बार जब उन्होंने अपने क्लब का नेतृत्व कर लिया तो उन्होंने फैसला किया कि अब वो लिखित भाषण कभी भी नहीं पढ़ेंगे और इस के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। ''लोग कहते हैं कि आपकी स्मरणशक्ति अद्भुत है, आदि, लेकिन आसान कुछ भी नहीं है जीवन में। आपको इसके लिए मेहनत करनी पड़ती है। मेरी एक अलमारी कोटेशन के साथ, लिखित भाषणों से भरी हुई है।''

एक ''विद्वान निदेशक'' की संज्ञा को धीरे से झाड़ते हुए वह बताते हैं कि उनके भाषणों में प्रयुक्त उद्धरण ''हाथों हाथ तैयार नहीं करता; जब मैं किताब

लोग कहते हैं कि आपकी स्मरणशक्ति अद्भुत है, लेकिन आसान कुछ भी नहीं है जीवन में। आपको इसके लिए मेहनत करनी पड़ती है। मेरी एक अलमारी कोटेशन के साथ, लिखित भाषणों से भरी हुई है।

पढ़ता हूं, तो उसका एक नोट बनाता हूं, पृष्ठ को चिह्नित करता हूं ताकि ज़रुरत हो तो मैं इसे फिर से पढ़ सकूं, यदि आवश्यक हो तो इसे रेखांकित करता हूं और ज़रूरी लगे तो लिख भी लेता हूं।'' पहले के विपरीत, अब वह हर कार्यक्रम के लिए भाषण नहीं लिखते। ''श्रोताओं को जोड़ने के लिए, मैं उस में एक कहानी या कोई किस्सा डाल देता हूं लेकिन ये प्रासंगिक होना चाहिए।''

एक मुखर प्रश्न की ओर बढ़ते हुए मैं पांड्या से पूछती हूं कि कई रोटेरियन सोच में पड़े हैं, कि सिर्फ एक बार के अलावा, भारत में हमेशा रो इ निदेशक एक ही रहा है; परन्तु इस बार दो हैं। तो क्या कमल सांघवी और उन्होंने सत्ता की इस सम्भावित कशमकश से बचने के लिए कोई योजना बनाई है?

पांड्या ने बड़ी तसल्ली से जवाब दिया: ''सबसे पहले, मैं इस पदवी को जिम्मेदारी के रूप में देखता हूं न कि ताक़त के रूप में। और मुझे यकीन है कमल भी ऐसे ही सोचते हैं। संयोग कहिये या सौभाग्य से, हमारे विचार भी समान हैं; पर हाँ, मतभेद भी हैं क्योंकि कोई भी दो व्यक्ति एक जैसे नहीं हो सकते। वे शायद थोड़ा अधिक तेजतर्रार है और मैं थोड़ा संकोची हूं। लेकिन यदि कोई समस्या है तो मैं या वो फोन उठा कर एक दूसरे से बात करने में कभी भी नहीं हिचकिचाए हैं।''

प्रशासनिक रूप से पांड्या ज़ोन 4 और 7 को और सांघवी ज़ोन 5 और 6 को संभालेंगे। ''लेकिन यह सिर्फ कागजों पर ही है। हमने सभी डीजी से कहा है कि किसी भी समस्या के लिए, हम दोनों को लिखें। हम एक दूसरे से सलाह करेंगे और जवाब देंगे। हमारे बीच कामकाजी सम्बन्ध सहज हैं और मुझे वहां कोई समस्या नज़र नहीं आती।''

उन्होंने आगामी मंडल नेतृत्व के लिए, हाल ही में आयोजित दिशा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदाहरण

एक नजर में

वर्ष 2007 में, उस समय के RIPR मार्क मलोनी और गे के साथ Dare 2 Dream सम्मेलन में डॉ भरत पांड्या और माधवी।

धार्मिक: हमारे परिवार में, माधवी धार्मिक है, मैं नियमित रूप से मंदिरों के दर्शन करने के सन्दर्भ में धार्मिक नहीं हूं लेकिन मैं नास्तिक भी नहीं हूं। मैं मंदिरों में जाता हूं लेकिन किसी निश्चित दिन या मंदिर विशेष के बारे में कोई कठोर नियम नहीं बना रखा है। मैं विज्ञान और व्यावहारिक चीजों में अधिक विश्वास करता हूं। लेकिन जब पूजा-पाठ होता है तो मैं उपस्थित रहता हूं।

भोजन: मैं शाकाहारी हूं, मेरा सबसे पसंदीदा भोजन भारतीय है, और उस में भी गुजराती भोजन । मुझे दाल-ढोकली और आमरस बहुत पसंद हैं। भारत के बाहर मैं चाइनीज़ पसंद करता हूं।

पाक कला: मेरी पाक कला चाय और कॉफ़ी बनाने तक सीमित है!

संगीत: मुझे पुराने हिंदी और पश्चिमी अंग्रेजी गाने सुनना पसंद है, मेरा पसंदीदा बैंड आबा (-ललर) है।

फिल्में: मुझे कॉमेडी, एक्शन और थ्रिलर पसंद हैं। वैसे भी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इतना तनाव है कि मैं कोई मेलोड्रामा या पारिवारिक नाटक देखना पसंद नहीं करता!

रिलैक्सेशन: रिलैक्सेशन का मेरा सबसे अच्छा तरीका रहा है किताब पढ़ना। हल्की फुल्की पढ़ाई के लिए, यह काल्पनिक, सस्पेंस और रोमांचक कहानी लेकिन गंभीर अध्ययन के लिए मैं नेतृत्व की किताबें पढ़ता हूं।

पसंदीदा लेखक: फिक्शन में पीजी वुडहाउस। एलिस्टेयर मैक्लीन को भी पढ़ा है लेकिन वुडहाउस की लेखन शैली की बात कुछ और है।

फिटनेस: इस पर मुझे काम करना है; माधवी मेरे पीछे पड़ी रहती है। मैं रोज सुबह 6 बजे उठता हूं और 7.45 से काम शुरू करता हूं। लेकिन ट्रेडमिल पर मैं रोज 30 मिनट बिताता हूं। और बीच-बीच में घर में भी बहुत घूमता हूं, घर काफी बड़ा है इसलिये घूमने में मदद मिल जाती है!

युवा सदस्य: हमें रोटरेक्ट पर और 35 से कम उम्र के सदस्यों पर ध्यान देना चाहिए, हमें 45-60 के बीच के लोगों पर से भी ध्यान नहीं हटाना चाहिए। यह हमारा मुख्य समूह है जो समाज को वापस लौटाने के तरीके खोज रहा है और आर्थिक रूप से समृद्ध है और उनके पास समय भी है। ये वो लोग हैं जिनकी हमें उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आवश्यकता है, दोनों समूहों के विवेकपूर्ण मिश्रण की।

रोटरी में महिलाएं: सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रोटरी में महिलाएं क्लबों में अनुशासन लाती हैं। मल्टी-टास्कर्स होने के कारण, उनके पास समय सीमित होता है इसलिए वे समय पर शुरू और समाप्त होने वाली बैठक पसंद करती हैं। और जहां महिलाएं मौजूद होती हैं तो बेहूदा मजाक आदि अपने आप कम हो जाते हैं। वे बहुत मेहनत करती हैं बल्कि मैं तो कहता हूं कि उनमें से ज्यादातर महिलाएं पुरुष रोटेरियन की तुलना में अधिक प्रतिबद्ध हैं।

भारत में रोटरी की पीड़ा क्या है: दुनिया के हमारे हिस्से में बहुत सारे चुनावी मुद्दे हैं; लेकिन दो पहलू हैं - हमारा संगठन लोकतांत्रिक है और यहाँ विभिन्न पदों के लिए अधिक लोगों में होड़ लगी है। महत्वा कांक्षी होना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन आप उस महत्वाकांक्षा को कैसे संभालते हैं, ये महत्वपूर्ण है। यदि हम संगदिल हुए बिना असहमत होना सीख लें तो हमारी चुनाव संबंधी कई समस्याएं ख़त्म हो जाएंगी। किसी ना किसी मोड़ पर, हमें स्वीकार करना होगा और कहना होगा कि ये फिर कभी सही। लेकिन एक बात है भारतीय रोटेरियन अद्भुत सेवा परियोजनाएं करते हैं।

रोटरी में आत्मनिरीक्षण का उचित समय: रोटरी का एक समस्या क्षेत्र यह है कि जब आप सुर्खियों में होते हैं, तो जाहिर तौर पर ग्लैमर बहुत अधिक होता है और जब कार्यकाल समाप्त होता है, जैसा कि मार्क मलोनी ने कहा, 1 जुलाई 2020 को मुझे देखने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन समस्या तब आती है जब हम इन सभी से दूर नहीं जाते, पीछे हटने के लिए तैयार नहीं होते और सुर्खियों में भी बने रहना चाहते हैं। मैंने साफ़ कह दिया है कि जब समय आएगा, मैं इस प्रसिद्धि से बाहर आ जाऊंगा और पीछे भी हट जाऊंगा!

भारत के प्रति दूरदर्शिता और यह किस दिशा की ओर अग्रसर है: भारत में रोटरी कुछ बेहतरीन काम कर रही है। आज हम असंक्रामक बीमारियों (छउऊे) के ज्वालामुखी पर बैठे हैं; जिनमें पांच बड़ी बीमारियां हैं मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग, क्रोनिक किडनी और फेफड़ों के रोग और स्ट्रोक। स्कूलों और कॉलेजों में रोटरी शिविर आदि के माध्यम से जागरूकता पैदा कर सकती है। इन शिविरों में टैगलाइन होनी चाहिए मएक चम्मच कमम (नमक और चीनी दोनों) साथ ही वजन, रक्तचाप और ब्लड शुगर आदि सभी की जांच होनी चाहिए, असामान्य रीडिंग नोट की जानी चाहिए और लोगों को इलाज करवाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ।

मेरी दृष्टिकोण है अच्छे स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देना । मैं जल परियोजनाओं, व्यावसायिक प्रशिक्षण व कौशल विकास को ले कर उत्सुक हूं विशेष रूप से लड़कियों/महिलाओं के लिए। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सौहार्द्र और भूख व कुपोषण से निपटना अन्य क्षेत्र हैं जिन पर हमें ध्यान केंद्रित करने की ज़रुरत है और हाँ निश्चित रूप से साक्षरता और शिक्षा जो हर चीज की कुंजी है।

दिया, जहां सांघवी ने पूर्ण प्रभार ले लिया था। ''मुझे उनसे कभी किसी स्लॉट या समय के लिए पूछना नहीं पड़ा था बल्कि उन्होंने यह सुनिश्चित कर दिया था कि मेरा समय मुझे दिया जाए। अगर भविष्य में कुछ मुद्दे उठते भी हैं तो मुझे विश्वास है कि हम अपने व्यक्तिगत संबंधों और बातचीत से उन्हें सुलझा लेंगे। वे बाहर नहीं आएंगे,'' वह मुस्कुराते हैं।

ऐसे इंसान को तराशने में किसने मदद की, ये समझने के लिए आइए पांड्या के बचपन की ओर चलते हैं, वह एक डॉक्टर क्यों बने और किसने उन मूल्यों को प्रभावित किया जो उनके इतने करीब हैं।

इकलौते पुत्र, पांड्या के रोल मॉडल उनके पिता थे, जब वे एक मेडिकल छात्र थे तो गांधीजी के आह्वान पर उन्होंने विदेशी सामान का बहिष्कार किया था। मेडिकल छात्रों के लिए वार्ड में सूट पहनने की प्रथा थी, पर उनमें से कुछ छात्रों ने अपने सूट को अलाव में फेंक दिया था। उस दिन से जीवन पर्यन्त उन्होंने केवल सफेद सूती कमीज और पैंट ही पहनी – खुद की शादी में भी – 1998 में उनके निधन तक। ''वह बहुत ही नैतिक और सिद्धांतवादी व्यक्ति थे और उन्होंने अपनीकथनी और करनी में पूरी ईमानदारी बरती। मेरे ऊपर इसका काफी गहरा असर पड़ा। अपने रोगियों के लिए वो बहुत मेहनत करते थे और हर इंजेक्शन देते हुए 'जय श्री कृष्णा' कहते थे (भगवान का नाम), वो भगवान से डरने वाले नहीं बल्कि

पहले तीन वर्षों तक वह रोटरी क्लब में केवल एक सदस्य थे, लेकिन जब पल्स पोलियो कार्यक्रम की शुरुआत में बदल गया।

भगवान को मानने वाले व्यक्ति थे,'' उन्होंने ही अपने बेटे को डॉक्टर बनने के लिए प्रेरित किया।

और डॉक्टर भी अलग तरह के ... जो एक जनरल सर्जन होते हुए भी बुखार या दस्त के रोगियों को दूर नहीं भगाते हैं। पांड्या बताते हैं, वो इसलिए कि उनके पिता एक जनरल प्रैक्टिशनर थे, जिनकी प्रैक्टिस काफी बड़ी थी, इस की शुरुआत 1949 में हुई थी, उस समय बोरीवली में कोई डॉक्टर नहीं होता था। ''49 वर्षों में उन्होंने जबरदस्त ख़्याति अर्जित की थी और 1998 में जब अचानक उनका निधन हो गया, तो उनके मरीज मेरे पास आने लगे। और मैं उन्हें यह कहकर तो वापिस नहीं भेज सकता था कि मैं एक सर्जन हूं और आपकी छोटी मोटी बीमारियों को नहीं देखूँगा, मेरी प्रैक्टिस बिलकुल अलग तरह की है। मैं यहां हर चीज का इलाज करता हूं, मलेरिया, डेंगू, टाइफ़ाइड; लेकिन

RIDE भरत पांड्या और माधवी अपनी बेटियों डॉ निधि (बाएं) और डॉ सशमी के साथ।

दिल की बीमारी का और स्ट्रोक का नहीं करता उन्हें विशिष्ट देखभाल की आवश्यकता होती है।''

इस वजह से, रोटरी में नेतृत्व के विभिन्न पदों के दौरान, अपनी रोटरी जिम्मेदारियों को उन्होंने इस प्रकार निर्धारित किया ताकि उनकी अनुपस्थिति के दौरान उनके मरीजों को कष्ट ना हो और निदेशक रहते हुए भी अब वह ऐसा ही करने की योजना बना रहे हैं।

इस पर मैं टिप्पणी करती हूं कि रो इ के आगामी अध्यक्ष मार्क मलोनी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इन स्वयंसेवी पदों को पूर्णकालिक प्रतिबद्धताओं में बदलकर, रोटरी, नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए केवल सेवानिवृत्त व्यक्तियों को प्रोत्साहित कर रही है और अपने अध्यक्षीय कार्यकाल के दौरान वे स्वयं, अपनी वकालत के लिए महीने में केवल 5 दिन रखेंगे। पांड्या मुस्कुराते हुए कहते हैं: ''अगर रो ई अध्यक्ष अपने काम के लिए 5 दिन अलग रख सकता है, तो एक रो इ निदेशक अपने पेशे के लिए 15 दिन तो ले ही सकता है। मैंने दो साल तक अपनी प्रैक्टिस पर रोक लगाने की कोई योजना नहीं बनाई है।''

वह स्पष्ट करते हैं कि यहां मुद्दा कमाई का नहीं है। ''दो पहलू हैं; पहला है हमारे 30 कर्मचारी, जो मुझ पर निर्भर हैं। हमारे यहां अपेक्षाकृत एक छोटा सेटअप है जहां स्त्री रोग विशेषज्ञ सहित आर्थोपेडिक और सामान्य सर्जरी की भी व्यवस्था है। और दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मैं आपको पहले ही बता चुका हूँ ... मैं किसी भी मरीज को यह कह कर नहीं

छोड़ सकता कि मैं एक सर्जन हूं! अगर कुछ समय के लिए मैं प्रैक्टिस नहीं करता, तो आर्थिक रूप से मुझ पर कोई असर नहीं पडेगा और मैं अपनी इसी जीवन शैली को जारी रख सकता हूं। लेकिन नुकसान मेरे मरीजों का होगा।''

आगामी निदेशक की रोटरी यात्रा पर चलते हैं, 1989 में वह अपने पिता के मरीज जे बी सक्सेना के अनुरोध पर रोटरी में शामिल हुए, जो रो क्लब बोरिवली की स्थापना कर रहे थे। अपनी प्रैक्टिस शुरू किये सिर्फ दो ही साल हुए थे, ''मैं थोड़ा झिझक रहा था, लेकिन वह जिद पर अड़े थे, और मैं मना नहीं कर सका।'' पहले तीन वर्षों तक वह रोटरी क्लब में केवल एक सदस्य थे, बैठक पर जाते थे क्योंकि अध्यक्ष फोन करता था। लेकिन जब पल्स पोलियो कार्यक्रम की शुरुआत हुई और उससे पहले 1991-92 में पोलियो टीकाकरण शुरू हुआ, क्लब में एकमात्र डॉक्टर होने के नाते, अध्यक्ष ने कहा कि

माधवी अपने आप में खुद एक नेता है; पिछले साल वह इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 314 की अध्यक्ष थीं; और उनका मंडल मेरे मंडल से भी बड़ा है!

RIDE भरत पांड्या, PRID अशोक महाजन (दाएं) और DG हरजीत सिंह तलवार के साथ। बाएं : रो ई मंडल 3140 के एक चेक डैम परियोजना का उद्घाटन करते हुए।

''इसे आप देखेंगे। हम वास्तव में कुछ ऐसे अंधेरे इलाकों जैसे कच्ची बस्तीयों और गंदी गलियों में गए जहां पहुंचना बहुत मुश्किल था ... उस समय की बोरीवली बिलकुल अलग थी।''

घर-घर जाकर ''बच्चों के टीका लगा के प्रतिरक्षित कर मेरे भीतर एक चिंगारी प्रज्वलित हुई और मेरे अंदर धीरे-धीरे परिवर्तन आया।''

लगभग उसी समय पांड्या के क्लब को मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा जब क्लब के 15-20 सदस्यों ने अचानक एक साथ छोड़ दिया था और उनकी इच्छा नहीं थी फिर भी उन्हें अध्यक्ष बनने के लिए राज़ी कर लिया गया। उनकी रोटरी यात्रा में माधवी की भूमिका यहीं से महत्वपूर्ण हो गई। (बॉक्स देखें)।

मैंने माधवी से पूछा कि रोटरी इनका इतना सारा वक़्त ले लेती है क्या इसे ले कर उन्होंने कभी नाराजगी जताई है? पांड्या ने उनसे मराठी में फुसफुसा कर कहा 'सच बोलना'! वह जवाब देती है: ''हां कभी-कभार, सिर्फ जब उनका रोटरी शेड्यूल हमारे महत्वपूर्ण पारिवारिक कार्यक्रमों से टकराता है तो ज़रूर बुरा लगता है मुझे और हमारी दोनों बेटियां को भी (दोनों डॉक्टर बनने के लिए प्रशिक्षण ले रही हैं) लेकिन हमें उन पर गर्व भी बहुत है।''

वे बताते हैं कि इन वर्षों में उनके गवर्नर काल के दौरान और उसके पश्चात सदस्यता समन्वयक (Membership Coordinator) के रूप में, माधवी ने बहुत सहयोग किया, और इसमें बहुत सारी यात्राएं भी शामिल थीं। यहां तक कि मंडल अध्यक्ष के रूप में भी, उन्होंने अपनी मेडिकल प्रैक्टिस से कभी भी ध्यान नहीं हटाया क्योंकि उनके मंडल में सिर्फ मुंबई और ठाणे ही सम्मिलित थे, और ''यात्रा में ज़्यादा से ज़्यादा 3 घंटे लगते थे। रोज़ शाम को मैं घर आ सकता था, अपने बिस्तर पर सो सकता था और अगली सुबह फिर से काम शुरू करने से पहले, कुछ घंटे अस्पताल में व्यतीत करता था। अगर मुझे अपनी प्रैक्टिस बंद करनी पड़ती, तो मैं डीजी बनने के बारे में सोचता भी नहीं।'' उन्होंने स्पष्टतः कहा।

रोटरी क्लब बोरिवली के अध्यक्ष के रूप में डॉ भरत पांड्या।

जब उनसे पूछा गया कि रो ई और टीआरएफ पर इतना भरोसा क्यों है - हाल ही में बेंगलुरु के डी रविशंकर ने फाउंडेशन को ₹100 करोड़ दान किए हैं - वे बोले, ''मैं आपको इसकी पृष्ठभूमि के बारे में एक किस्सा बताता हूं। 2007 में पोलियो उन्मूलन

अनेक रोल मॉडल

आगामी निदेशक भरत पांड्या के कई रोल मॉडल हैं। पूर्ण सत्यनिष्ठा, नैतिकता और गरीबों के लिए दया उन्होंने अपने पिता से ही सीखी है, ''राजा साबू से मैंने प्रतिबद्धता और सेवा का महत्व सीखा है। इस उम्र में भी उन के भीतर दुनिया भर में कई मेडिकल कार्यों को अंजाम देने की ऊर्जा अद्भुत है। कल्याण बनर्जी से मैंने सीखा कि विनम्रता क्या होती है, कभी उत्तेजित नहीं होना चाहिए और प्रेरक बनना चाहिए। के.आर. रवींद्रन से निष्ठा और मूल्यों पर ध्यान देना, और जब मैं मंडल अध्यक्ष था तब मेरे फोकस क्षेत्रों में से एक था 'जल' और मैं सुशील गुप्ता से उत्प्रेरित था।''

PRID अशोक महाजन से उन्होंने ''जमीनी स्तर पर समुदाय से जुड़ने का महत्व सीखा है, क्योंकि इमामों और मुल्लाओं के साथ उनका जुड़ाव हमारी पोलियो उन्मूलन की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इसलिए विभिन्न लोगों से मुझे अलग-अलग तरह का ज्ञान मिला है।''

आत्मनिरीक्षण पर चर्चा करते हुए, पांड्या ने कहा कि हाल ही में किसी ने उनसे पूछा था कि उन्हें रोटरी में कौन सी भूमिका सबसे अच्छी लगी। ''मैंने कहा कि प्रत्येक भूमिका मेरे भीतर अलग-अलग चीजें लेकर आई है; क्लब अध्यक्ष को अपना नेतृत्व कौशल बढ़ाने की आवश्यकता है जिसका इस्तेमाल मैंने मंडल अध्यक्ष रहते हुए किया। ... मेम्बरशिप चेयर रहते हुए अन्य मेम्बरशिप चेयर के साथ काम करते हुए सदस्यता में भारत को अमेरिका के बाद नंबर 2 पर लाना। रो ई प्रशिक्षण नेता के रूप में, मैंने प्रशिक्षण का एक बिल्कुल अलग पहलू सीखा, जो व्याख्यान देना नहीं है बल्कि सहज बनाना और लोगों के भीतर से चीजें निकालना।''

डॉ भरत पांड्या, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस के अध्यक्ष डी रवि शंकर को गांधी पिन लगाते हुए। चित्र में पाओला रवि शंकर और रो ई मंडल के DG सुरेश हारी भी शामिल हैं।

के लिए बिल गेट्स ने टीआरएफ को 100 मिलियन डॉलर दिए थे। 2009 में, उन्होंने 255 मिलियन डॉलर और दिए, अन्तर्राष्ट्रीय असेंबली में गवर्नर्स इलेक्ट को संबोधित करते हुए, वहां ट्रेनिंग लीडर के रूप में मैं भी मौजूद था।''

गेट्स का कहना था कि वे बच्चों और पोलियो के लिए काम करना चाहते थे और जब ''हमने पोलियो पर फैसला कर लिया, तो उसके बाद हमारे मन में कोई संशय नहीं था कि हम रोटरी और टीआरएफ के साथ करना चाहते हैं क्योंकि जब रोटरी को पैसा दिया जाता है तो इसका उपयोग प्रभावी रूप से, कुशलतापूर्वक, पारदर्शिता के साथ किया जाता है और केवल उसी उद्देश्य के लिए होता है जिसके लिए पैसा दिया गया है, अन्य किसी काम में उस पैसे का इस्तेमाल नहीं होता। टीआरएफ के लिए यह एक बहुत ही जबरदस्त और बड़ा समर्थन है।''

पांड्या ने एक और उदाहरण दिया जो हीरा व्यापारी और रोटरी क्लब डी 3140 के पूर्व अध्यक्ष हर्षद मेहता का। ''2006-07 में जब मैं मंडल अध्यक्ष था तब टीआरएफ को 1 मिलियन डॉलर देने वाले वो पहले भारतीय

मैंने साफ़ कह दिया है कि जब समय आएगा, मैं इस प्रसिद्धि से बाहर आ जाऊंगा और पीछे भी हट जाऊंगा!

थे (2006-07 में टीआरएफ के लिए डी 3140 ने 2 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान किया था, और पहली बार एक भारतीय मंडल पूरे रोटरी विश्व में टीआरएफ योगदान में नंबर 1 बन गया था)। जब उन्हें और उनकी पत्नी नैना बेन को सम्मानित किया गया, तो उनकी पत्नी का कहना था कि हम जैन समाज

RIDE गण कमल संघवी और भरत पांड्या।

माधवी की भूमिका और माधवी कहती हैं

RIPR के रूप में डॉ भरत पांड्या रो ई मंडल 3272 के सम्मेलन में, पाकिस्तान की विदेश मंत्री हिना रब्बानी को एक पुरस्कार देते हुए। माधवी उनकी दाईं ओर खड़ी हैं।

भरत पांड्याः जब मैं क्लब अध्यक्ष बनने के लिए राज़ी हुआ, तो मैंने माधवी से कहा कि तुम्हारे समर्थन के बिना मैं यह नहीं कर पाऊंगा। काफी शालीनतापूर्वक, जैसा कि मेरी रोटरी यात्रा में वह हमेशा रही हैं, उन्होंने इनर व्हील की जिम्मेदारियों से अपने कदम पीछे खींच लिए। दबाव होने के बावजूद वो वो अपने कदम पर डटी रही और पदों के प्रस्ताव को यह कहते हुए मना कर दिया, 'वे व्यस्त है, नेतृत्व की भूमिकाएँ हम दोनों नहीं ले सकते।' इस तरह उसने घर और अस्पताल दोनों को बखूबी सम्भाला।

वह अपने आप में खुद एक नेता है; पिछले साल वह इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 314 की अध्यक्ष थीं; और उनका मंडल मेरे मंडल से भी बड़ा है! (रो ई मंडल 3140, 3141 और 3142 में विभाजित हो गया है)। और मेरे अध्यक्ष काल के दौरान, मेरे क्लब का बुलेटिन मैं नहीं बल्कि वो निकालती थी। अध्यक्ष के रूप में मेरे संदेश के अलावा, बाकी सब कुछ उन्हीं के द्वारा लिखा और संकलित किया गया था, चित्रों सहित!

माधवीः भरत के इस पद पर आने से मैं बहुत प्रसन्न और गौरवान्वित हूं। वह अत्यंत समर्पित, प्रतिबद्ध और ईमानदार हैं और मुझे यकीन है कि वह हमारे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए अगले दो वर्षों के दौरान कड़ी मेहनत करेंगे।

आपने पूछा था कि एक व्यस्त सर्जन के रूप में वह अपने समय की मांग को कैसे पूरा करेंगे। हां, यह वास्तव में चुनौतीपूर्ण होगा लेकिन वह अपने कार्यक्रम ज्यादातर सप्ताहांत तक ही सीमित रखते हैं, और यात्रा की योजना इस प्रकार बनाते हैं, जिससे उनके काम और मरीजों की उपेक्षा न हो।

RIDE भरत पांड्या और उनका परिवार।

से हैं जो ये मानते हैं कि हमारे पास जो कुछ भी है वह वास्तव में हमारा नहीं है, बल्कि केवल हमारे हाथों से हो कर गुजर रहा है। और अगर यह रोटरी को जाता है तो हम निश्चिन्त हैं कि इसका सही उपयोग किया जाएगा। उस समय, भारत में लगभग 100 या 200 लोगों के पास मेहता की तुलना में अधिक पैसा रहा होगा, लेकिन इसे देने के लिए दिल का होना ज़रूरी है, और साथ ही ये विश्वास भी कि हम इसे उपयुक्त संगठन के हाथ में सौंप रहे हैं। लोगों का मानना है कि टीआरएफ में दान देना मप्रभावी, सही दानफ है और मुझे यकीन है कि रविशंकर भी ऐसा ही सोचते हैं।''

उन्होंने कहा कि अमेरिकी कर कानूनों में एकत्रित धनराशि का लगभग 35 प्रतिशत प्रशासन पर खर्च करने की अनुमति है, ''जबकि टीआरएफ में प्रशासनिक कार्यों के लिए बमुश्किल 7-8 प्रतिशत का उपयोग ही किया जाता है। यह आंकड़ा काफी कम है।''

लेकिन हमारे क्षेत्र से रिपोर्ट किए गए प्रबंधन सम्बन्धी मुद्दों के बारे में क्या कहना है?

''हाँ, ऐसे मुद्दे रहे हैं। लेकिन प्रबंधन के उन दोषियों का बचाव किए बिना, मैं हमेशा कहता हूं कि रोटरी हमारे समाज का ही प्रतिबिंब है। जिस प्रकार एक बड़े समाज में हमें कुछ आपराधिक तत्व नज़र आते हैं, उसी प्रकार वे रोटरी में भी मौजूद हैं। लेकिन अगर आप इसे एक सकारात्मक प्रिज्म से देखते हैं, तो इनकी संख्या बहुत ही मामूली हैं। धन का दुरुपयोग बिलकुल क्षमा योग्य नहीं है जिस धन को इस विश्वास के साथ दिया गया है कि इस का उपयोग ईमानदारी से किया जाएगा। और हां, उन पर कार्रवाई की जा रही है। राजकोषीय अनुशासन, विवेक और पारदर्शिता के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।''

रोटरी ने उनके जीवन पर क्या प्रभाव डाला है, इस पर वे कहते हैं, ''इससे मुझे खुद का विकास करने में मदद मिली है, लोगों के साथ बेहतर तरीके से पेश आने और लोगों द्वारा किये गए बढ़िया काम की दिल खोल कर तारीफ़ करने में। अक्सर मैं हमारे जीवन में तीन पहलुओं की बात करता हूं: सीखो, कमाओ और लौटाओ। रोटरी ने मुझे सीखने के दौरान भी लौटाने का अवसर दिया है। मुझे ये कहने में कोई संकोच नहीं है कि रोटरी को जितना दिया है मुझे उससे कहीं अधिक मिला है, अपने रवैये, दृष्टिकोण और नेतृत्व कौशल के सन्दर्भ में।''

चित्र: रशीदा भगत

चत्र सौजन्य: भरत पांड्या

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

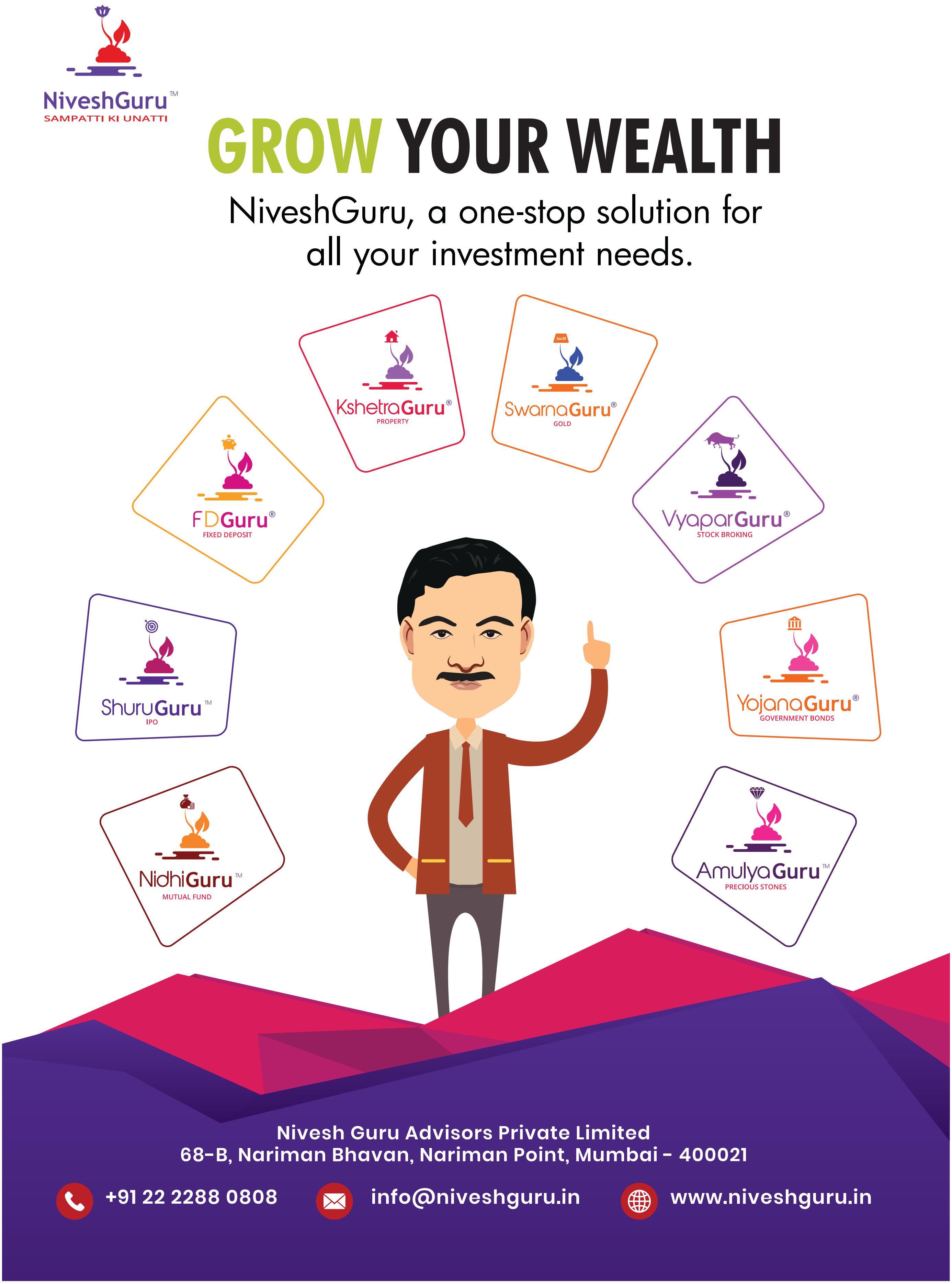
NiveshGuru™
SAMPATTI KI UNATTI
GROW YOUR WEALTH
NiveshGuru, a one-stop solution for all your investment needs.
KshetraGuru®
PROPERTY
SwarnaGuru®
GOLD
FDGuru®
FIXED DEPOSIT
VyaparGuru®
STOCK BROKING
ShuruGuru™
IPO
YojanaGuru®
GOVERNMENT BONDS
NidhiGuru™
MUTUAL FUND
AmulyaGuru™
PRECIOUS STONES
Nivesh Guru Advisors Private Limited
68-B, Nariman Bhavan, Nariman Point, Mumbai - 400021
+91 22 2288 0808
info@niveshguru.in
www.niveshguru.in

निदेशक के रूप में मेरी भूमिका से अधिक एक सहायक की है:

रशीदा भगत

RIDE कमल संघवी और सोनल।

प्रशासक

कमल संघवी

रशीदा भगत

आगामी निदेशक कमल संघवी अपनी 28 साल की रोटरी यात्रा में उस क्षण की याद को ताज़ा करते हुए भावुक हो जाते हैं, ''जिसने मेरा सम्पूर्ण परिवर्तन कर दिया और जीवन के प्रति मेरी सोच और मेरा नज़रिया बदल दिया।''

हम चेन्नई में रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट कार्यालय में बैठे हैं, सुबह गर्म और उमस भरी है और वो एक गिलास छाछ मंगाते हैं। लेकिन अपनी रोटरी यात्रा और उससे मिले जोश और ऊर्जा का वर्णन करने में वो इतने तल्लीन हो जाते हैं कि उन्हें छाछ का ध्यान ही नहीं रहता ।

वो निर्णायक क्षण 1991 की सर्दियों में आया था, उनके गृह नगर धनबाद में जब कड़ाके की ठण्ड पड़ रही थी। उनके पिता रोटेरियन थे, अपने पिता का अनुसरण करना और उसी क्लब में शामिल होना स्वाभाविक था और 1 जुलाई 1991 को वो रो क्लब धनबाद, बिहार के सदस्य बन गए। वे एक संस्मरण सुनाते हैं, इस क्लब ने कई नेत्र शिविर आयोजित किए ''उन दिनों ये एक स्कूल में आयोजित किए जाते थे। ऐसे ही एक शिविर में, अंदर करीब 400 लोग मौजूद थे और बाहर 100 से ज़्यादा इंतज़ार कर रहे थे, जहां मैं बैठा था। क्योंकि शहर के लोग मेरे परिवार को अच्छी तरह से जानते थे इसलिए हर व्यक्ति मुझसे मिलने चला आता और बात करता था।''

एक महिला उन्हें काफी देर से देख रही थी जो लगभग 70 साल की रही होगी ; ''उसके कपड़े फटे हुए थे, पैरों में जूते नहीं थे और अपने पति के साथ, फर्श पर बैठी वो काँप रही थी। उसने देखा हर कोई मेरा अभिवादन कर रहा था, यह देख उसने सोचा होगा कि शायद मैंकोई रसूखदार आदमी था और उसने मुझसे कहा: 'साब, कृपया मेरी आंख का ऑपरेशन करवा दो।' मैंने कहा ज़रूर, डॉक्टर को बुलाया और उसे देखने का अनुरोध किया। डॉक्टर ने कहा कि उसकी उम्र 75 से अधिक थीं और उस की आँखों का ऑपरेशन संभव नहीं था।''

संघवीने उसे समझाया लेकिन वह अपनी ज़िद पर अड़ी रही कि उसे भर्ती कर और उसका ऑपरेशन किया जाए। ''वे शिविर तक पहुंचने के लिए 10 मील पैदल चल कर आये थे । मैंने उससे कहा कि हम आपकी मदद नहीं कर सकते, फिर भी आप भर्ती क्यों होना चाहती है। उसके जवाब ने मुझे अंदर तक हिला दिया और जीवन के प्रति मेरी धारणा ही बदल दी, क्योंकि अपने वैभवशाली जीवन में, मैंने ऐसा कुछ कभी नहीं देखा था। उसने कहा कि यदि आप मुझे भर्ती कर लेंगे, तो हम यहां 5 दिन रह सकेंगे, और पूरे पांच दिन हमें भरपेट भोजन मिलेगा।''

लेकिन उससे भी ज्यादा लालच इस बात का था कि ''जब लौटेंगे तो हमें एक-एक कंबल मिलेगा। हमारे दो पोते हैं, और हमारी छत टपकने की वजह से रात में इतनी ठंड पड़ती है कि हम सो नहीं पाते। इन कंबलों में (कंबल की लागत

गवर्नर के पद पर आपके सैकड़ों दोस्त बनते हैं और ये पद आपके अंदर लोगों से अच्छे काम करवाने की क्षमता भी पैदा करता है

एक नजर में

धार्मिक: धर्म का अनुसरण मैं जीवन शैली में करता हूं। मानवता को मैं अपना धर्म मानता हूं।

अध्ययन: मैं हर तरह की किताबें पढ़ता हूं। पहले मैं अत्युत्सुक पाठक था लेकिन निदेशक बनने के बाद बहुत कम समय बचता है। लेकिन मैं *रामायण* और *महाभारत* जैसे पौराणिक ग्रंथ अवश्य पढ़ता हूं। मुझे देवदत्त पटनायक का लेखन बहुत पसंद है ... वह *रामायण* और *महाभारत* के लोकाचार को आधुनिक सन्दर्भ में सामने लाते हैं। वह बहुत अच्छे लेखक हैं।

संगीत: मुझे हिंदी और पश्चिमी संगीत दोनों पसंद है; मेरी रुचि जैज़ और क्लासिकल वेस्टर्न में भी है, पर यह इस बात पर निर्भर करता है कि मैं कहाँ हूँ।

फिटनेस: रोज़ाना सुबह एक घंटे योगाभ्यास करता हूं; यह मुझे तनाव से मुक्त करता है और मानसिक शान्ति देता है। अत्यधिक यात्रा और भोजन की वजह से मेरा वज़न बढ़ सकता है। जब मैं घर पर होता हूं तो योग के अलावा एक घंटे सैर करता हूं, लेकिन जब मैं यात्रा पर होता हूं तो केवल अपने कमरे में ही योग करता हूं।

भोजन: मुझे भोजन बहुत पसंद है; भोजन का पारखी हूं मैं; मुझे विभिन्न प्रकार के व्यंजनों को परखना पसंद है लेकिन कम मात्रा में, विभिन्न रेस्तरां में भी जाता हूँ। मुझे स्ट्रीट फूड पसंद है और मैं जिस शहर में जाता हूँ वहां के स्ट्रीट फूड का ज़ायका लेने की कोशिश ज़रूर करता हूं, ताकि उसके लोकाचार और संस्कृति को बेहतर ढंग से समझ सकूं ।

पाक कला: केवल मैगी नूडल्स, इससे ज्यादा कुछ नहीं!

यात्रा: मुझे यात्रा बेहद पसंद है; विशेषकर यूरोप अपने इतिहास, संस्कृति और विविधता के लिए और अमेरिका उसके साहसिक और जोखिम भरे खेलों के लिए और जिस कुशलतापूर्वक उन का आयोजन किया जाता है। मैं पैरा ग्लाइडिंग, पर्वतारोहण, स्नोमोबाइल आदि करता हूं, लेकिन यूरोप खूबसूरत है, और भारत की तरह ही; हर 100 मील की दूरी पर यह बिलकुल अलग है।

रोटरी में अधिक महिलाएं : 101 प्रतिशत ; मेरा मानना है महिलाएं पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक कुशल हैं, केंद्रित हैं, अपने काम के लिए प्रतिबद्ध हैं साथ ही बहुआयामी भी। घर को संभालने के साथ साथ, आज महिला हर विभाग का प्रबंधन कर रही है। एक बार काम मिलने के बाद महिलाएं उस का निष्पादन समय पर करती हैं। प्रत्येक स्वस्थ और प्रगतिशील संगठन में महिलाओं को शामिल करना चाहिए और मुझे नहीं लगता कि महिलाओं को समान अवसर दिए जाने की आवश्यकता है; ऐसे कथन मुझे दया दिखाने वाले लगते हैं। बस दरवाजे खोल दो, उन्हें अंदर आने दो और अपने बराबर समझो, और वे काम करेंगी। मेरे अपने क्लब में चार महिला अध्यक्ष रही हैं ।

रोटरी से सीख: इसने मुझे कृतज्ञता और करुणा सिखाई है साथ ही ये भी कि वंचितों को आपकी मदद की जरूरत है। यदि आप समर्थ हैं और धनवान हैं, तो आपको कमजोर और गरीबों की मदद करनी चाहिए। आपके पास जो कुछ भी है उसके लिए आपको कृतज्ञ होना चाहिए ऐसी दुनिया में जहां संघर्ष और अभाव इतना ज़्यादा है। मेरा मानना है, यदि रोटरी में किसी को नेतृत्व की भूमिका मिलती है तो उसके पीछे ज़रूर कोई कारण है। मैं निदेशक क्यों बना? मुझे यकीन है कि इस पद के लिए सैकड़ों रोटेरियन मुझसे अधिक सक्षम है, अधिक योग्य हैं।

तो निश्चित ही, मुझे किसी उद्देश्य के लिए ही निदेशक बनाया गया था। दुनिया में ऐसा कोई संगठन नहीं है जो आपको इतना प्रेम, मित्रता, सद्भावना और विश्वास देता है। जब कोई आपसे कहता है कि वह एक रोटेरियन है, तो वह आप पर विश्वास करता है। अमेरिका में मुझे लोगों के यहां ठहरने का अवसर मिला है जहां हवाई अड्डे पर कोई व्यक्ति अगवानी के लिए आता है और मुझे अपने साथ ले जाता है! कौन करता है अमेरिका में ये? उनके घर में मेरा स्वागत सिर्फ इसलिए होता है क्योंकि मैं एक रोटेरियन हूँ!

रोटरी में गर्व का क्षण: 'अमन की आशा' संधि की परिणीति, जिसके तहत महीलिंग लिटिल हार्ट्सफ परियोजना के माध्यम से 200 पाकिस्तानी बच्चों का ऑपरेशन किया गया।

रोटरी का उपहार: लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का शानदार अवसर।

रोटरी के लिए दूरदृष्टि : मैं हमेशा कहता हूं कि नोबेल पुरस्कार के लिए लक्ष्य निर्धारित करें। एक बार पोलियो समाप्त हो गया तो उसके सैकड़ों दावेदार खड़े हो जायेंगे । मुझे लगता है कि रोटरी ने जो कुछ किया है, कर रही है और जो भविष्य में करती रहेगी उस के लिए यह निश्चित ही इस की अधिकारी है । ज्यादातर लोग सार्थक और महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए नोबेल पुरस्कार पाते हैं, लेकिन इसके बाद लोग उन्हें भूल जाते हैं। लेकिन रोटरी तो यहीं विद्यमान रहेगी, इसलिए निश्चित रूप से रोटरी इसकी हकदार हैं। रोटरी के लिए मेरा सपना है शांति प्रिय दुनिया, मेरी नज़र में इसका मतलब युद्ध का ना होना बिलकुल नहीं है बल्कि इसका मतलब है ऐसी दुनिया जहां हर इंसान को शिक्षा, भोजन और पानी, बुनियादी स्वास्थ्य और उचित जीवन का अधिकार है। चिरस्थायी शांति सिर्फ इसी से आएगी।

कमल और सोनल संघवी अपनी शादी के दिन।

अवसर प्रदान कर रही थी, ऐसे लोगों की मदद करने की मैं हर संभव कोशिश करूंगा, संघवी कहते हैं, उस अनुभव ने मुझे (सिर्फ नाम मात्र के रोटेरियन) से एक सच्चा रोटेरियन बना दिया।''

संयोग से उनका परिवार, धनबाद में विरजी बैंक का मालिक है, जो वंचितों की मदद के लिए एक पारिवारिक धर्मार्थ ट्रस्ट का संचालन भी करता है।

संघवी का जन्म एक बहुत अमीर गुजराती जैन परिवार में हुआ था। ''हमारा परिवार एक सुदृढ़, रूढ़ीवादी परिवार था, मेरे दादाजी बहुत ही पारंपरिक मूल्य वाले व्यक्ति थे और पूर्ण रूप से गाँधी वादी थे। लेकिन इसके ठीक विपरीत मेरे पिता राजसी ठाठ बाट का जीवन जीते थे, उन्हें यात्रा करना बहुत पसंद था और यह जुनून मुझे भी विरासत में मिला है।'' उनकी शिक्षा दार्जिलिंग के एक महंगे पब्लिक स्कूल में हुई थी, फिर मुंबई में और अंत में मणिपाल से फार्मास्युटिकल साइंसेज में स्नातक

महिलाएं पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक कुशल हैं, केंद्रित हैं, अपने काम के लिए प्रतिबद्ध हैं साथ ही बहुआयामी भी। एक बार काम मिलने के बाद महिलाएं उस का निष्पादन समय पर करती हैं।

होने के बाद एक फैक्ट्री लगाईं। लेकिन बीच में ही उसे छोड़ कर घर लौटना पड़ा क्योंकि उनके पिता को दिल का दौरा पड़ा था।

घर लौटने के बाद, उन्होंने अपने पिता के पारिवारिक व्यवसाय में हाथ बंटाना शुरू किया की और उनके रोटरी क्लब में भी शामिल हो गए । यह पूछे जाने पर कि क्या उनका और उनके पिता का एक ही क्लब में होना अजीब नहीं था था, संघवी कहते हैं, ''बिल्कुल नहीं; हमारा ये क्लब एक अनोखा क्लब

मुश्किल से 60 रुपये थी) हम सब सो सकेंगे।''

इस अनुभव ने युवा रोटेरियन को वास्तव में अंदर तक झकझोर दिया - यह जानते हुए भी कि इसका कोई इलाज नहीं है, वो अपनी आंख का ऑपरेशन करने के लिए तैयार थी ''सिर्फ पांच दिनों के भोजन और दो कंबलों के लिए। उसी दिन मैंने संकल्प लिया कि अपनी सम्पन्नता और मेरे परिवार के साथ मिल कर, जो ऐसे मानवीय कार्यों में मेरा साथ देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, और जिस के लिए रोटरी मुझे इतना शानदार

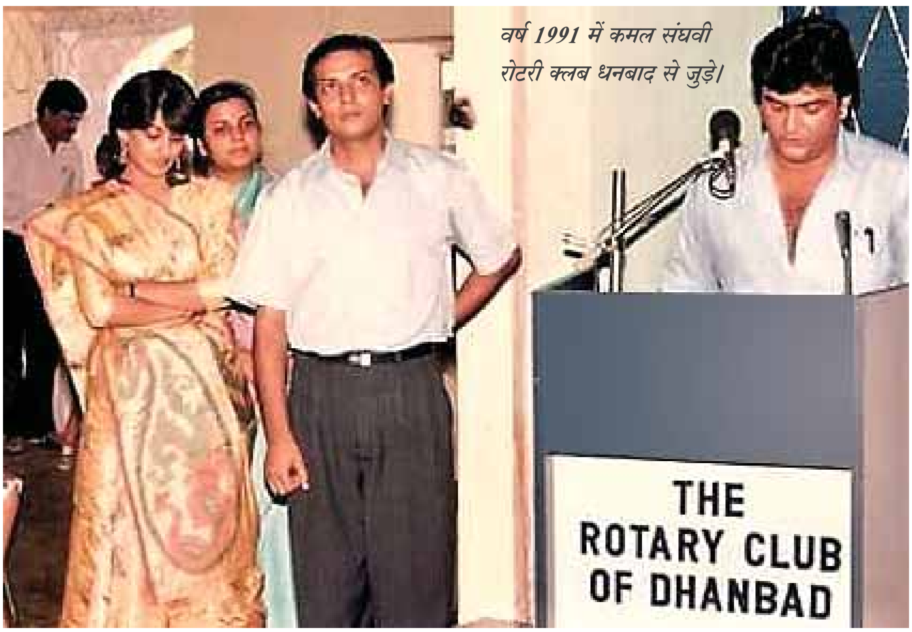

वर्ष 1991 में कमल संघवी रोटरी क्लब धनबाद से जुड़े।

था और इसमें सात पिता-पुत्र सदस्य थे! फिर सोनल भी उसी क्लब में शामिल हो गई।''

मज़े की बात यह है कि वे दोनों एक-दूसरे को बचपन से जानते थे सोनल के मामा और मेरे पिताजी प्रगाढ़ मित्र थे। लेकिन वे दोनों ही बचपन के प्रेमालाप से बहुत दूर थे। ''हमारी शादी हमारे परिवार द्वारा तय की गई थी और हमने कभी भी एक-दूसरे को उस तरह से नहीं देखा था जब तक हमारे परिवार ने इस दिशा में सोचना शुरू नहीं कर दिया। आज भी मेरे परिवार में मज़ाक में कहते हैं कि, मैंने सोनल से कहा था कि अगर किसी कारण वश ये शादी नहीं हुई तो हम ये कहेंगे कि तुम अभी भी मुझे कमल भाई कह कर बुलाती हो! लेकिन शादी बहुत इत्मीनान से संपन्न हुई,'' उनके चेहरे पर दमक आ जाती है!

रोटरी की ओर लौटते हैं, 1998 में, सात साल के अन्दर ही वह क्लब के अध्यक्ष बन गए और ''शुरु के कुछ वर्षों में, रोटरी मेरे लिए सिर्फ एक क्लब था। 2000 तक मैंने किसी भी मंडल कार्यक्रम में भाग नहीं लिया था। सेवा के कार्यों में मुझे बहुत आनंद आ रहा था, बहुत सारी परियोजनाओं में, विशेषकर अपने क्लब द्वारा लगाए गए नेत्र शिविरों में।''

वहां से मंडल अध्यक्ष के पद का सफर मुश्किल नहीं था, वे कहते हैं। उनके क्लब से परे भी रोटरी की एक बहुत बड़ी दुनिया है, उनकी यह धारणा कि तब बदल गई, जब 2002-03 में उनके एक करीबी दोस्त संदीप नारंग मंडल अध्यक्ष बने। ''मैं उनका मंडल सचिव था। हमें अपने मंडल का 'अंगरेज' माना जाता था, बिहार में उन दिनों बहुत ज़्यादा लोग धाराप्रवाह अंग्रेजी नहीं बोलते थे। हम दोनों बोर्डिंग स्कूल से पढ़े थे और हम एक तड़क भड़क वाली आकर्षक जीवन शैली जीते थे। उन्होंने मुझे डीजी पद पर जाने की सलाह दी और मैंने अपना नाम दे दिया,'' संघवी मुस्कुराते हुए बोले।

घर जाकर जब उन्होंने अपने पिता को इस बारे में बताया, ''मेरे पिताजी ने मुझे बैठाया और कहा कि 'हार के लिए तैयार रहो', और मुझसे वादा लिया कि अगर हार गए तो तुम रोटरी नहीं छोड़ोगे। इसके अलावा, अगर तुम हार जाते हो तो निराश मत होना। दूसरा, क्या तुम इस पद के लिए तैयार हो क्योंकि आज तक तुमने किसी के आगे हाथ नहीं जोड़े हैं। हमारा व्यवसाय ही ऐसा था कि अन्य लोग मेरे पास किसी उपकार या इनायत के लिए आते थे न कि इसके विपरीत। उन्होंने कहा कि इस पद पर तुम्हें लोगों से मिलना - जुलना होगा और उनकी सहमति भी लेनी होगी। तीसरा, अगर तुम गवर्नर बनते हो, तो तुम इसे सत्ता का पद समझ कर इसका दुरूपयोग कभी भी नहीं करोगे। वादा करो मुझसे। और मैंने कहा: ठीक है पिताजी, वादा किया।''

वह पहली बार में ही मंडल अध्यक्ष बन गए! एक मंडल अध्यक्ष रहते हुए उनके कार्यकाल (2005-06) की मुख्य विशेषताओं के बारे में पूछने पर, उन्होंने कहा : ''यह एक शानदार अनुभव था। गवर्नर के पद पर आपके सैकड़ों दोस्त बनते हैं और ये पद आपके अंदर लोगों से अच्छे काम करवाने की क्षमता भी पैदा करता है। और एक मंडल अध्यक्ष होने की विशिष्ट बात यह है कि जब आप शीर्ष पदों पर बैठे लोगों को, सत्ता के पदों पर भी, कुछ करने के लिए कहते हैं, वो आपकी बात ध्यान से सुनते हैं।''

गवर्नर के रूप में उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी महिलाओं के लिए लगभग 20 व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना जिसे *सहेली* केंद्र कहा जाता है, मंडल 3250 में, इसमें बिहार और झारखंड शामिल थे। दूसरी उपलब्धि थी टीआरएफ को दान देने में

रिकॉर्ड बनाना। उस समय तक उनके मंडल ने कभी भी 1,00,000 डॉलर का आंकड़ा पार नहीं किया था; ''डीजी रहते हुए अपने वर्ष के दौरान, हमने 240,000 डॉलर एकत्र किए, और हम भारत में प्रति व्यक्ति दान देने वालों में दूसरे स्थान पर आ गए थे। और इस तरह हमारे क्षेत्र ने रोटरी के सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा कि बिहार भी प्रति व्यक्ति दान देने में दूसरा स्थान ले सकता है! इसने सब कुछ बदल दिया और मेरे लिए रोटरी में नए मार्ग प्रशस्त किये।''

तो ये सब उन्होंने कैसे किया? ''ओह, ये बहुत आसान था। प्रचुर प्राकृतिक संपदा की वजह से पूर्व में बिहार सबसे अमीर रियासत थी। और पिताजी से चर्चा करी तो उन्होंने कहा: 'कमल, यह बहुत ही आसान है। अगर मैं तुम्हारी शिक्षा के लिए सबसे अच्छे स्कूलों और कॉलेजों का खर्च उठा सकता हूँ, तो बिहार में ऐसे हजारों लोग हैं, जिनके बच्चे बोर्डिंग स्कूलों में पढ़ रहे हैं। उनमें से हर व्यक्ति एक संभावित मेजर डोनर (प्रमुख दाता) है।' इसलिए यहां मुद्दा धन का नहीं था, बल्कि सच्चाई ये थी कि बिहार का दान देने का इतिहास कभी नहीं रहा।''

अपने पिता की सलाह के अनुसार संभावित दाताओं को खोज निकालने के लिए, उन्होंने

दूसरे निदेशक के साथ काम करना मेरे लिए वरदान है। मुझे लगता है कि एक निदेशक इतने बड़े क्षेत्र को नहीं संभाल सकता। शारीरिक या मानसिक रूप से अब यह संभव नहीं है।

ऊर्जा से भरपूर सोनल

RIDE कमल संघवी से उनकी पत्नी सोनल के बारे में पूछा नहीं कि उनका पूरा चेहरा दमक उठा। ''वो अद्भुत है और मेरे साथ चट्टान की तरह खड़ी है। मेरे दोनों बेटे बोर्डिंग स्कूल में पढ़े इसलिए लंबे समय तक बाहर रहे और माता-पिता, दोनों 10 साल से बीमार थे; मेरे पिता कैंसर और हृदय की एक गंभीर बीमारी से पीड़ित थे ... पिछले साल उनका निधन हो गया। मेरी मां को भी कई बीमारियां हैं। लेकिन घरेलू मोर्चे को सोनल ने पूरी मुस्तैदी से संभाला; मैं तो ये कहूंगा कि मेरी अनुपस्थिति में उसके अंदर हर परिस्थिति से निपटने और धैर्य रखने की अदम्य क्षमता है,'' उन्होंने बताया।

उनका बड़ा बेटा ख्वाब बायो टेक्नोलॉजिस्ट है जो जर्मनी में ब्रेन कैंसर में रिसर्च कर रहा है; छोटे राविशु (प्रेम का देवता) ने अपनी कंप्यूटर इंजीनियरिंग पूरी कर ली है और स्विस बैंक में पदभार ग्रहण करने जा रहा है।

संघवी ने कहा कि सोनल न केवल घर और बच्चों को संभालती है, बल्कि वह उनके निर्माण के व्यवसाय का प्रबंधन भी करती है, ''इसके अलावा वह स्वयं का एनजीओ चलाती है जो महिलाओं को कागज़ के उत्पाद बनाने के लिए प्रशिक्षित करता है पॉलिथीन बैग और उससे बनी अन्य वस्तुओं से उसे नफरत है। एक रोटेरियन और इनर व्हील क्लब की पूर्व अध्यक्ष, सोनल ने कई महिलाओं को प्रशिक्षित किया है और उन्हें अच्छी आजीविका प्राप्त करने में मदद की है। वह ऊर्जा का भण्डार है और अत्यंत स्नेहमयी है।''

रोटरी की गतिविधियां उनका काफी वक़्त ले लेती हैं तो वे शिकायत नहीं करतीं?

संघवी ने हंसते हुए कहा: ''बेशक बड़बड़ाती तो वो भी है; पर ये तो सब करते हैं ... लेकिन वो मेरे रोटरी के जुनून से वाकिफ़ है और मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है।''

रशीदा भगत

PRIP कल्याण बेनर्जी के साथ कमल संघवी।

यह निश्चित किया कि डीजी कार्यकाल में अपनी हर यात्रा के दौरान, टीआरएफ के लिए धन जुटाने के लिए एक - एक दरवाज़ा खटखटायेंगे। ''इसका परिणाम इतना अच्छा रहा कि उनके वर्ष के अंत में मुझे लगा कि यह उपलब्धि कम रही। अगर मैंने अपना लक्ष्य 155,555 डॉलर से ज़्यादा निर्धारित किया होता, तो मैं 240,000 डॉलर से भी अधिक राशि जुटा सकता था।''

लोग उन्हें आपदा क्षेत्र में शेल्टर किट्स पहुंचाने के लिए जानते हैं, मैं संघवी से पूछती हूं कि वह इससे कैसे जुड़े। वो कहते हैं, ''एक बार वे PRID शेखर मेहता के कार्यालय में बैठे थे, जब बिहार राज्य में कोसी नदी में बाढ़ आई थी, उन्होंने मुझे PRIP कल्याण बनर्जी और PRID सुशील गुप्ता सहित मुझे भी हमेशा अपने साथ रखा और मेरा मार्गदर्शन किया।'' वे शेल्टर किट पहुंचाने का भरसक प्रयास कर रहे थे और अंत में जब उस की सूची आई, ''तो मैंने शेखर (मेहता) से कहा कि इससे काम नहीं चलेगा यह हमारे मंडल में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने के काम नहीं आएगी। हमें अपने आश्रय किट खुद बनाने होंगे।''

और इस प्रकार हर जगह मिलने वाला स्टील के ट्रंक का विचार आया ''जो बिहार के लगभग हर घर में पाया जाता है, जिसमें वे अनाज और अन्य आवश्यक सामग्री सहेज कर रखते हैं। हमने इस तरह के ट्रंक लिए, उनमें ज़रूरी सामान भरा और सीधे बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाया।'' उसी समय मरोटरी इंडिया ह्यूमैनिटी फाउंडेशनफ की स्थापना की गई और इसने बिहार, नेपाल, ओडिशा और केरल में प्राकृतिक आपदा के पीड़ित लोगों को लगभग 10,000 आश्रय किट बांटे हैं। ''कम से कम ऐसे 300 शेल्टर बॉक्स हमारे पास हर समय उपलब्ध रहते हैं जो किसी भी आपदा की आपातकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार होते हैं। हम उन्हें 48 घंटों के भीतर रवाना कर सकते हैं।''

संघवी कहते हैं कि यह उनके निदेशक कार्यकाल की प्राथमिकताओं में से एक रहेगी;

RIDE कमल संघवी और सोनल, भरत पांड्या के साथ चेन्नई इंस्टिट्यूट में।

रोल मॉडल

कल्याण दा (PRIP कल्याण बेनर्जी) उन के सुनने का सामर्थ्य के लिए और मानवीय मूल्यों के लिए। जब आप उनके पास किसी भी बात से उत्तेजित हो कर जाते हैं, तो आप को शांत करने का उन के पास विलक्षण तरीका है।

सुशील गुप्ता: नेताओं को पहचानने के कौशल और उनके लिए मार्ग का निर्माण करने के लिए।

मेरे पिता: यह सिखाने के लिए कि हर परिस्थिति में धैर्य रखो, और हार को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहो, क्योंकि आप हर बार जीत नहीं सकते।

सरीुरश्र दिवंगत पीडीजी संतोष अग्रवाल, जिन्होंने प्रारंभिक वर्षों में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए मुझे रोटरी की विभिन्न बारीकियों के बारे में विस्तार से बताया और प्रशिक्षित किया कि रोटेरियन की सोच कैसी होनी चाहिए।

शेखर मेहता, मेरे बड़े भाई हैं ... वो काम को ले कर पागल हैं और मुझे भी दीवाना कर दिया है! पूरी तरह से पागल हैं वो, पर सकारात्मक रूप में। उनके विचार अत्यंत उत्साहपूर्ण हैं और मुझे सिखाया कि अपने आदर्श हमेशा उच्च कोटि के रखो और कभी भी उनसे पीछे मत हटो। बल्कि, उन्हें प्राप्त करने के लिए स्वयं का उत्थान करो और हमने किया भी। RILM विशाल संगठन है जिसने 7 वर्षों में बहुत कुछ हासिल किया है...जो सोच भी नहीं सकते थे।

मनोज दिसाई: उनकी हर बात में गहराई और विस्तार हैं। और वह मुझ पर पूरा विश्वास करते हैं।

दूसरे निदेशक के साथ काम करना एक वरदान है

यह पूछने पर कि निदेशक की स्थिति को साझा करना कितना नाजुक या पेचीदा हो सकता है (हमारे जोन में 2011-13 को छोड़कर केवल एक ही निदेशक रहा है), आगामी निदेशक कमल संघवी मुस्कराते हुए कहते हैं दूसरे निदेशक के साथ काम करना मेरे लिए वरदान है। "मैं इसे सत्ता की पदवी के रूप में नहीं लेता और मुझे लगता है कि एक निदेशक इतने बड़े क्षेत्र को नहीं संभाल सकता। शारीरिक या मानसिक रूप से अब यह संभव नहीं है। अगर कोई कर सकता है, तो बढ़िया है। लेकिन मुझे लगता है कि इतने बड़े देश को संचालित करने के लिए एक की बजाय दो निदेशक बेहतर तरीके से काम कर सकते हैं।"

वे कहते हैं, "निर्णय करने में एक की बजाय दो दिमाग हमेशा बेहतर रहते हैं। यदि कभी एक व्यक्ति का निर्णय गलत हो जाए; दूसरा इसे ठीक कर सकता है। इसलिए अगर दो लोग निर्णय करते हैं, यह हमेशा बेहतर होगा। इससे संतुलन भी बना रहता है। हम दोनों की अपनी अपनी खूबियां है; मैं भरत की जानता हूं और वो मेरी! इसलिए हम एक दूसरे से कहते रहते हैं कि आप इसे देखो और मैं उस का ध्यान रखूंगा।"

अपने साथी निदेशक भरत पांड्या की खूबी के बारे में बताते हुए, सांघवी कहते हैं, "भरत पत्र लिखने में जितना माहिर है, मैं नहीं। मैं फोन पर काम करवाना पसंद करता हूं। लेकिन अगर आप भरत को पत्र लिखने के लिए कहेंगे, तो वो पांच मिनट के अंदर भेज देगा पर मुझे इसमें वक़्त लगता है। ऐसे हम अपनी खूबियां का संतुलन रख सकते हैं।"

इससे मदद भी मिलती है "भरत मेरा प्रिय मित्र है; हमने साथ साथ काम किया है। वह साक्षरता मिशन में मुख्य प्रशिक्षक थे और मैं आरआईएलएम का सह-संस्थापक और सह-अध्यक्ष हूं। हमने एक साथ बड़े पैमाने पर बहुत काम किये हैं।"

सांघवी इसे एक अवसर के रूप में भी देखते हैं "दुनिया को दिखाने का, कि यदि आप दूसरों को एक टीम के रूप में काम करने के लिए कहते हैं, तो ये जिम्मेदारी आपकी भी बनती है कि एक ही लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आप अपने साथी निदेशक के साथ काम कर के दिखाएं।"

"मैं इस परियोजना का विस्तार करना चाहता हूं।"

फिर साक्षरता तो उनका जुनून है ही; उनके अनुसार PRIP बनर्जी का सपना - भारत को पूर्ण साक्षर बनने से भारत कितनी दूर है?

"बहुत दूर नहीं" पहले कल्याण दा (बेनर्जी) ने एक बैठक में शेखर (मेहता) और मुझे ये विचार दिया था कि सम्पूर्ण भारत को साक्षर किया जाये। मेहता और मैं ... उस रात 8 बजे से सुबह 5 बजे तक बैठे और एक बुनियादी लक्ष्य निर्धारित किया, जो उस समय ₹100 करोड़ था! पैसे की बात एक तरफ हमारे पास तो बैंक खाता भी नहीं था! इस

सोनल संघवी अपने दोनों बेटों के साथ; ख्वाब (दाएं) और रावविशू।

तरह RILM की स्थापना हुई ; मैंने इसके दस्तावेज़ तैयार किये थे, मेहता संस्थापक और मैं सह-संस्थापक, निस्सन्देह बनर्जी के संरक्षण में। मुझे लगता है कि हम इस लक्ष्य को 2025 तक प्राप्त कर सकते हैं।''

पीछे मुड़कर देखें तो उनका कहना है कि इस उद्देश्य के लिए उन दोनों ने कड़ी मेहनत की और काफी बड़े पैमाने पर काम किया है। ''हर रोज़ तकलीफ तो बहुत होती थी लेकिन उन तकलीफों में भी आनंद था। शुरु से ही हमने अपना ध्यान प्रशिक्षण पर केंद्रित किया, मैक्रो और माइक्रो दोनों स्तर पर; क्लब और नेतृत्व के स्तर पर। इसलिए स्पष्टतः साक्षरता के साथ साथ थळपड, जिसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैं प्रभारी निदेशक हूं, मेरी दो प्रमुख प्राथमिकताएं होंगी। मेरा दृढ़ विश्वास है कि साक्षरता के बिना हम जो भी करेंगे उसका असर बहुत कम होगा। निश्चय ही पहली प्राथमिकता पोलियो है।''

संघवी का यह भी मानना है कि रोटेरियनों को स्कूलों में पेंसिल और नोटबुक देने की बजाय कहीं अधिक बड़ी परियोजनाएँ करनी चाहिएं। जब जब वह क्लबों को संबोधित करते हैं तो पूछते हैं कि क्या इस क्लब के 25 सदस्यों में से प्रत्येक की कीमत कम से कम ₹4 करोड़ है या नहीं। ''वे हाँ कहते हैं; इसीलिए मैं कहता हूं कि आप 25 सीईओ या जीएम वाली ₹100 करोड़ की कंपनी हैं और आप अभी भी पेंसिल और नोटबुक बाँट रहे हैं, आपको तो उन स्कूलों का निर्माण करना चाहिए। मैं यह नहीं कहता कि छोटी चीजें मत करो; वे भी महत्वपूर्ण हैं और हर छोटे से छोटे प्रयास का असर पड़ता है। हमारे क्षेत्र का हर क्लब शानदार काम कर

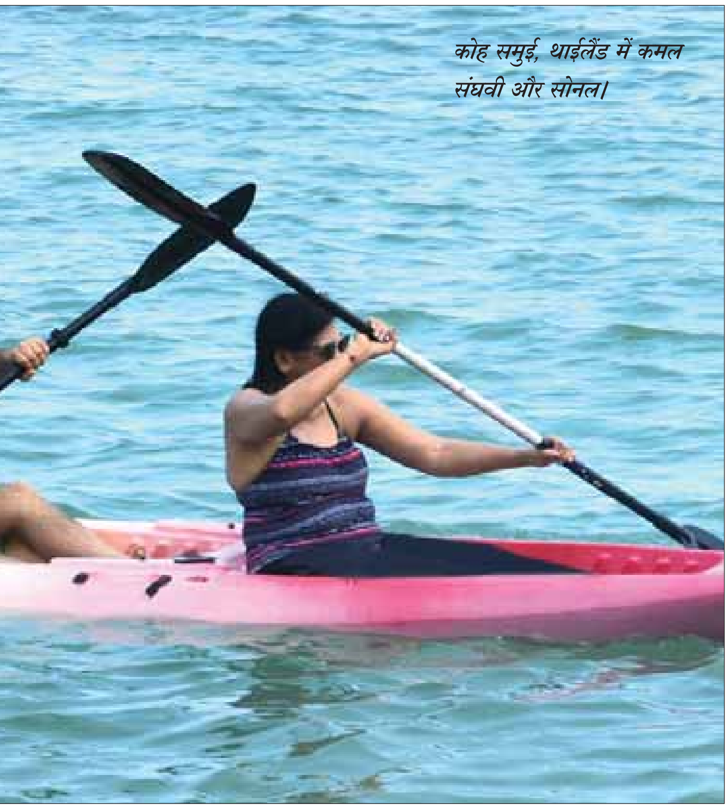

कोह समुई, थाईलैंड में कमल संघवी और सोनल।

सकता है; इसके लिए केवल उनका मार्गदर्शन करने और उन्हें प्रोत्साहित करने की ज़रुरत है। यही वो जगह है जहां निदेशक के रूप मे मेरी भूमिका की आवश्यकता है... उचित मार्गदर्शन के लिए।''

रोटरी के शताब्दी वर्ष और 100 साल पहले कोलकाता में इसके (रो क्लब कोलकाता) आगमन के उपलक्ष्य में, ''हम अपने प्रत्येक मंडल को ₹100 करोड़ की परियोजनाएं कर इस का उत्सव मनाने पर जोर दे रहे हैं।'' शताब्दी समारोह का आयोजन संघवी (संयोजक) और मेहता (चेयर) द्वारा किया जाएगा। ''हम मंडलों को परियोजनाओं का गुलदस्ता देने जा रहे हैं, उन्हें वैश्विक अनुदान प्राप्त करने में और विदेशी भागीदारों को खोजने में सहायता करेंगे।

मैं निदेशक के रूप में अपने काम को शासन करने की अपेक्षा ... रो इ के उद्देश्यों और लक्ष्यों को पूरा करने में हाथ बंटाने वाले एक सहायक के रूप में अधिक देखता हूं।''

चित्र सौजन्य : कमल संघवी

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

District Wise TRF Contributions as on April 2019

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
India							
2981	56,197	14,668	0	8,000	78,865	246	5.4
2982	54,137	7,294	0	243	61,674	301	10.5
3000	13,069	2,119	298,409	49,995	363,592	21	0.4
3011	112,227	5,958	105,345	47,930	271,459	140	4.2
3012	159,059	1,440	322,461	8,800	491,760	166	4.9
3020	24,375	80,608	2,625	7,250	114,859	81	2.1
3030	25,861	29	0	3,000	28,890	8	0.2
3040	2,880	0	47,976	0	50,856	6	0.3
3053	94,943	1,950	10,500	0	107,393	80	2.9
3054	(17,179)	14	136,010	0	118,845	38	0.7
3060	58,063	78,326	195,453	208,081	539,924	915	22.2
3070	111,703	315	4,857	0	116,875	442	15.3
3080	78,768	18,730	45,671	5,000	148,169	71	2.3
3090	45,219	0	0	0	45,219	131	6.5
3100	21,795	475	0	0	22,270	82	4.9
3110	32,742	3,127	34,863	0	70,732	55	1.4
3120	79,122	0	217,897	0	297,020	70	2.2
3131	372,199	25,229	367,497	83,203	848,128	1098	21.5
3132	23,737	310	17,129	60,000	101,176	77	2.1
3141	577,534	19,014	1,120,620	77,280	1,794,447	789	15.7
3142	299,851	75	246,041	0	545,968	577	18.3
3150	88,106	4,664	88,978	338,467	520,214	546	15.7
3160	66,008	1,644	0	9,277	76,929	139	5.8
3170	82,729	3,260	118,237	0	204,225	263	5.0
3181	151,325	938	0	103	152,365	600	19.9
3182	89,806	100	11,367	0	101,273	436	13.9
3190	119,138	19,126	117,087	1,871,889	2,127,240	848	17.7
3201	161,854	26,978	238,625	0	427,456	256	4.9
3202	23,377	32,124	35,563	0	91,064	54	1.1
3211	137,456	2,892	0	1,515	141,863	220	5.0
3212	108,820	14,045	7,350	76,502	206,716	129	3.3
3231	28,468	2,524	7,286	6,528	44,806	246	8.2
3232	174,461	3,600	278,422	12,475	468,958	274	6.4
3240	55,468	421	7,374	0	63,263	159	5.5
3250	26,657	1,834	11,216	4,812	44,519	52	1.4
3261	22,135	1,100	(1,492)	3,000	24,743	47	1.8
3262	31,072	1,000	3,900	5,413	41,385	124	3.8
3291	154,390	437	103,828	51,860	310,515	347	9.5
India Total	**3,747,570**	**376,367**	**4,201,096**	**2,940,622**	**11,265,656**	**10,134**	**7.3**
3220 **Sri Lanka**	77,189	3,025	15,676	8,000	103,890	146	8.1
3271 **Pakistan**	34,947	33,431	2,275	0	70,653	27	1.9
3272 **Pakistan**	25,675	2,166	0	0	27,841	55	1.9
3281 **Bangladesh**	160,377	3,825	81,163	17,696	263,062	302	5.5
3282 **Bangladesh**	60,241	5,095	1,050	3,000	69,386	245	6.1
3292 **Nepal**	184,561	25,014	117,160	25,000	351,736	402	9.2
South Asia Total	**4,290,561**	**448,923**	**4,418,421**	**2,994,318**	**12,152,223**	**11,311**	**7.1**
World Total	**94,330,398**	**23,336,289**	**15,993,352**	**21,551,466**	**155,211,505**		

Source: RI South Asia Office

रोटरी संस्थान के न्यासियों का एक संदेश

TRF Trustee Chair
Brenda M Cressey

अब से केवल कुछ ही दिनों में दुनियाभर के हजारों रोटेरियन हैमबर्ग में होने वाले रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए फ्लाइट पकड़ेंगे।

इस बारे में भी बहुत कुछ कहा जा सकता है कि कैसे हम, कार्यवाही करने वाले लोगों के रूप में, दुनिया को एक रोटरी संस्थान के ज़रिये से बेहतर जगह बना रहे है।

प्रकाशन के समय तक, हमने 1,078 वैश्विक अनुदान आवेदनों को स्वीकृत किया है, जिनकी कुल राशि 76.5 मिलियन डॉलर है।

पिछली जुलाई में, संवहनीयता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अंतर्गत हमने सामुदायिक आंकलन घटक को सभी वैश्विक अनुदान या व्यावसायिक प्रशिक्षण दल आवेदनों के लिए एक आवश्यकता के रूप में शुरू किया था। हमने इस वर्ष रोटरी आपदा प्रतिक्रिया कोष एवं अनुदान की स्थापना क्यों की, जो दुनियाभर में रोटेरियन आपदा प्रतिक्रिया के लिए 25,000 डॉलर तक के अनुदानों के वितरण की अनुमति देता है।

हमने रोटरी शांति केन्द्रों को भी उल्लेखनीय ढंग से बढ़ते एवं उनके प्रभाव में वृद्धि होते देखा है। 2019 में आवेदकों की रिकॉर्ड संख्या में से, लगभग 100 शांति मित्रों का चुनाव किया जाएगा, और एक बार उनके स्नातक हो जाने के बाद, वे अन्य 1,200 से भी अधिक शांति मित्रों के साथ मिलकर वैश्विक समस्याओं के लिए उनके संघर्ष समाधान कौशलों का प्रयोग करेंगे।

हम भविष्य के लिए संस्थान को मजबूत करने एवं उसे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। जैसा कि हम दुनिया भर के समुदायों में और भी अधिक बड़े प्रभावों को जन्म देने के लिए नए रोटरी वर्ष एवं अवसरों की प्रतीक्षा में है, हम हमारी अध्यक्ष, ब्रेंडा एम क्रेसी, का पिछले दो महीनों के दौरान उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद करना चाहेंगे। संस्थान के नेतृत्व में हाल ही में हुये परिवर्तन के बारे में *rotary.org/myrotary* पर अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु आमंत्रित करते है।

अपने रोटरी वर्ष का सफलतापूर्वक समापन कीजिए: *rotary.org/donate* पर जाइए। हम आपकी उदारता और रोटरी में आप जो भी करते है उसके लिए आपको धन्यवाद देते है।

हमारे वार्षि कोष का समर्थन करें

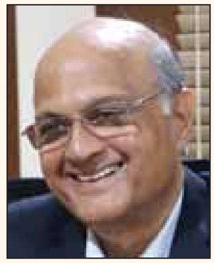

प्रेरक किताब *डूइंग गुड इन द वर्ल्ड* में टीआरएफ़ का इतिहास और दुनिया भर के समुदायों में इसके कार्यक्रमों द्वारा लाये गए परिवर्तनों को प्रस्तुत किया गया है। टीआरएफ़ के काम के लिए धन प्राथमिक रूप से एनुअल प्रोग्राम्स फंड (एपीएफ़) से आता है, जो पूरी तरह से व्यक्तिगत रोटेरियनों एवं संस्थान के मित्रों के स्वैच्छिक योगदानों द्वारा समर्थित है, जो एक बेहतर एवं अधिक मानवीय दुनिया को बनाने की इसकी परिकल्पना को साझा करते है।

सही मायनों में एपीएफ़ रोटरी के पहिये को घुमाता है और दुनिया भर के वंचित समुदायों में आजीविकाओं को सुधारने, एवं शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास को बेहतर बनाने के प्रयासों की सहायता करके एक परिवर्तन लाने में हमारे क्लबों की मदद करता है।

कुछ रोटेरियनों की एक आम चिंता एक ऐसे कोष में योगदान देने की होती है जो दूसरे समुदायों के लोगों की मदद करता है। इसके बजाय वे एक 'स्थानीय' कोष के माध्यम से परिवर्तन लाने के लिए योगदान देते है।

तो चलिये कुछ दशक पीछे 'पोलियो के उन्मूलन' के लिए टीआरएफ़ के मिशन की ओर चलते है। भले ही उत्तरी अमेरीका में पोलियो का कोई मामला नहीं था, दुनिया के हर कोने के रोटेरियनों की तरह, यूएस और कनाडा के रोटेरियनों ने भी दुनिया को दुर्बल बनाने वाली इस बीमारी से मुक्त करने के लिए योगदान दिया। यदि उन्होंने केवल 'स्थानीय' कोषों में योगदान देने के बारे में सोचा होता, तो हम कभी भी भारत को और 99 प्रतिशत दुनिया को पोलियो मुक्त नहीं कर पाते।

इसके अलावा, एपीएफ़ में आपके द्वारा स्वेच्छा से दिया जाने वाला 50 प्रतिशत योगदान, आपके मंडल में तीन वर्षों के बाद मंडल नामित निधि के रूप में वापिस आता है, जहाँ मंडल नेतृत्व तय करता है कि कैसे मंडल अनुदानों के माध्यम से स्थानीय परियोजनाओं के लिए 50 प्रतिशत का अधिकतम उपयोग करना है।

एपीएफ़ को हमारी प्राथमिकता ना बनाकर और उसमें उदारतापूर्वक योगदान ना देकर, हम लायक परियोजनाएं करने के लिए हमारे मंडल के भावी नेतृत्व को गंभीर रूप से बाधित करेंगे। मंडल अनुदान और वैश्विक अनुदान दोनों बुरी तरह प्रभावित होंगे। एपीएफ़ में दिये गए आपके योगदान उस तरह से पूरी दुनिया में ज़िंदगियाँ परिवर्तित करते है जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी नहीं होगा।

मैं आपसे अपील करता हूँ, अपना बटुआ खोलिए और हमारे संस्थान के एनुअल प्रोग्राम्स फंड में उदारतापूर्वक योगदान दीजिये।

गुलाम ए वाहनवटी
ट्रस्टी, रोटरी इंटरनेशनल

RIPE

मार्क मलोनी

रोटरी के भविष्य की रूप रेखा बताते हैं

मार्क डेनियल मलोनी कार्यप्रणाली से परिचित थे। एक साल पहले वो उस समिति के चेयरमैन (अध्यक्ष) रह चुके थे जिस समिति ने सैम ओवरी को 2018-19 के लिए अध्यक्ष चुना था। इस बार, 2017 की ग्रीष्म ऋतु में, मलोनी उन छह कैंडिडेट्स में से एक थे जिन्होंने 2019-20 में उस नामांकन के लिए रो इ अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय की यात्रा की थी।

"मेरा साक्षात्कार लंच से पहले हो गया था इसलिए मैं जानता था कि समिति के निर्णय से पूर्व मेरे पास कुछ घंटे हैं," मलोनी याद करते हैं। "अगस्त का वो सुहाना दिन था और मैं इवान्सटन की खूबसूरत सड़कों पर लम्बी सैर को निकल गया। लंच देरी से किया था, उसके बाद होटल के कमरे में आ कर प्रतीक्षा करने लगा।'ɜ

पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर, मलोनी को समिति की तरफ से दोपहर बाद समाचार की आशा थी पर जब शाम तक भी कोई सन्देश प्राप्त नहीं हुआ था। "मैं अपनी पत्नी को लिख रहा रहा था, गे, 'अभी तक कोई समाचार नहीं है,' उसी समय फ़ोन की घंटी बजी. ये थी एन मैथ्यू, समिति की अध्यक्ष, और उन्होंने मुझे वापस बिल्डिंग पर आने के लिए कहा।"

यह एक अप्रत्याशित मोड़ था। पिछले वर्षों में, अगर प्रत्याशी चुने गए हैं तो उन्हें फोन पर बता दिया जाता था। इस बार भी ऐसा ही होगा,ये सोच कर मलोनी ने अपना सूट और टाई उतार दिया था और अब वो अपनी खाकी पैंट और रोटरी के लोगो वाली कमीज में थे। उन्हें वापस रो इ मुख्यालय बुलाया गया था।

"मैं असमंजस में था।" उन्होंने कहा। "मुझे इसकी आशा नहीं थी। मैं किसी को ज़्यादा देर इंतज़ार नहीं कराना चाहता था, इसलिए मैंने स्पोर्ट जैकेट भी नहीं पहनी। मैं फ़ोन पर गे से कह रहा था, 'मैं बिल्डिंग में जा रहा हूँ,मेरे ख्याल से बस इतना ही है।'"

लॉबी में, रो इ की डिप्टी जनरल काउन्सिल, एन्ड्रू मैक्डोनाल्ड ने मलोनी का अभिवादन किया और उन्हें साथ ले कर 18 वीं मंज़िल पर बने बोर्ड रूम तक आई, जहां नोमीनेटिंग कमेटी इंतज़ार कर रही थी। "मैथ्यूस खड़ी हो गई और मुझे भली भाँती याद है, उन्होंने कहा, 'लेडीज एंड जेंटलमैन, आपके सम्मुख हैं, 2019 - 20 के प्रेसिडेंट नॉमिनी मार्क मलोनी।' इस तरह ये काफी रोमांचक था।"

चौदह महीने गुज़र चुके हैं। ये अक्टूबर की खुशनुमा सुबह है, और प्रेजिडेंट इलेक्ट के कार्यालय में मलोनी बैठे हैं, 18 वीं मंज़िल पर जहां से मिशिगन झील नज़र आती है, *द रोटेरियन* मैगज़ीन के मुख्य सम्पादक जॉन रेज़ेक और वरिष्ठ सम्पादक जेओफ्रे जॉनसन के साथ व्यस्त हैं। अगले 90 मिनट तक (और उसके एक हफ्ते बाद एक घण्टा) वे मलोनी से अध्यक्ष के रूप में उनकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में चर्चा करते हैं।

एक वकील - वे और उनकी पत्नी, डिकेटर, अलाबामा की एक कानूनी फर्म में पार्टनर हैं जो गे के पिता द्वारा स्थापित की गई है - भविष्य में रोटरी के विकास की उम्मीद के सम्बन्ध में, मलोनी एक

एक वाक्य सोच समझ कर, बड़े ध्यान से तैयार किये गए लम्बे पैराग्राफ में बताते हैं। ''(उनकी गहरी आवाज़ विश्वसनीय रूप से इसे दोगुना कर देती है जब वो अचानक ही समूह गान गुनगुनाने लगते हैं R-O-T-A-R-Y / मतलब रोटरी)।''

एक अच्छे वकील की भाँति, मलोनी प्रश्नों का रुख तुरन्त अपनी पसंदीदा दिशा की ओर मोड़ देते हैं।

TR: हम आखिर से शुरू करते हैं। आप किस तरह की प्रेसिडेंशिअल विरासत चाहेंगे ?

मालोनी: चलिए इसका आरम्भ अंत से नहीं करते। पहले मुझे इस पर अपनी प्रतिक्रिया बताने दो, फिर आपके प्रश्न का उत्तर दूंगा।

रोटरी एक तरह से व्यक्तियों के संयुक्त राष्ट्र जैसा है। संयुक्त राष्ट्र देशों का अंतर्राष्ट्रीय संगठन है; रोटरी व्यक्तियों का एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन। हम दुनिया में जबरदस्त प्रभाव डाल रहे हैं। पिछले एक महीने के भीतर ही मुझे कुछ ऐसे अनुभव हुए हैं जिससे ये बात मैं अच्छी तरह से समझ गया हूँ। दो हफ़्ते पहले, गे और मैं, यू.एस. वर्जिन आइलैंड्स के सेंट थॉमस स्थित वाटर फिल्टर वितरण परियोजना में शामिल हुए थे – जो हमारे दो रोटरी क्लबों (मेरे रोटरी क्लब ऑफ़ डेकेटर और उसके रोटरी क्लब ऑफ़ डेकेटर डेब्रेक) के सदस्यों द्वारा की गई है।

हमारे सहयोगी क्लब, रोटरी क्लब ऑफ सेंट थॉमस ईस्ट ने एक डिनर मीटिंग की मेजबानी की, जिसके दौरान स्थानीय विशेषज्ञों के एक पैनल ने 2017 में आए तूफान के बाद द्वीप पर पानी से सम्बंधित मुद्दों को संबोधित किया। बैठक के अंत में एक रोटेरियन उठे और बोले: ''मैं कोई समाचार सुन कर या समाचार पत्र पढ़ कर हताश हो सकता हूं। लेकिन जब मैं इस तरह की बैठक में आता हूं तो रोटरी मुझे एहसास दिलाती है कि दुनिया का भविष्य उज्जवल है।'' रोटरी द्वारा किये गए काम ने, इस व्यक्ति के दृष्टिकोण को पूरी तरह से बदल दिया है कि दुनिया किस दिशा में बढ़ रही है।

और इस सप्ताह इवान्स्टन में, हमने 32 व्यक्तियों और दम्पतियों को आर्च क्लम्प सोसाइटी में शामिल किया है। ये वे रोटेरियन हैं जिन्होंने पोलियो उन्मूलन, शांति और संघर्ष के समाधान और रोकथाम, मातृ और शिशु स्वास्थ्य, और अन्य कारणों का समर्थन करने के लिए काफी ज़्यादा रकम का योगदान दिया था।

और ये रोटेरियन दुनिया में रोटरी को कई काम पूरा करते हुए देखते हैं, ऐसी बहुत सारी भावुक कहानियां हैं इतनी कि वे, बोलचाल की भाषा में कहें तो, सिर्फ बातें ही नहीं सहयोग भी करना चाहते हैं। तो यही वो रोटरी है जिस को मैं सरल बनाना चाहता हूं, जिसे संभव करना चाहता हूं।

तो मैंने भूमिका बना दी है, अब आपके प्रश्न का उत्तर दूंगा। अपने कार्यकाल के अंत में, मैं चाहता हूं कि हमारी रोटरी संस्कृति में बदलाव लाने के लिए मैं प्रेरक बनूँ , जिससे रोटरी वैसे काम करना जारी रखे जिसकी सराहना सेंट थॉमस में उस रोटेरियन ने की थी और उस कार्य को जारी रखने के लिए जिस प्रेरणा ने आर्च क्लम्फ समारोह में उन रोटेरियनों को द रोटरी फाउंडेशन में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

TR: यह सब आप कैसे सुनिश्चित करेंगे?

मलोनी: हमें रोटरी की वृद्धि करने की ज़रुरत है। सेवा करने के लिए हमें अधिक हाथों की आवश्यकता है, नए विचारों के साथ अधिक दिमाग। हमें अधिक भागीदारी, अधिक संपर्कों की आवश्यकता है। इसे निष्पादित करने के लिए, मेरे अध्यक्ष काल में मेरी चार प्राथमिकताएं हैं, और 1 नंबर पर है रोटरी का विस्तार।

TR: और आप यह कैसे करेंगे?

मलोनी: पहले, हम अपने क्लबों में नए सदस्य जोड़ने के लिए दोहरे प्रयास करेंगे और वर्तमान सदस्यों को कार्यक्रमों में शामिल करेंगे ताकि वे रोटरी में बने रहें और नवीन प्रकार की अधिक सेवाएं दे सकें। मतलब क्लबों में पहले से अधिक लचीलापन आएगा।

लेकिन इसके साथ ही नए रोटरी क्लब भी बनाये जाएंगे। हमारी परम्परा रही है कि हम नए क्लब वहीं खोलते रहे हैं जहां पहले क्लब नहीं होते थे। अब हमें क्लब खोलने के लिए अपना ध्यान उधर केंद्रित करने की ज़रुरत है जहां रोटरी न केवल स्थापित है बल्कि कामयाब भी है। ऐसे कई क्षेत्रों में हम केवल जनसंख्या के वर्ग विशेष की ही सेवा कर पा रहे हैं। हमें वैकल्पिक अनुभवों वाले नए क्लबों की आवश्यकता है जो अपारम्परिक तरीकों से मिलें। इससे हमें विभिन्न लोगों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी।भले वो किसी भी उम्र, लिंग, जाति या

संस्कृति के हों - जिससे हम समाज के सभी पक्षों की सेवा कर सकेंगे।

TR: और क्या क्या प्राथमिकताएँ हैं आपकी?

मलोनी: मेरी दूसरी और तीसरी प्राथमिकताएं पहली का समर्थन करती हैं। इस संगठन के प्रत्येक स्तर पर हमें अपने क्लब की बैठकों, सेवा परियोजनाओं, और सामाजिक आयोजनों को इस तरह डिजाइन करने की आवश्यकता है जिससे वे परिवार के अनुकूल हों। हमें ऐसे अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है जो युवा लोगों के पारिवारिक जीवन के पूरक हों नाकि उनके जीवन में अड़चन बनें।

और मेरी तीसरी प्राथमिकता यह है कि हमें अपनी संस्कृति, अपने दृष्टिकोण और व्यापार करने के तरीके को बदलना चाहिए ताकि यह स्पष्ट और संभव हो सके कि आप अपने व्यवसाय या पेशे में सक्रिय रहते हुए भी रोटरी में सक्रिय रह सकते हैं और रोटरी नेतृत्व के पदों को भी ग्रहण कर सकते हैं। अगर हम चाहते हैं कि रोटरी युवाओं को आकर्षित करे, तो हमें रोटरी नेतृत्व को युवाओं के लिए सुलभ बनाना होगा।

रोटरी का ताल्लुक संपर्क से है। जब आप एक क्लब में शामिल होते हैं, तो आप अपने समाज में व्यापार के अग्रणी नेताओं से जुड़ते हैं।

TR: और नंबर 4?

मलोनी: जून 2020 में, संयुक्त राष्ट्र संघ, यूएन चार्टर पर हस्ताक्षर की 75 वीं वर्षगांठ मनाएगा। यूएन की स्थापना के पहले से ही रोटरी यूएन के साथ शामिल रहा है। इसी वजह से मैं संयुक्त राष्ट्र के साथ रोटरी के आपसी संबंधों पर ध्यान देना चाहता हूं। रोटरी-यूएन का वार्षिक दिवस जिनेवा और नैरोबी होते हुए न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वापस लौट आएगा। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि दुनिया भर में संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसियों के साथ रोटरी के संबंधों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थानों पर तीन अध्यक्षीय सम्मेलन होंगे और इसी कड़ी में अंतिम समारोह, सम्मेलन आरम्भ होने से पूर्व होनोलूलू, हवाई में आयोजित किया जाएगा।

इसलिए विरासत के लिहाज से - कुल मिला कर - हम में से जो 2019-20 में एक साथ काम कर रहे हैं, हमारी सफलता का आकलन 2020 की 30 जून को नहीं, बल्कि 2025 या 2030 की 30 जून को किया जाएगा, जब अन्य लोग यह तय कर सकेंगे कि इन वर्षों में हमारे द्वारा शुरू की गई चीजों का कोई प्रभाव पड़ा या नहीं।

TR: रोटरी में महिला अध्यक्ष कब बनेंगी।

RIDE कमल संघवी के साथ RIPE मार्क मलोनी, रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर की एक बैठक में।

मलोनी: मुझे लगता है अगले पांच वर्ष के अंदर। रोटरी की संरचना ऐसी है कि मंडल अध्यक्ष बनने के लिए, आपको क्लब अध्यक्ष होना ज़रूरी है। एक अंतर्राष्ट्रीय निदेशक होने के लिए, आप मंडल अध्यक्ष रहे होंगे और रो इ अध्यक्ष बनने के लिए अंतर्राष्ट्रीय निदेशक। उन पदों पर रहते हुए महिलाओं ने तरक्की की है और हमारे यहां आज कई पूर्व अंतर्राष्ट्रीय निदेशक महिलाएं हैं। वे अन्य पदों पर भी अनुभव ले रही हैं इसीलिए हर वर्ष इस की संभावना पहले से कहीं अधिक प्रबल लगती है कि महिला अध्यक्ष मनोनीत होगी।

निश्चित ही मैं रोटरी में लिंग विविधता को बढ़ावा देने के प्रति जागरूक हूं। अपनी कन्वेंशन कमेटी की अध्यक्षता के लिए मैंने एक महिला को चुना है और द रोटरी फाउंडेशन के ट्रस्टी के रूप में सेवा देने के लिए एक अन्य महिला को नामित किया है। अगले साल हमारे निदेशक मंडल में दो महिलाएँ होंगी और उसके अगले वर्ष हमारे पास पाँच महिला निदेशक होंगी।

TR: कृपया बताएं आपको अपने अध्यक्षीय थीम का विचार कैसे आया - और क्या यह आपके लिए अध्यक्षीय टाई चुनने से अधिक कठिन था?

मलोनी: ओह, नहीं, यह टाई चुनने से कहीं ज्यादा आसान था।

TR: हमें अपनी थीम के बारे में बताएं: *रोटरी कनेक्ट्स द वर्ल्ड* (रोटरी दुनिया को जोड़ती है)।

मलोनी: रोटरी का ताल्लुक संपर्क से है। जब आप एक क्लब में शामिल होते हैं, तो आप अपने समाज में व्यापार के अग्रणी नेताओं से जुड़ते हैं।

हमें वैकल्पिक अनुभवों वाले नए क्लबों की आवश्यकता है जो अपारम्परिक तरीकों से मिलें। जिससे हम समाज के सभी पक्षों की सेवा कर सकेंगे।

रोटरी आपको, क्लबों और मंडलों को दुनिया भर में सेवा के लिए एक दूसरे से जोड़ता है। रोटरी फाउंडेशन का संपूर्ण आधार है - दुनिया के एक हिस्से में स्थित रोटरी क्लबों को दुनिया के दूसरे हिस्से के रोटरी क्लबों से जोड़ना, आमतौर पर विकसित देश के रोटरी क्लबों को विकासशील देश के रोटरी क्लबों से - एक मानवीय सेवा परियोजना की शुरुआत करने के लिए।

कम औपचारिकता के साथ रोटरी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया से जोड़ती है। रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और अन्य अंतर्राष्ट्रीय बैठकें अद्भुत कार्यक्रम हैं। आप साल दर साल ऐसे लोगों को देखते हैं, जिन्हें आप वर्ष में अन्य समय नहीं देख पाते, और मित्रता के माध्यम से आप उनसे संपर्क बनाते हैं। आपने प्रोमो देखा: ''रोटरी, मूलतः सामाजिक समूह।'' और यह सच है।

TR: शांति की दिशा में रोटरी के प्रयास: उचित महत्वाकांक्षा या व्यर्थ में सिर खपाना है?

मलोनी: यह एक बिलकुल उचित आकांक्षा है। 15 या 20 साल पहले मेरे ससुर गिल्मर ब्लैकबर्न ने मुझे और गे को कहा था कि उन्हें विश्वास था, अगर दुनिया में शांति आएगी तो रोटरी के माध्यम से ही आएगी। अधिक शांतिपूर्ण दुनिया के लिए प्रभाव डालने का हमारे पास उचित अवसर है। क्या हमारे पास फिर से ईसा मसीह के जन्म के समय मौजूद *पैक्स रोमाना* जैसी स्थिति का अवसर है? नहीं, लेकिन हमारे भीतर शांति में योगदान करने की क्षमता ज़रूर है, वहां हमारे पीस फेलो कार्यक्रम के माध्यम से अग्रणी नेतृत्व हमें *पैक्स रोमाना* जैसी स्थिति के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं।

TR: आप 25 साल की उम्र में रोटरी से क्यों जुड़े?

मालोनी: मैं रोटरी से जुड़ गया क्योंकि यही चलन था। मैं डिकेटर से आया एक नया वकील था, और ऐसा लगता था जैसे सभी युवा पेशेवर ऐसा ही करते हैं: नागरिक क्लब में शामिल होना।

TR: लेकिन रोटरी ही क्यों?

15 या 20 साल पहले मेरे ससुर गिल्मर ब्लैकबर्न ने मुझे और गे को कहा था कि उन्हें विश्वास था, अगर दुनिया में शांति आएगी तो रोटरी के माध्यम से ही आएगी।

मलोनी: मैं रोटरी से इसलिए जुड़ा क्योंकि मेरे ससुर किवानीस में थे। लॉ फर्म में नेटवर्किंग और संपर्क बनाने के लिए, एक प्रतिनिधि पहले से ही था; हमें रोटरी क्लब में एक प्रतिनिधि की आवश्यकता थी। यह एक शानदार निर्णय रहा।

TR: ऐसा क्यों? आप इतने वर्ष रोटरी में कैसे बने रहे?

मलोनी: एक, कनेक्शन की वजह से - स्थानीय क्लब में मित्रता की वजह से, फिर मण्डल में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मित्रता की वजह से।

दूसरे, क्योंकि शुरू से ही मैं रोटरी में संलग्न रहा था। गे और मैं हमेशा से संयोजक रहे हैं। मेरा संबंध 4-H से था, और मैं किशोरावस्था में काउंटी 4-H फेडरेशन का अध्यक्ष था। मैं नेशनल बीटा क्लब का एक राज्य अधिकारी था। मैं बेलेविले, इलिनुआ और हार्वर्ड के रोमन कैथोलिक धर्मप्रदेश के कैथोलिक युवा संगठन का अध्यक्ष था।

मैं एक फुटबॉल मैनेजर था। मैं सिर्फ चीजों में शामिल ही नहीं हुआ बल्कि मैंने उन को व्यवस्थित किया और मैं उन संगठनों में आगे बढ़ता गया।

इसलिए अपने रोटरी क्लब में मैं तुरंत ही व्यस्त हो गया। मैं दिसंबर 1980 में शामिल हुआ था । लगभग एक साल बाद, उन्होंने मुझे कार्यक्रम समिति में रखा, और एक साल बाद मैं समिति अध्यक्ष बन गया। शायद इसके तीन साल बाद बोर्ड में शामिल हुआ। सटीक वक़्त समय की धुन्ध में खो जाता है। किसी भी तरह से, मैं रोटरी के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकता।

© The Rotarian

किरण ज़ेहरा

बैल्कुप्पे में एक तिब्बती

किरण ज़ेहरा

सड़क के दोनों ओर धान और मक्के के अंतहीन हरे-भरे खेत संकरी गलियों में तब्दील हो जाते है जहाँ दुकानों पर लगे पारंपरिक बौद्ध प्रार्थना ध्वज तिब्बती बसाहट - मैसूर से 84 किमी दूर स्थित बैलकुप्पे - के आगमन की घोषणा करते है। ''झंडों पर भगवान के लिए प्रार्थनाएं नहीं लिखी हुई है, यह एक ग़लतफ़हमी है। हम तिब्बती मानते है कि ध्वज पर लिखी प्रार्थनाएं और मंत्र हवा में लहराकर पूरी धरती में सद्भावना और करुणा फैलाएँगे,'' नाम्द्रोलिंग मठ के अंदर हमें ले जाते हुए रोटरी क्लब ल्हासा बैलकुप्पे, रो ई मंडल 3181, की सचिव तेनज़िन यांगचेंग ला कहती है। दिलचस्प बात यह है कि इस क्लब के सभी सदस्य तिब्बती है।

''यह बैलकुप्पे का मन और आत्मा है,'' स्वर्ण मंदिर के नाम से भी मशहूर इस मठ में मरून रंग की पोशाक पहने हुए महंतों का झुककर अभिवादन करते हुए वह शिष्टतापूर्वक कहती है। सादगी लुभावनी है और आपको आश्चर्य में डालती है कि इस एकाकी बौद्ध मंदिर में महंत किस प्रकार का जीवन जीते है। आश्चर्यजनक रूप से, मठ में सभी पुरुष नहीं है। ''यह 5,000 से भी अधिक महंतों एवं भिक्षुणियों का घर है, जो चीन से भागे थे, और उन लोगों का भी जिनके परिवारों ने उन्हें त्याग दिया या जिनका परिवार अब नहीं

रहा।'' तेनज़िन आगे बताती है कि मठ के अंदर न्यिन्गमा इंस्टिट्यूट में महिलाओं के लिए एक आश्रम है, एक ऐसी प्रथा जो केवल कुछ मठ व्यवस्थाओं द्वारा ही स्वीकार्य है।

धरमशाला, निर्वासित तिब्बती सरकार का स्थान, के बाद भारत की दूसरी सबसे बड़ी यह तिब्बती बसाहट हज़ारों तिब्बती परिवारों का घर है। ''ईस्ट ओर वेस्ट बैलकुप्पे इस द बेस्ट,'' तेनज़िन कहती है, जिनके दादा-दादी को उनकी मातृभूमि से निकाल दिया गया था। ''यह जगह अब हमारा घर है और हम इससे अधिक कुछ नहीं मांग सकते थे। यहाँ हम स्वतंत्र रूप से अपने धर्म का पालन करते है और अपने बच्चों को तिब्बतियों के रूप में बड़ा करते है ना कि एक विदेशी धरती पर चीनी नागरिकों के रूप में।''

सुन्दर बगीचों के निकट से निकलता हुआ एक साफ़-सुथरा पथ स्वर्ण मंदिर की ओर जाता है जहाँ भगवान बुद्ध की तीन ऊँची स्वर्ण प्रतिमाएं एक ऊँचे मूर्तितल पर विराजमान है, जिनके दोनों तरफ बगल में भगवान पद्मसंभव और भगवान अमितायुस है। दीवारों पर बने भित्ति-चित्र बताते है कि कैसे भगवान पद्मसंभव और भगवान अमितायुस, जिन्हें दूसरा बुद्ध भी कहा जाता है, ने तिब्बत और भूटान में बौद्ध धर्म के प्रसार में अहम भूमिका निभाई थी। हॉल में सभी खम्बे लाल रंग के है और छत पारंपरिक *थंगका* चित्रकलाओं से भरी हुई है। विशाल दरवाजों की घुण्डियों पर लटकी हुई हाथों की कढ़ाई से निर्मित लटकने पारंपरिक आकर्षण को बढ़ाती है।

जैसे ही हम पुराने मंदिर जाने के लिए बाहर निकले, महंतों का एक समूह लयबद्ध तरीके से मंत्रों का जाप करता है, पर्यटकों के दौरे की चहल-पहल से अबाधित, जिनमें से कुछ सेल्फी खींच रहे थे और कुछ मठ के सौंदर्य से अभिभूत थे। प्रार्थना चक्रों की तरफ इशारा करते हुए तेनजिन हमसे कुछ मनोकामना करके उसे दक्षिणावर्त घुमाने के लिए कहती है। महंतों द्वारा किया जाने वाला सामूहिक जाप सम्मोहित कर देता है क्योंकि वह आपके दिमाग में एक बहुत लम्बे समय तक चलता रहता है।

प्रवेश द्वार पर मौजूद यादगार वस्तुओं की दुकान पर मिट्टी के छोटे महंत, रंगबिरंगे ड्रीमकैचर, पवन झंकार, बांसुरियाँ और सीटियाँ दिख रही थी, जिन्हें आप अपने दोस्तों और परिवार वालों के लिए तोहफे के रूप में ले सकते है। एक उचित तिब्बती भोजन के अनुभव के लिए, आप मठ के कैंटीन जा सकते है, जहाँ पर आमतौर पर महंत अपना भोजन करते है। यह जगह खास तौर से कम बजट वाले यात्रियों के लिए अनुशंसित है। *थुकपा* नूडल सूप, सब्जी की ग्रेवी (कड़ी) और *टिंगमो* (भाप से पकी ब्रेड) लज़ीज़ है। सूप में डली सभी सब्जियाँ ''तिब्बती किसानों द्वारा जैविक रूप से उगाई गई है। तेनजिन कहती है तिब्बती बौद्ध लोगों के लिए, धरती को प्राकृतिक रूप से जोतना अधिक संधारणीय होता है, जैसा कि हमारे पूर्वजों ने हिमलाय में सदियों तक किया। जैविक खेती से हमारे लोग वापस उस जीवनशैली में लौट रहे है जो हमने पीछे छोड़ दी थी।'' बैलकुप्पे के उत्तर में स्थित मुंडगोद बसाहट द्वारा पैटंट कराये गए ''द

हम आत्म-निर्भर बन चुके है और हमें सहायता की आवश्यकता नहीं है। इसलिए हम हमारे आसपास मौजूद दूसरे समुदायों की सहायता कर रहे है।

तेनज़िन यांगचेंग
सचिव, रोटरी क्लब ल्हासा बैलकुप्पे

नामदोंलिंग मठ में युवा भिक्षु।

किरण ज़ेहरा

टीबेटन ऑर्गेनिक लेबल को यूएस और यूरोपीय संघ में पहले ही ब्रांड वैधता मिल चुकी है, वह कहती है। भारत में, 27,000 एकड़ से भी अधिक खेती योग्य भूमि में तिब्बती मजदूर काम कर रहे है, जिसमें से लगभग 4,000 एकड़ को जैविक का टैग मिला हुआ है।

रोटरी क्लब ल्हासा बैलकुप्पे पीने योग्य पानी की सुविधा, स्कूल यूनिफार्म, गरीबों के लिए राशन प्रदान कर रहा है और आसपास के गांवों में चिकित्सीय शिविरों का आयोजन कर रहा है। तेनजिन से उनके अपने समुदाय के लिए परियोजनाओं के बारे में पूछने पर वह कहती है जब से हम लोग यहाँ आए है हमने काफी तरक्की की है। हम आत्म-निर्भर बन चुके है और हमें सहायता की आवश्यकता नहीं है। इसलिए हम हमारे आसपास मौजूद दूसरे समुदायों की सहायता कर रहे है।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

रोई विनिमय दर - संशोधित नीति

1 जुलाई 2019 से, रोटरी की विनिमय दरें हर माह की पहली तारीख की प्रचलित बाज़ार दरों पर आधारित होगी। रोटरी विनिमय दरों को अग्रिम रूप से नहीं भेजा जा सकता है। विनिमय दरों को *https://my.rotary.org/en/exchange-rates* पर देखा जा सकता है।

योगदानों के पुनर्वर्गीकरण (संशोधन) के लिए टीआरएफ़ दिशा-निर्देश:

पूर्व के रोटरी वर्ष/वर्षों में किए गए योगदानों को एक नियत दान से दूसरे में पुनर्वर्गीकरण करने या रोकने के अनुरोध को संस्थान स्वीकार नहीं करता है। जैसे, वार्षिक अनुदान से अक्षय निधि, पोलियो से वार्षिक अनुदान, वार्षिक अनुदान से अनुदानों इत्यादि और इसके विपरीत। **दान प्राप्ति की दिनांक से 90 दिनों के भीतर ही संशोधन किए जा सकते है और संशोधन को उसी रोटरी वित्तीय वर्ष में करना होगा।**

उदाहरण के लिए, यदि दान प्राप्ति की दिनांक 1 मार्च, 2019 है, तो संशोधन 90 दिनों के भीतर किए जा सकते है, यानी, 30 मई 2019 तक। हालांकि, यदि दान प्राप्ति दिनांक रोटरी वित्तीय वर्ष 2018-19 की अंतिम तिमाही (अप्रैल से जून) की है, तो संशोधन केवल उसी रोटरी वित्तीय वर्ष में किए जा सकते है, यानि, 20 जून, 2019 तक।

30 जून, 2019 तक पोलियो उन्मूलन के लिए डीडीएफ को स्थानांतरित कीजिए

दक्षिण एशिया के बहुत से मंडलों में अभी भी अप्रयुक्त डीडीएफ है और यह अत्यधिक अनुशंसित है कि वे उसका उपयोग उसी दौरान कर लें जब वे उपलब्ध हो। अप्रयुक्त डीडीएफ रोटरी की शीर्ष प्राथमिकता, पोलियो के उन्मूलन, के लिए दान की जा सकती है। डीडीएफ के प्रत्येक 1000 डॉलर के लिए, रोटरी को पोलियो उन्मूलन प्रयासों में इस्तेमाल करने के लिए 4500 डॉलर मिलते है।

माय रोटरी के माध्यम से सदस्यता को अपडेट करें

क्लब सचिव सदस्यता को अपडेट करने के लिए जिम्मेदार है, जिसमें नए सदस्यों को जोड़ना और निलंबित सदस्यों को हटाना शामिल है, जैसे ही वे हो या 30 दिनों के भीतर, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इनवॉइस सही है। कृपया ध्यान दीजिए:

- इन परिवर्तनों को पूर्व क्रियाकलापों के अनुसार नहीं किया जा सकता।
- अपने क्लब के सदस्य विवरण को सामयिक रखें, ताकि आपको सही इनवॉइस मिल सकें।
- माय रोटरी के क्लब एडमिनिस्ट्रेशन इनवॉइस प्रिफरेंस में कागज़रहित इनवॉइस प्राप्त करने का चुनाव कीजिये।
- अधिक जानकारी के लिए, *My Rotary* पर मेम्बरशिप ड्यूस पृष्ठ पर जाइए।

यदि आप सदस्य विवरण की ऑनलाइन रिपोर्ट नहीं कर पा रहे है, तो माय रोटरी के दस्तावेज पुस्तकालय में स्थित मेम्बर डेटा फॉर्म को प्रिंट करके पूरा कीजिये और उसे स्कैन करके 25 जून, 2019 से पूर्व *data@rotary.org* पर ईमेल कीजिये या रोई दक्षिण एशिया कार्यालय में भेजिए, ताकि 1 जुलाई 2019 तक क्लब इनवॉइस में सदस्य जानकारी को अपडेट किया जा सके।

अधिक जानकारी के लिए *https://my.rotary.org/en* पर जाकर क्लब एडमिनिस्ट्रेशन पृष्ठ देखिये। सदस्यता से संबंधित सवालों को *datarotary.org* पर भेजिए।

सीएसआर-वित्तपोषित वैश्विक अनुदान:

सभी रोटरी क्लबों/मंडलों को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे कॉर्पोरेटों के पास जाएं और उनके मंडल में सीएसआर वैश्विक अनुदानों को लागू करने की योजना बनाएं। पात्र कंपनियों द्वारा की जा रही सीएसआर गतिविधियों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा बनाये गए राष्ट्रीय सीएसआर डेटा पोर्टल *http://www.csr.gov.in* पर जाइए। यह जानकारी कॉर्पोरेटों तक पहुँचने में मदद करेगी।

दक्षिण एशिया से रोटरी वर्ष 2018-19 से शीर्ष 5 देनेवाले मंडल अप्रैल 2019 तक

आंचल	मंडल	रेंक इन साऊथ एशिया
5	3190	1
4	3141	2
4	3131	3
4	3142	4
5	3150	5

रोटरी वर्ष 2018-19 मेजर गिफ्ट अप्रैल 2019 तक

आंचल	डाइरेक्ट गिफ्ट	एंडोवमेंट गिफ्ट	CSR गिफ्ट
4 & 6A	13	11	15
5	9	16	3
Total	22	27	18

क्रिस चितले...

एक समर्पित रोटेरियन, गुज़र गए

रशीदा भगत

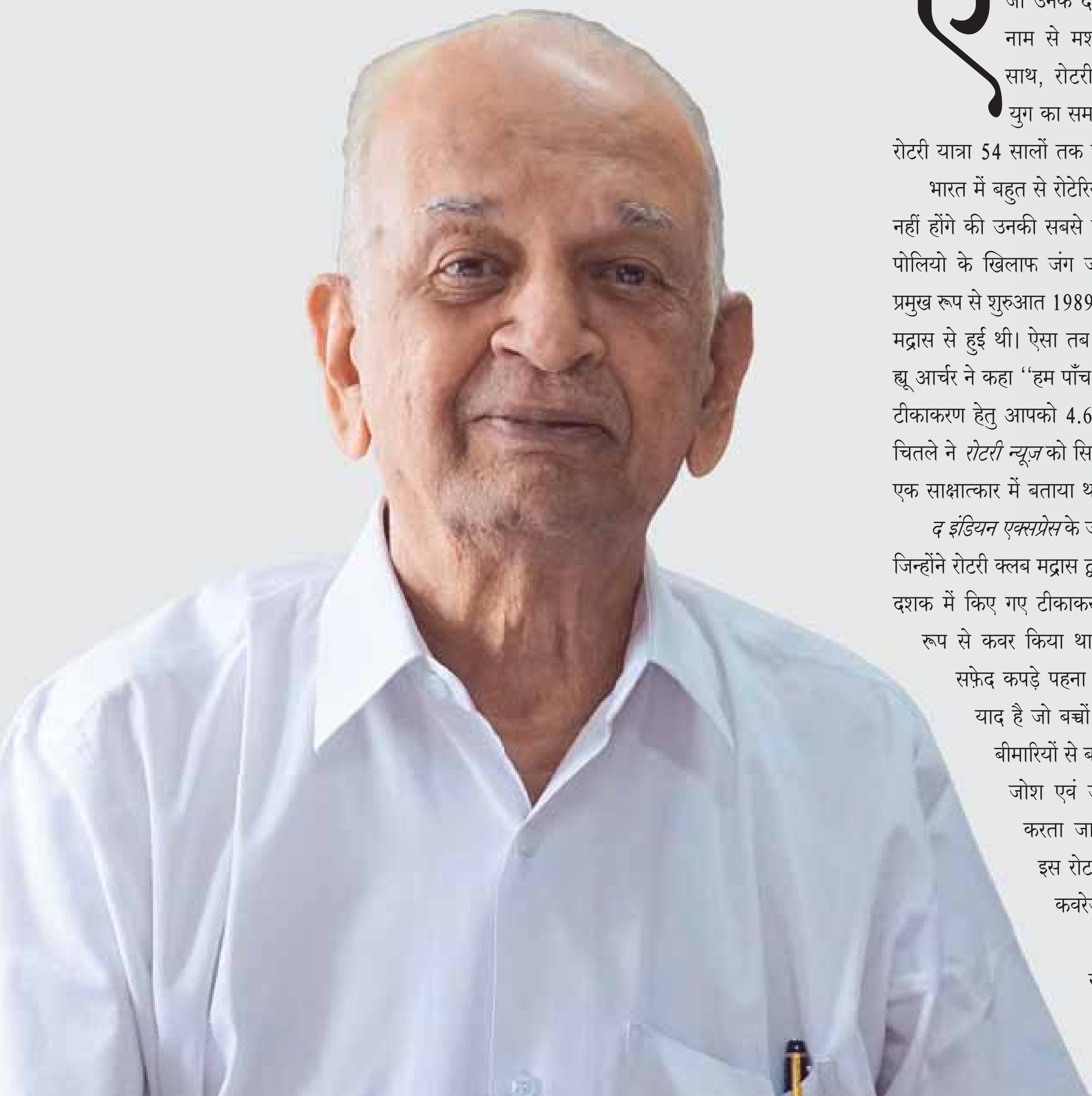

एक विशिष्ट रोटेरियन एस एल चितले, जो उनके दोस्तों के मध्य क्रिस के नाम से मशहूर थे, के निधन के साथ, रोटरी क्लब मद्रास में एक युग का समापन हो गया है। उनकी रोटरी यात्रा 54 सालों तक चली।

भारत में बहुत से रोटेरियन इस बात से अवगत नहीं होंगे की उनकी सबसे बड़ी जीत में से एक - पोलियो के खिलाफ़ जंग जीतना - की भारत में प्रमुख रूप से शुरुआत 1989 में प्रतिष्ठित रोटरी क्लब मद्रास से हुई थी। ऐसा तब हुआ जब रोई अध्यक्ष ह्यू आर्चर ने कहा ''हम पाँच सालों के लिए पोलियो टीकाकरण हेतु आपको 4.6 मिलियन डॉलर देंगे,'' चितले ने *रोटरी न्यूज़* को सितंबर 2015 में दिये गए एक साक्षात्कार में बताया था।

द इंडियन एक्सप्रेस के जूनियर रिपोर्टर के रूप में जिन्होंने रोटरी क्लब मद्रास द्वारा 1980 के शुरुआती दशक में किए गए टीकाकरण कार्यों को नियमित रूप से कवर किया था, मुझे अच्छी तरह से सफ़ेद कपड़े पहना हुआ वह सज्जन व्यक्ति याद है जो बच्चों को दुर्बल बनाने वाली बीमारियों से बचाने के अपने संक्रामक जोश एवं उत्साह को हस्तांतरित करता जाता था और मद्रास में इस रोटरी कार्यक्रम का अच्छा कवरेज करता था।

चितले 1965 में रोटरी क्लब मद्रास से

PRIP राजेन्द्र साबू के साथ एस एल चितले।

जुड़े थे; इससे पहले यह सेवाभावी वास्तुकार, जो चेन्नई के सबसे प्रख्यात वास्तुकारों में से एक थे, राउंड टेबल के सदस्य थे। 1979 में, जब क्लब ने उसकी स्वर्ण जयंती मनाई, उसके अध्यक्ष वी चिदम्बरम ने क्लब के सदस्यों से एक ऐसी बड़ी परियोजना करने का आग्रह किया जो अपना एक स्थायी प्रभाव छोड़ सके। चूंकि वह इंटरनेशनल इयर ऑफ चाइल्ड भी था, इसलिए उन्होंने खसरे का टीकाकरण करने का निश्चय किया, जो उस समय बच्चों की मौत का सबसे बड़ा कारण था और उन्होंने कनाडा के रोटरी क्लब व्हिटबाय, रो ई मंडल 7070 के साथ मिलकर काम किया जो भारतीय रोटेरियनों को 65,000 डोस दान करने के लिए राज़ी हो गया। ''यह केवल नुंगमबाक्कम या मैलापोर के बच्चों का टीकाकरण करने के लिए ही पर्याप्त था, पूरे मद्रास के लिए नहीं,'' चितले ने एक साक्षात्कार में कहा। लेकिन इस साझेदारी ने केन हॉब्स, जो स्वयंसेवक बनकर आगे आए, के रूप में रोटरी क्लब मद्रास को उसका सबसे बड़ा दानकर्ता और स्वयं चितले को एक आजीवन रहने वाला दोस्त दिलवाया।

हॉब्स मद्रास के रोटेरियनों एवं टीकाकरण परियोजना से इतना अधिक सम्मोहित हो गए थे कि अगले 30 वर्षों तक उन्होंने प्रति वर्ष मद्रास का दौरा किया। प्रख्यात वायरस-विज्ञानी और रोटरी क्लब मद्रास के पूर्व अध्यक्ष, डॉक्टर जेकब जॉन, का स्वयं इस दल का हिस्सा होने के साथ, खसरे के टीकाकरण ने वाकई में उड़ान भरी।

चितले के नेतृत्व में, कुछ रोटेरियनों ने मिलकर सरकारी शुल्कों को हटवाने, और एयर इंडिया द्वारा पाँच सालों तक टीकों की मुफ्त आवाजवाही करने के लिए वाकई में कड़ी मेहनत की। ''हमारे बच्चों को टीके की खुराक के रूप में हम केवल उन्हें आसुत जल ना दे'' यह सुनिश्चित करने के लिए कोल्ड चेन को मजबूत बनाने हेतु ₹40 लाख की जरूरत थी, जो उस समय बहुत बड़ी रकम होती थी परंतु उसका भी प्रबंध हो गया।

वह दिल से एक सज्जन व्यक्ति थे और उन्होंने व्यक्तिगत भागीदारी की महत्ता को दर्शाते हुये सदा दूसरे रोटेरियनों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया।

रंजित प्रताप
अध्यक्ष, रोटरी क्लब मद्रास

पोलियो का टीकाकरण

इस दौरान, काफी पहले, 1979 में, रोई ने फ़िलीपिन्स में पोलियो टीकाकरण पहल की शुरुआत की थी। ''यद्यपि वहाँ वह एक सरकारी परियोजना अधिक बनी रही, वहीं भारतीय रोटेरियन पूरी जी जान से पोलियो टीकाकरण में शामिल हुये और भारत में तमिलनाडू पोलियो-मुक्त घोषित होने वाला पहला राज्य था,'' चितले ने याद किया।

मुझे याद है जब मैंने उनसे पूछा था कि रोटरी में उनकी आधी सदी की यात्रा में एक रोटेरियन होने की कौन सी बात उन्हें सबसे अधिक पसंद आई। चितले मुस्कुराए और कहा: ''ओह, वह था एक दल का निर्माण करना और अच्छे दोस्त बनाना। और शिविरों में जाकर सभी कामों को करने के अवसर, जिनमें लाभार्थियों के नाम लिखना, खातों का प्रबंधन करना, इत्यादि शामिल होता था।''

चितले के निधन पर अपने शोक को व्यक्त करते हुये, PRIP राजेंद्र साबू ने कहा कि भले ही पिछले कुछ वर्षों में उनकी मुलाक़ात चितले से नहीं हुई थी, उनकी यादें मेरे दिल में बसी हुई है – ''उनकी

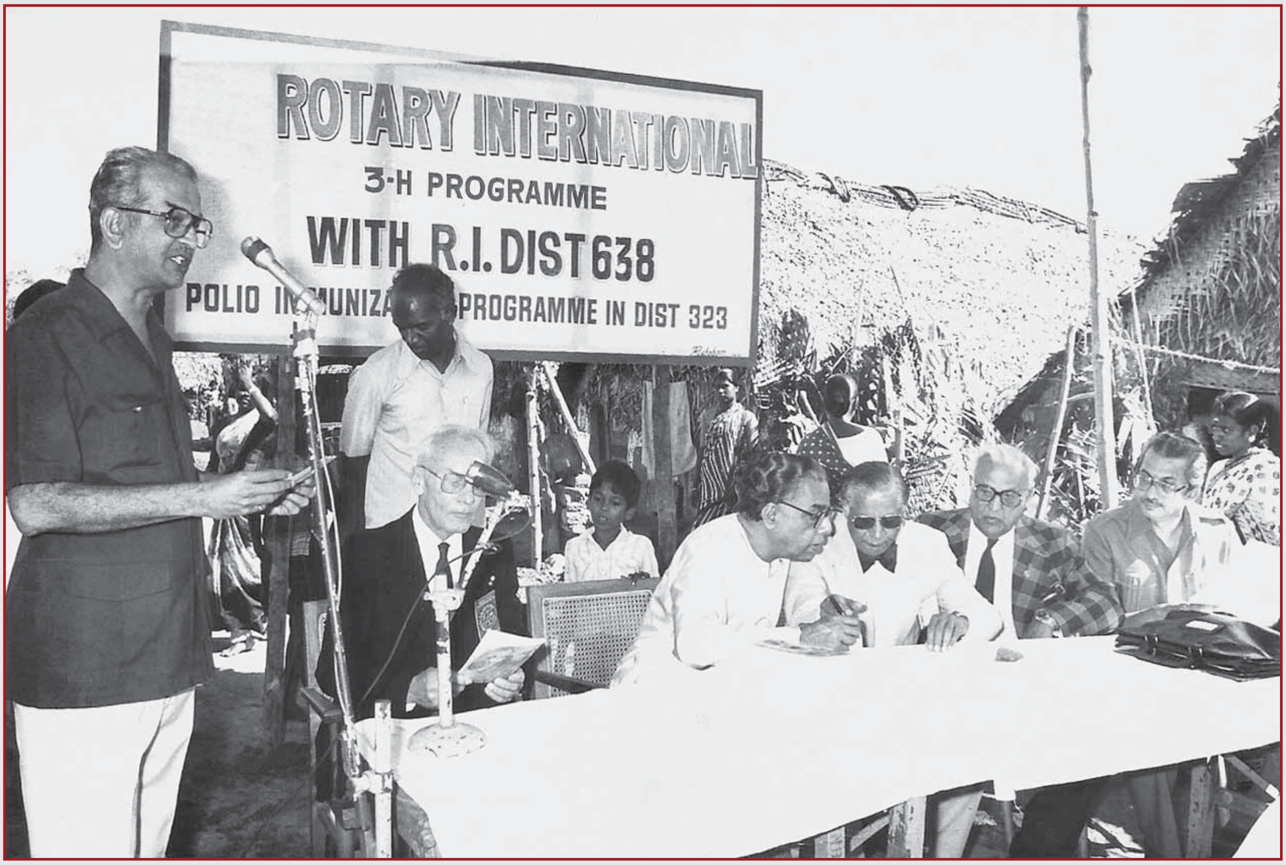

एस एल चितले एक रोटरी मीट को संबोधित करते हुए तत्कालीन तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री डॉ एच वि हांडे (बाएं से दूसरे बैठे हुए) चित्र में शामिल हैं।

अखंडता, उनके मूल्य, उनका सेवाभाव। उनसे मेरी मुलाक़ात तीन दशक पूर्व हुई होगी, और मुझे लाल खसरे के टीकाकरण में उनकी सम्पूर्ण भागीदारी याद है। उन्होंने बहुत सी परियोजनाओं की शुरुआत की और उन्हें निष्पादित किया – मंदिर की टंकियों की सफाई, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, इत्यादि। वह पूर्णतः कार्यवाही करने वाले एवं सेवाभावी रोटेरियन थे जिन्होंने कभी भी किसी पद या स्थान की परवाह नहीं की।'' कई बार उन्होंने उनसे डीजी का पद संभालने के लिए कहा परंतु उन्होंने हमेशा ही इस सलाह को विनम्रतापूर्वक नकार दिया। ''वह एक ऐसी विरासत छोड़ गए है जो रोटरी के सिद्धान्त स्वयं से बढ़कर सेवा की एक मिसाल है।''

जब उनके क्लब के सदस्य उन्हें अश्रुपूर्ण विदाई देते है, रोटरी क्लब मद्रास के अध्यक्ष, रंजीत प्रताप, कहते है, ''रोटरी क्लब मद्रास में हमारे लिए, वह पोलियो टीकाकरण और उससे पूर्व लाल खसरा टीकाकरण कार्यक्रम के जनक थे। वह दिल से एक सज्जन व्यक्ति थे और उन्होंने व्यक्तिगत भागीदारी की महत्ता को दर्शाते हुये सदा दूसरे रोटेरियनों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया। वह रोटेरियनों से हमेशा कहते थे कि आपकी पेशेवर ज़िंदगी में आप कितना भी व्यस्त क्यों न हो, कृपया कुछ समय सुविधाओं से वंचित लोगों के लिए काम करने हेतु भी निकालिए। मुझे मत बताइये कि आपके पास समय नहीं है, यदि आपका दूसरों की मदद करने का इरादा है, तो आप समय निकाल लेंगे। वह हम सभी के लिए इतनी बड़ी प्रेरणा इसलिए है क्योंकि उनकी कथनी और करनी हमेशा एक सी होती थी।''

प्रताप चितले को 1964 से जानते है ''जब मेरे पिता (एम आर प्रताप) ने उनसे वर्थ ट्रस्ट से जुड़ने का निवेदन किया जो निःशक्तजनों के लिए काम करता है और उन्होंने उस संगठन में भी बढ़िया सेवा दी।''

पीडीजी एम नटराजन, जो चितले के बाद 1984 में रोटरी क्लब मद्रास के अध्यक्ष बने थे, ने कहा ''चितले एक बहुत ही बढ़िया रोटेरियन और एक अच्छे मित्र थे। शुरुआती वर्षों में हमने पोलियो कार्यक्रम पर एकसाथ बहुत बारीकी से काम किया; मैं चिकित्सीय काम करता था और वह रोटेरियनों के एक मुख्य समूह के साथ नियंत्रण व्यवस्था एवं वित्त का ध्यान रखते थे। वह एक बढ़िया मेजबान, एक समर्पित कार्यकर्ता और अत्यंत विनम्र व्यक्ति थे; हालांकि उनका मिजाज थोड़ा तेज था क्योंकि वह बहुत ईमानदार थे और सच बोलने से कभी हिचकिचाते नहीं थे।''

रोटरी न्यूज़ को 2015 में दिये गए एक साक्षात्कार में चितले ने कुछ विचार रखे थे जिनका रोटेरियनों की वर्तमान पीढ़ी अच्छी तरह विवेचन कर सकती है। जब मैंने उनसे पूछा कि आधी सदी में रोटरी में क्या बदला है, चितले ने कुछ पल सोचा और कहा: ''मेरी समझ से उन दिनों जुड़ाव, दोस्ती और भागीदारी काफी अधिक थी। कोई भी परियोजना जो रोटरी करती थी, हम उसमें व्यक्तिगत रूप से एवं पूरे जोश के साथ सम्मिलित होते थे। मुझे डर है कि आज यह व्यक्तिगत भागीदारी से अधिक चेकबुक वाला दान हो गई है।'' ■

रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस के अध्यक्ष डी रविशंकर और पाओला इवान्स्टन में **AKS** प्रेरणा समारोह में।

TRF ट्रस्टी रॉन बर्टन (दाएं) के साथ पाओला और रविशंकर।

कुइलकुप्पम ग्राम में इरुला लोगों के लिए सपनों का घर

वी मुत्तुकुमारण

कुइलकुप्पम गांव में मॉडल हॉऊस के सामने PDG अभिरामी रामनाथन के साथ रोटेरियन विनोद सरोगी, परियोजना सचिव पी बी रवि कुमार और ग्रामीण।

उसका स्वपन ऐसी जगह पर खुशहाल गाँव बसाना है जहाँ ग्रामीण बस्तियों में रहने वाले लोगों को आजीविका कमाने का कोई साधन नहीं है और आदिवासी परिवार किसी तरह से अपना जीवन-यापन करने को मजबूर हैं। और जल्द ही उनके एक रोटेरियन मित्र, रोटरी क्लब चेंगलपेट के एजीडी दुरईराज, रो ई मंडल 3231, फिल्म वितरक और अभिरामी मेगा मॉल के मालिक पीडीपी अबिरामी रामनाथन को लेकर कांचीपुरम मंडल के थिरुपोरुर पंचायत संघ के कुइलकुप्पम ग्राम में पहुँचें।

अक्टूबर 2017 में इस बस्ती का दौरा करने के उपरांत, ''मैंने कुइलकुप्पम में एक आवासीय परियोजना की मंजूरी के लिए जिलाधीश से संपर्क किया। सरकार ने उस वर्ष मई में परियोजना को स्वीकृति दिए जाने के कुछ समय के भीतर ही, मेरे क्लब रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल (आरसीएमसी), रो ई मंडल 3232, ने दो चरणों में 64 घरों के निर्माण के लिए 1 जुलाई, 2018 ग्राम में भूमि पूजन किया,'' रामनाथन जी कहते हैं।

पहले चरण में कांक्रीट की छत वाले 600 वर्ग फुट के 2 बीएचके 32 घरों का निर्माण किया गया, जो 23 जून को उद्घाटन के लिए तैयार होंगे, और आश्चर्य वाली बात तो यह हैं कि ''सीलिंग फैन और ट्यूबलाइट सहित सभी विद्युत फिटिंग के अलावा सभी घर गैस स्टोव, फ्रिज, वेट ग्राईन्डर, मिक्सर, टीवी सेट, स्टील की अलमारी, रसोई के

बर्तनों के एक सेट और तकिए के साथ दो गद्दे से सुसज्जित हैं,'' वीएस राघवन, मुख्य परियोजना पर्यवेक्षक कहते हैं।

एक बड़ी जिम्मेदारी

अभी तक, 33 गैर-बिक्री योग्य *पट्टे* प्राप्त हुए है और 3.5 सेंट वाला एक टाइटल डीड इरुला परिवारों के प्रमुखों को दिया जाएगा जो खेत-खलिहानों और निर्माण उद्योग में श्रमिक के रूप में काम करते हैं। ''हमने छह क्लबों का चयन किया है, अर्थात् रोटरी क्लब ईगल टाउन तिरुक्कलुकुंड्रम, चेंगलपेट, मारैमलै नगर, माम्मंडूर, कांचीपुरम टेम्पल सिटी और महेंद्र इंडस्ट्रियल सिटी, जिनके कंधों पर इन घरों के रखरखाव की जिम्मेदारी होगी और वे अपने बेशकीमती घरों के रखरखाव के लिए इरुल को प्रशिक्षित करेंगे,'' परियोजना सचिव पीबी रवि कुमार कहते हैं।

व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाने के उद्देश को ध्यान में रखते हुए, ''हमने एक गाँव के नेता को परिवर्तन-अभिकर्ता के रूप में चुना है। वह महिलाओं की साप्ताहिक बैठकें आयोजित करती है और अपने पतियों को नशा करने की समस्या पर हुई प्रगति का जायजा लेती है, जो यहाँ की सबसे बड़ी बुराई है। रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल के भूतपूर्व अध्यक्ष डॉ मनोज राजन ने कहा कि इन छह क्लबों द्वारा नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं जो स्वच्छता और सफाई की प्रथाओं पर इरुल को शिक्षित कर रहे हैं।''

PDG अभिरामी रामनाथन, रवि कुमार और रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल के पूर्व अध्यक्ष डॉ मनोज राजन (केंद्र)।

अनुदान का मिश्रण

परियोजना के प्रमुख प्रायोजक रामनाथन जी ने ₹2.5 करोड़ का दान दिया है, जिसमें ₹65 लाख का टर्म गिफ्ट भी शामिल है। सीएमसी ने अपने सदस्यों के माध्यम से 60 लाख रुपये एकत्र किए, विस्तारित क्षेत्रों में 25 रोटरी क्लबों ने ₹75 लाख का योगदान दिया, कुछ अन्य गैर-सरकारी संगठनों ने ₹25 लाख दिए तथा एंटरप्रेन्योर जैसे गैर-रोटेरियन ने ''द चेंजिंग विलेज कुइलकुप्पम'' परियोजना के लिए ₹8 करोग का नकद और सामग्रियों का दान दिया। मुख्य प्रायोजक ने बताया कि ''हम एक अलकतरे वाली सड़क का निर्माण कर रहे हैं, सोलर स्ट्रीट लाइट लगा रहे हैं और पानी के भंडारण और आपूर्ति के लिए 3,000 लीटर की क्षमता वाला ओवरहेड टैंक भी स्थापित कर रहे हैं। इसके अलावा, हमने एक सामुदायिक हॉल और खुशहाल गाँव के लिए एक धन्वंतरि मंदिर की योजना पर भी काम कर रहे है।''

गोशाला

दुधारू गायों के देखभाल की जिम्मेदारी संभालने वाले चेंगलपेट के गोसम्राक्षन ट्रस्ट ने क्लब को नए गांव में एक गोशाला स्थापित करने में मदद करने पर सहमति जताई हैं। ''शुरू करने के लिए, रोटेरियन द्वारा 10-15 गायों का दान किया जाएगा और इरुला को गायों के पालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अपने उपभोग के बाद बचे हुए दूध को गोशाला बेचने में मदद करेगी,'' रामनाथन जी कहते हैं।

गाँव में गोशाला और एक सामान्य किराना भंडार, जिसके लिए योजना-विचाराधीन हैं, की देखभाल के लिए एक सहकारी समिति बनाई जाएगी।

परिवर्तन की बयार

गाँव की नेता लता रवि मुस्कुराते हुए कहती है, ''हम और अधिक मदद नहीं मांग सकते हैं। सुंदर घर हमारे लिए एक वरदान के समान हैं और हम अपने सपनों का जीवन शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। हमारी आने वाली पीढ़ियाँ भी रोटरी की इस शक्तिशाली मदद को नहीं भूलेंगी।''

लता की भावनाओं को प्रतिध्वनित करते हुए, उसकी सहेलियों आर अंजलि, वी वासुकी और आर संगीता, और सभी गृहिणियों ने कहा कि वे उत्साह के साथ अपने चमकदार और रंगीन घरों को बनाए रखेंगी और ''एक नई जीवन शैली जीएंगी जो हमें समाज में सम्मानजनक आजीविका प्रदान करने में भी मदद करेगी।'' अब जहाँ सभी 64 परिवारों कीचड़ और झोपड़ीनुमा घरों में रहते हैं, जहाँ कोई बुनियादी सुविधा नहीं थी, यह परिवर्तन काबिलेतारीफ है।

एक इरुला महिला अपने बच्चे के साथ नए घर में जाने का इंतज़ार करती हुई।

चित्र : वी मुत्तुकुमारण

WinS कार्यक्रमों के लिए नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना

जयश्री और वी मुत्तुकुमारण

WinS वैश्विक प्रमुख पी टी प्रभाकर की अध्यक्षता में 12 मंडलों के WinS समन्वयकों के लिए हाल ही में गोवा में एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षकों को यह समझाना था कि उनके क्षेत्रों में WinS परियोजनाओं के निष्पादन के दौरान रो ई द्वारा निर्धारित विभिन्न सितारा मान्यताओं के लिए पात्र होने हेतु क्लबों को किन आवश्यक मापदंडों को पूरा करने की आवश्यकता है। ''हालाँकि क्लब क्रियाशील शौचालयों एवं हाथों की धुलाई के स्टेशनों की स्थापना करके एवं स्कूलों में हमारे MHM कार्यक्रमों के साथ किशोरियों तक पहुँचकर असाधारण काम कर रहे है, फिर भी उनके कार्य अभी अँधेरे में है क्योंकि बहुत ही कम क्लब हमारे कार्यालय में उसकी रिपोर्टिंग कर रहे है,'' प्रभाकर ने कहा।

WinS समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश अग्रवाल और रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से

दाएं से : WinS ग्लोबल चेयर पी टी प्रभाकर, WinS कमेटी नेशनल चेयरमैन रमेश अग्रवाल और PDG नटराजन नागोजी स्कूली बच्चों के साथ चेन्नई में। RISAO की कार्यक्रम अधिकारी निदा हसन (दाएं) भी चित्र में शामिल हैं।

WinS कार्यक्रम अफसर निदा हसन ने एक सितारा मान्यता के आंकलन की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम मंडल नेतृत्वकर्ताओं के लिए अनुभवों को साझा करने और इस विषय पर अच्छी कार्यप्रणालियों को सीखने का एक मंच था।

कार्यशाला में 12 मंडलों से आए 112 प्रतिनिधि थे, जिनमें रो ई मंडल 3150 के 20 प्रतिनिधि भी शामिल थे। इनमें डीजी रमेश वान्नाला, डीजीई पंडी शिवननारायण राव, डीजीएन हनमंत रेड्डी और पीडीजी रत्ना प्रभाकर अन्ने शामिल थे। 'WASH टास्क फ़ोर्स' नामक वह समूह नीली टी-शर्ट पहने हुये दो दिवसीय कार्यक्रम में अलग दिख रहा था।

''हमारे बच्चे कोई महंगी गाड़ी या पाँच सितारा होटल नहीं मांग रहे है। वे बस एक अच्छा, साफ शौचालय चाहते है,'' यूनिसेफ और WHO की एक हालिया वैश्विक आधारभूत रिपोर्ट पर प्रकाश डालते हुये प्रभाकर ने कहा जिसके अनुसार विश्व भर के एक-तिहाई स्कूलों और विकसित देशों के आधे स्कूलों में कोई स्वच्छता सुविधा नहीं है। ''रोटरी की सबसे बड़ी ताकत यूनिसेफ के साथ हमारी साझेदारी है। इसलिए, इसका लाभ उठाते हुये अपने WinS प्रयासों की सहायता करने के लिए कॉर्पोरेटों को मनाइए।'' समुदायों में व्यावहारिक परिवर्तन की जरूरत पर ज़ोर देते हुये, प्रभाकर ने कहा कि बच्चे परिवर्तन के उत्प्रेरक है और हमारे प्रयासों को उनके दिलों के तारों को छूना चाहिए, ताकि वे वापस अपने घर जाकर उनके माता-पिता एवं पड़ोसियों को शौचालय का उपयोग करने एवं हाथों को धोने जैसी स्वच्छता आदतों का पालन करने के लिए प्रेरित कर सकें।

रोटरी संस्थान कम से कम दो वर्षों के लिए स्कूलों में शौचालय एवं हाथों की धुलाई के स्टेशनों के संचालन एवं प्रबंधन पर अत्यधिक ज़ोर देता है। ''यह हमारी ताकत है। कोई भी शौचालय बनाकर जा सकता है। लेकिन इससे मदद नहीं होती। हम स्कूल प्रबंधन, पीटीए और विद्यार्थी समिति को हमारे कार्यक्रम में शामिल करते है और इसे एक संवहनीय परियोजना बनाने के लिए उनका मार्गदर्शन करते है ताकि उस स्थान से रोटरी के जाने के बाद भी लंबे समय तक वे आदतें बरकरार रह सकें,'' उन्होंने आगे कहा।

स्कूलों में 100,000 डॉलर के थळपड अवयवों के प्रायोजन में रोटरी क्लब मारगाओ मिडटाउन, रो ई मंडल 3170, के साथ उसकी अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदारी के लिए एक कॉर्पोरेट, पेंटेयर वॉटर इंडिया, का कार्यशाला में अभिवादन किया गया। इस साझेदारी के परिणामस्वरूप 100 स्कूलों में हाथों की धुलाई के स्टेशन, 80 स्कूलों में शौचालय और 40 MHM इकाइयां स्थापित हुई है।

रोटरी क्लब धारवाड़ सेंट्रल और मारगाओ मिडटाउन ने कार्यशाला की मेजबानी की और थळपड मान्यता समिति के एक सदस्य गणेश भाट संयोजक थे। उन्होंने कहा, ''यह टीआरएफ़ का लक्ष्य चुनौती प्रायोगिक कार्यक्रम है जिसकी शुरुआत 2016 में भारत, केन्या, ग्वाटेमाला, होन्डुरास और बेलीज़ में हुई थी, और यह जून 2020 तक चलेगा। पाँच लक्ष्य चुनौती देशों के 40 मंडलों में से, 38 भारत में है। हमें इसे सफल बनाना है ताकि टीआरएफ़ इसे पूरी दुनिया में लागू करने का निर्णय ले सकें।''

उन्होंने प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे कार्यशाला में सीखी गई बातों से ''अपने मंडल के क्लबों के प्रत्येक रोटेरियन को प्रेरित करें ताकि वे उस क्षेत्र के स्कूलों में WASH के महत्वपूर्ण घटकों को लागू कर सकें जिससे किसी भी स्कूल में शौचालय या हाथों की धुलाई के स्टेशन की कमी ना हो, और कोई भी बच्चा खराब सेहत या शौचालय सुविधाओं के अभाव में स्कूल ना छोड़े।'' उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि रोटरी क्लब तीन वर्षों में ज़ोन के कम से कम 7,000 स्कूलों में शौचालय एवं हाथों की धुलाई के स्टेशनों को स्थापित करें।

पीडीजी अग्रवाल ने विभिन्न सितारा मान्यताओं को हासिल करने की प्रक्रियाओं को समझाया। ''शुरुआत से ही स्कूल प्रबंधन समिति को अपने कार्यक्रम में सम्मिलित करें,'' उन्होंने कहा और कार्यक्रम को संवहनीय बनाने के लिए स्थानीय उत्पादों, तकनीक और स्थानीय श्रम का उपयोग करने का सुझाव दिया। ''क्लब भारत सरकार के *स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार* के लिए भी आवेदन कर सकते है जिसके लिए PRID सुशील गुप्ता नामांकन समिति के एक सदस्य है।''

पीडीजी दीपक शिकरपुर ने WinS परियोजनाओं के लिए कॉर्पोरेट-सहायता को हासिल करने पर बात की। छोटी और मध्यम-आकार की कंपनियों के पास जाइए जो अपना स्वयं का सीएसआर न्यास स्थापित नहीं कर सकती, उन्होंने कहा। एक संवादात्मक सत्र के माध्यम से पीडीजी जॉर्सन फर्नांडीज़ ने शिक्षकों एवं अन्य हिस्सेदारों के प्रशिक्षण पर प्रकाश डाला।

रोई मंडल 3150 की पीडीजी रत्ना प्रभाकर ने मंडल की सफलता की गाथा साझा की कि कैसे

रोटरी की सबसे बड़ी ताकत यूनिसेफ के साथ हमारी साझेदारी है। इसलिए, इसका लाभ उठाते हुये अपने WinS प्रयासों की सहायता करने के लिए कॉर्पोरेटों को मनाइए।

WinS ग्लोबल चेयर **पी टी प्रभाकर**

WinS ग्लोबल चेयर पी टी प्रभाकर, WinS नेशनल कमेटी चेयर रमेश अग्रवाल के साथ रो ई मंडल 3150 की WinS टास्क फोर्स गोवा में। कमेटी सदस्य गणेश भट भी चित्र में शामिल हैं।

हाथों की धुलाई के 100 स्टेशनों में 25,000 स्कूली बच्चों के हाथ धोने के एक प्रदर्शन ने इस विचार को प्रसारित करने में मदद की। नौ वैश्विक अनुदानों की सहायता से मंडल ने ₹2.31 करोड़ की WinS परियोजनाएं लागू की है और मंडल में 25,000 किशोरियों को MHM के बारे में जागरूक किया है।

रोई मंडल 3190 के डीजी सुरेश हरी ने ध्यान दिलाया कि कैसे स्कूलों के बारंबार किए गए दौरों और टीम द्वारा बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए हाथों की धुलाई के चित्रों वाले पुस्तक चिन्ह के वितरण के प्रतिफल मिल रहे है। पीडीजी के एस नागेंद्र ने बजट और समय सीमा के नियोजन करने के लिए जरूरतों के आंकलन की महत्ता पर ज़ोर दिया। ''एक परियोजना के प्रबंधन की तरह ही इस पर काम करें।''

RISAO से नीदा हसन ने WinS लक्ष्य चुनौती रूपरेखा और आवेदन की समीक्षा एवं स्वीकृत करने की टीआरएफ की प्रक्रिया को प्रस्तुत किया, और मान्यता आवेदन फॉर्म भरने में प्रतिनिधियों की मदद की।

डॉक्टर मीनाक्षी भरत, एक स्त्रीरोगविशेषज्ञ और रोटरी क्लब बैंगलोर की सदस्य, ने मासिक धर्म चक्र का प्रबंध करने के लिए दोबारा इस्तेमाल किये जाने वाले पैड और कप को बढ़ावा दिया। ''जो पैड आज हम इस्तेमाल करते है वे उतने अच्छे नहीं होते जितने दिखते है। वे हानिकारक होते है,'' उन्होंने कहा और डिस्पोजेबल सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और भस्मक को बढ़ावा देने के लिए क्लबों को हतोत्साहित किया। ''इसलिए हम 'मीनाक्षी भरत नैपकिन' को बढ़ावा देते है,'' उसी मंडल के डीजीई डॉक्टर समीर हरियानी ने कहा।

तमिल नाडू और केरल के दस मंडलों की सहभागिता से चेन्नई में समान प्रकार की कार्यशाला आयोजित की गई। दक्षिणी शहर तिरुनेलवेली में, लगभग 1,000 प्रतिनिधियों ने WinS सेमीनार के लिए पंजीकरण किया था जिसकी मेजबानी रोटरी क्लब टिनेवेली, रो ई मंडल 3212, ने की थी। मंडल WinS अध्यक्ष एएसपी अरुमुगासेल्वन ने सत्रों की अध्यक्षता की थी।

जो पैड आज हम इस्तेमाल करते है वे उतने अच्छे नहीं होते जितने दिखते है। वे हानिकारक होते है।

डॉ मीनाक्षी भरत
रोटरी क्लब बैंगलोर

मंडल के स्कूलों में रिकॉर्ड संख्या में थ-ड्क कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए प्रभाकर ने रोटरी क्लबों को अचीवर्स पुरस्कार से सम्मानित किया। थळपड परियोजनाओं के माध्यम से सभी 84 क्लब 412 स्कूलों में गए और एक कीर्तिमान बनाते हुए 2 लाख बच्चों को लाभान्वित किया। उसी प्रकार, 57,000 छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में संवेदनशील बनाया गया। ''स्कूलों में एक प्रभाव को जन्म देने हेतु ऐसे प्रयासों को करने के लिए मैं मंडल को बधाई देता हूँ,'' प्रभाकर ने कहा, और अरुमुगासेल्वन की प्रशंसा की जिन्होंने अपने निजी धन से विद्यार्थियों को एक लाख साबुन बांटे ताकि वे बेहतर स्वच्छता आदतों को अपना सकें।

डीजी राजगोपालन ने कहा कि पोलियो उन्मूलन में रोटरी के प्रयासों के बाद, स्कूली बच्चों के मध्य बेहतर स्वच्छता आदतों को डालने में इसकी भूमिका ने अहम् स्थान हासिल कर लिया है। WinS कार्यक्रम के अंतर्गत वैश्विक अनुदान हेतु दुनिया भर से मिले 44 आवेदनों में से, टीआरएफ द्वारा केवल चार स्वीकृत किये गए थे; जिनमें से दो भारतीय रोटरी क्लबों को प्राप्त हुए थे। एक WinS परियोजना को लागू करने के लिए मंडल के ''रोटरी क्लब विरुधुनगर एलिट को 47 लाख का एक वैश्विक अनुदान प्राप्त हुआ था, उन्होंने ध्यान दिलाया।'' ■

एक गाँव जीवंत हो उठा

टीम रोटरी न्यूज़

कोलकाता के पास बामोन मोलर चक गाँव में विदेशी प्रतिनिधियों और स्थानीय बच्चों के साथ डीजी मुकुल सिन्हा, कोरिना हुआंग, रो ई मंडल 3490 के डीजी मिंग त्सई, PRIP गैरी हुआंग, PRID शेखर मेहता और राशी मेहता।

कोलकाता से 62 किलोमीटर दूर और सुंदरबन के समीप एक छोटा से ग्राम बामन मोलर चक उत्सव मनाने के लिए सज-धज कर तैयार था, क्योंकि गाँववासी रो ई मंडल 3490, ताइवान से पीआरआईपी गैरी हुआंग, उनकी पत्नी कोरिना और डीजी चीह मिंग तिसाई की अगुवाई में आने वाले 85 विदेशी रोटेरियन के स्वागत के लिए तैयार थे, साथ ही सिंगापुर से 15 रोटेरियन के साथ में आरआईपीएन सुशील गुप्ता, पीआरआईडी शेखर मेहता और रो ई मंडल 3291 डीजी मुकुल सिन्हा भी आने वाले थे। वे सभी रोटरी क्लब कलकत्ता मेट्रो साउथ द्वारा गाँव की महिलाओं को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से स्थापित रोटरी कौशल केंद्र का उद्घाटन करने के लिए गए थे। अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों और टीआरएफ द्वारा उपलब्ध कराएं वित्तीय मदद ने क्लब के कार्य में सहयोग किया है, जबकि डीजी सिन्हा ने सेंटर की बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए डीडीएफ से 25,000 डॉलर स्वीकृत किए।

रोटरी क्लब कलकत्ता मेट्रो साउथ के समर्पित प्रयासों के बलबूते पर गाँव में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। रोटेरियन तीन वर्ष पहले इस गाँव में आए थे और उन्होंने देखा कि शौचालय, बिजली, पीने के पानी, चिकित्सा सुविधा या स्कूल के बिना यह गाँव पिछड़ा हुआ था। क्लब की सदस्य अनिरुद्ध गुहा कहती हैं,''जब हम पहली बार इसे देखने गए तो यह पूरी तरह से उपेक्षित स्थिति में था।''

अपने अध्यक्ष असित तालुकदार के नेतृत्व में रोटेरियन ने गाँव को एक जीवनदायी स्थान में परिवर्तित करने के लिए सभी उपाय किए। 123 परिवारों के लिए शौचालय का निर्माण किया गया; गुहा मुस्कुराते हुए कहते हैं, ''हम इस गाँव को ओडीएफ बनाने से केवल 40 शौचालय कम हैं।'' लोगों की पेयजल जरूरतों को पूरा करने के लिए चार ट्यूबवेल स्थापित किए गए हैं जबकि पंपसेट युक्त दो बोरवेल सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराएंगे। ''अधिकांश अन्य गाँवों के समान, यह एक कृषि समुदाय है, लेकिन सिंचाई की जरूरतों के लिए लोग मानसून पर बहुत निर्भर हैं। लेकिन अब रोटरी द्वारा उपलब्ध कराए गए पानी के साथ, उनकी भूमि जिसमें पहले एक ही फसल होती थी, अब अनेक फसल देने में सक्षम हैं। लगभग 200 एकड़ जमीन उपजाऊ भूमि में परिवर्तित हो गई है।'' रोटेरियन ग्रामीणों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रहे हैं और उन्हें मछली पालन और जैविक खेती जैसे व्यवसाय में प्रशिक्षण दे रहे हैं। महिलाओं को अचार, जैम और चटनी बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

गाँव में नियमित रूप से चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जा रहा हैं, और टूटी सड़कों का जीर्णोद्धार किया गया है। क्लब ने गाँव के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक आवागमन को आसान बनाने के लिए नदी पर एक लकडी के पुल का निर्माण किया है। ''पहले ग्रामीण बाँस के खंभे से बने अस्थायी पुल का उपयोग करते थे और जब मानसून के दौरान नदी में बाढ़ आती थी, तब पुल बेकार हो जाता था। लोगों को राफ्ट से नदी पार करना पड़ता था। यह पुल अब मजबूत और टिकाऊ है,'' उन्होंने कहा।

वर्ष 2016 में, क्लब ने इस गाँव में एक स्कूल का निर्माण किया और छात्रों के लिए सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई। दो वर्षों के उपरांत, वर्ष 2018 में, उन्होंने कौशल केंद्र का निर्माण किया। आरआईपीएन गुप्ता ने क्लब के सदस्यों के उत्साही प्रयास के लिए उनकी सराहना की और उन्हें इसे ''उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए कह ताकि महिलाएँ विभिन्न कौशलों को सीख सके और आसानी से कमा सके और निर्धनता के दुश्चक्र से बाहर निकलें।'' ■

रोटरी साक्षरता ग्रामीण महिलाओं के लिए एक वरदान

वी मुत्तुकुमारण

DG ए वी पति और उनकी पत्नी वीणा एक नब्बे साल की महिला कुलंथाई अम्माल को सर्टिफिकेट देते हुए। चित्र में रोटरी क्लब कोयंबत्तूर जेनिथ के अध्यक्ष रविराज कृष्णन (दाएं) भी शामिल हैं।

दंतहीन, शर्मीली मुस्कान के साथ 94 वर्षीय कुलंधाईअम्माल अपना पदक प्राप्त करने के लिए धीरे-धीरे मंच की ओर बढ़ती हैं। उनके पास खुश और गर्वित होने के सभी कारण मौजूद है क्योंकि उन्होंने पढ़ना, लिखना और यहाँ तक कि हस्ताक्षर करना सीख लिया है, और इसका सारा श्रेय रोटरी क्लब कोयम्बटूर जेनिथ, रो ई मंडल 3201 के सदस्यों को जाता हैं। डीजी एवी पैथी और उनकी पत्नी वीणा से कुलंधाईअम्माल और 22 अन्य नव-साक्षर महिलाओं को कैथी के गाँव कुन्नथुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उन्हें प्रमाण पत्र और पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

विगत चार वर्षों में, क्लब एक सेवानिवृत्त शिक्षक की मदद से यहाँ वयस्क लोगों के लिए साक्षरता कक्षाओं आयोजित कर रहा है। क्लब अध्यक्ष रविराज कृष्णन कहते हैं, ''हम महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता से संबंधित बेहतर आदतों, बच्चे की देखभाल और बुनियादी सुविधाओं के बारे में जागरूक करते हैं और उन्हें बैंक खाता खोलना भी सिखाते हैं।'' रुक्मणी नामक एक लाभार्थी ने उन्हें बहुत धन्यवाद दिया, क्योंकि वह अब अपनी सरकारी पेंशन और अन्य सरप्लस नकदी को खुद अपने बचत खाते में जमा करने में सक्षम हो गई है, इससे उसे सुखद आश्चर्य हुआ। क्लब के वार्षिक चिकित्सा शिविर कार्यक्रम की कुन्नथुर में बहुत मांग रहती है। ''मरीजों को एक वर्ष के लिए डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित दवाएँ मुफ्त दी जाती है,'' परियोजना के अध्यक्ष सौमुअल राज कहते हैं।

हाल ही में, क्लब ने 20,000 पेड़ लगाने के लिए एक विशाल परियोजना शुरू किया जिसका उद्देश्य एक औद्योगिक केंद्र के बीच में एक हरेभरे और स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना है। ऊटी राजमार्ग पर करमदई में 132 एकड़ का एक विशाल, बंजर स्थल को हरित प्रदेश में परिवर्तित किया जा रहा है।

लेकिन इस बंजर भूमि पर मशांति गार्डनफ नामक सामाजिक वानिकी विकसित करना इस 12-वर्षीय क्लब के लिए आसान कार्य नहीं है। ''पहले हमने टीएन कृषि विभाग के मृदा विशेषज्ञों और कृषि-विशेषज्ञों की मदद से क्षेत्र का सर्वेक्षण किया। क्लब के अध्यक्ष रविराज कृष्णन कहते हैं,'' उन्होंने हमें शुरू में नीम के पौधे लगाने की सलाह दी क्योंकि यह पर्यावरण को साफ करता है, बड़ी मात्रा में

कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करता है और ऑक्सीजन प्रदान करता है। ''अभी तक हमने 8,000 नीम के पौधों को ड्रिप सिंचाई स्प्रिंकलर की विधि से तैयार किया है और'' हम निकट भविष्य में सागौन और अन्य किस्मों के पेड़ों जैसे लाल चंदन और यहां तक कि बरगद का वृक्ष भी लगाएंगे। मदो बोरवेल और दो कुओं की मदद से पौधशाला की सिचाई की जाती हैं, जिन्हें जून 2020 तक शांति वनम (जंगल) में परिवर्तित कर दिया जाएगा।''

कृष्णन का कहना है कि यह वृहद हरित परियोजना प्रदूषण के विरुद्ध एक विशाल प्राकृतिक फिल्टर का कार्य करेगी, साथ ही निरंतर फैलते हुए शहर के लिए आवश्यक फेफड़े के रूप में कार्य करेगी। स्थानीय लोगों द्वारा प्रोत्साहनजनक प्रतिक्रिया मिलने के बाद, क्लब ने शांति गार्डन में विभिन्न पेड़ों के 50,000 पौधा लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कुल मिलाकर, अभी अक ग्रीन मिशन पर ₹18.5 लाख खर्च हुआ है - जिसमें मोटर पंप, बोरवेल और वृक्षारोपण का खर्च शामिल हैं - जिसमें क्लब ने ₹4.5 लाख का योगदान दिया है। शेष राशि मुख्य प्रायोजक शांतिनिकेतन सिल्क्स के मालिक अरुण बसना और उनके परिवार द्वारा दी गई है।

शांति वनम, कोयंबत्तूर में मेगा ट्रीज़ प्रोजेक्ट के लॉन्च में DG ए वी पति और अन्य रोटेरियन।

क्लब की अन्य कार्यों में एक स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करना और कॉरपोरेशन मिडिल स्कूल, सांगानुर में ₹4 लाख के वैश्विक अनुदान की मदद से कक्षा में फर्नीचर उपलब्ध कराना शामिल है। परियोजना के अध्यक्ष गोकुल राज कहते हैं, ''हमने स्कूल को फर्नीचर, स्टेशनरी, अकादमिक किताबों और खेलने के उपकरणों के लिए लगभग ₹6.5 लाख खर्च किया हैं।'' ■

गाज़ियाबाद के अस्पताल में रोटरी द्वारा सीटी स्कैन की स्थापना

टीम रोटरी न्यूज

नई CT स्कैन सुविधा में (बाएं से) DGE दीपक गुप्ता, DG सुभाष जैन, DGN आलोक गुप्ता, PDG गण जे के गौर और शरत जैन।

रोटरी क्लब गाजियाबाद उत्तर और रोटरी क्लब गाजियाबाद सेंट्रल, रो ई मंडल 3012 द्वारा संयुक्त रूप से किए गए एक वैश्विक अनुदान परियोजना के अधीन वरदान मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में एक सीटी स्कैन मशीन स्थापित की गई है। अस्पताल में नई सुविधा का उद्घाटन डीजी डॉ सुभाष जैन ने किया।

यह स्वास्थ्य देखभाल परियोजना गाजियाबाद और उसके आसपास के इलाकों के तीस लाख लोगों की जरूरतों को पूरा करेगी क्योंकि उत्तर प्रदेश के इस शहर में केवल 2-3 नैदानिक केंद्र मौजूद हैं। डीजी जैन ने कहा कि यह एक मानवीय परियोजना है, जिसके अंतर्गत वर्धन अस्पताल के लिए अत्यंत आवश्यक सीटी स्कैन उपलब्ध कराई गई है, क्योंकि इस नैदानिक सुविधा की कमी के कारण लगभग 1,200 मरीज प्रति वर्ष अस्पताल से बिना उपचार के लौटा दिए जाते थे।

''यह मशीन गाजियाबाद और आस-पास निवास करने वाले लोगों को सस्ती कीमत पर चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराने में मदद करेगी। इसके अतिरिक्त, इस सुविधा की मदद से डॉक्टर संभावित रोगों वाले अधिक से अधिक मरीजों का उपचार करने में सक्षम होंगे,'' उन्होंने कहा। सीटी स्कैन से, वरदान अस्पताल में प्रति वर्ष 1,200-1,500 से अधिक मरीजों को लाभ होगा। मशीन की लागत 136,986 डॉलर (लगभग ₹1 करोड़) है। ■

तनाव को जड़ से निकालना

भरत और शालन सवुर

हमें जीवन से तनाव और तनाव से जीवन को बाहर लाना है, और यह जितना जल्दी हो सके उतना जल्दी करना है। उपेक्षा करने पर, तनाव रक्तचाप बढ़ाता है, धड़कने तेज करता है, जलन बढ़ाता है जो हमें चिंता और अवसाद की ओर ले जाते है। मामूली सी चीजों पर चिढ़ जाना, अभिभूत महसूस करना, बार-बार आरोप लगाते हुये उन्हीं शब्दों को कहना, क्रोध को भड़काना, सर दर्द और कमर के निचले हिस्से में दर्द इन सभी संकेतों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस अवस्था में, आप अपने अप्रिय शब्दों एवं बर्ताव से अपने परिवार जनों एवं साथियों का दिल दुखाएंगे। आपका जीवनसाथी आपसे एक दूरी बना लेगा, ऐसा ही आपके दोस्त करेंगे, कम से कम उनमें से अधिकांश लोग। तनाव में, आप जिन लोगों से बातचीत करते है दिमाग उनकी भयानक तस्वीर बना लेता है। किसी ने आपको ङ्कधोखाफ दिया है, दूसरा 'भ्रष्ट' है और भी बहुत कुछ - आपकी भावनाएँ आपकी अनुभूति में तथ्य बन जाती है।

सचेत होकर साइकल चलाये। आर्मचेयर साइकलिंग करना एक बहुत ही प्यारा तनाव निवारक है। यह अत्यंत सरल और प्रभावी है। 32वें मिनट में एक बोधगम्य प्रबोधन होता है। जैसे सूर्य के प्रकाश से भरे आकाश को प्रकट करने के लिए तेज़ हवाओं द्वारा बादलों को हटा दिया जाता है, उसी प्रकार अंधकारमय अनुभूति मन से समाप्त हो जाती है ताकि हमें उसके प्राकृतिक, स्पष्ट प्रकाश की झलक देखने को मिल सके। यहाँ, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि हालात चाहे जो भी हो, हमारा स्पष्ट, आकाश जैसा दिमाग हमेशा वहाँ होता है। वह बस 32 मिनट की दूरी पर है। और जैसे बादल आकाश का हिस्सा नहीं होते है, हमारी अनुभूति हमारे दिमाग का हिस्सा नहीं होती है। वह बस वहाँ अटक जाती है, धुएं के एक कश की तरह जिसे फैलाया जा सकता है।

जब आप साइकल चलाते है, तो अपने दिमाग को खालीपन से भर जाने दे। शुरुआती चरणों में, आप चक्करों को गिन सकते है। समय के साथ, दिमाग अंकों को छोड़ देता है और जो बच जाता है वह है... अद्भुत जागरूकता। इस अवस्था में, आप एक घंटे तक साइकल चला सकते है बिना इस बात को महसूस किए कि कितना समय बीत चुका है। जब दिमाग विचारों को छोड़ देता है, तो दिमाग को चिंता, दबाव, तनाव और दर्द से एक अभिलषित विराम मिलता है।

स्पंदन से निपटना। दो प्रकार की चिंता होती है। एक वो जो आपके साथ पहले हो चुका होता है उसके कारण होती है। उदाहरण के लिए, आप बगीचे में घूम रहे है और एक बड़ा सा साँप आपके रास्ते में आ जाता है और आपको दुम दबाकर निकलने के लिए मजबूर कर देता है। अगले दिन, जब आप घूमने के लिए निकलते है, तो आपके अंदर एक स्पंदन होता है। क्या वह साँप आपके रास्ते में आ जाएगा? यह चिंता इस बात के पूर्वानुमान से है कि चीज़ें सही नहीं होंगी - उसी प्रकार, एक नौकरी के लिए साक्षात्कार या ग्राहक से मीटिंग। यदि ऐसा सुबह साइकल चलाने के बावजूद भी होता है, तो कहिए ''हटो! मैं अच्छी तरह तैयार हूँ! मैं अच्छा करूंगा!'' स्पंदन धीमा पड़ जाता है और आप साक्षात्कार कक्ष में एक मैत्रीपूर्ण हाव-भाव के साथ कदम रखते है। ''हटो!'' एक ताकतवर शब्द है। कृपया इसका इस्तेमाल करें।

अन्य प्रकार की चिंता एक डर होती है जो किसी भी चीज़ को देखने या सोचने से पूर्व स्वतः ही जन्म लेती है। आपको घूमने जाने के लिए स्वयं को मजबूर करना होगा। आप वहाँ समस्याएँ देखते है जहाँ वे होती ही नहीं है - आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है, हालांकि आपका बैंक-बैलेन्स अच्छा खासा होता है, आपको लगता है कि आपका बॉस आपको किसी दिन बर्खास्त

कर देगा, बिना किसी स्पष्ट कारण के आपको ऐसा एहसास होता है। इस प्रकार का तनाव जीवन को अत्यधिक कठोरता के साथ देखने के कारण होता है। सबसे अच्छा तरीका है शांति से आराम करें।

संतुलन की बहाली। एक स्फूर्तिदायक स्नान करें। ठंडे पानी से अपना चेहरा धोएं। अपने माथे पर या गर्दन के पीछे ठंडा रुमाल रखें। काम के बीच में विराम लें और अपने शरीर को सुस्त होने दें। हाँ, रोजाना साइकल चलाएं। टेरा बैंड की सहायता से खिंचाव वाले व्यायाम करें। संगीत सुनें। प्रेरक लेख पढ़ें। प्रेरणात्मक बाते सुनें। अपने निवेशों का प्रभार लें। अपना बेल्ट कस लें। अपने जीवन को सरल बनाएं। कुछ समारोहों में ही शामिल हों। एक ऐसी रुचि अपनाएं जो आपकी तीव्रता को दिशा दे और आपको अच्छा महसूस करवाए। दर असल, एक ऐसा वातावरण बनाएं जहाँ आप निश्चिन्त हो सकें। ध्यान करें। धीरे-धीरे सांस लें। एक तनाव मुक्त जीवन शैली की रूपरेखा तैयार करने में समय लग सकता है और बहुत सी चीज़ें छोड़नी पड़ सकती है, लेकिन यह उसके लायक है - एक तरह से कहे तो, यह पैसा वसूल होता है।

हमारी अनुभूति अंधकारमय बन जाती है क्योंकि हम हमारी सच्चाई को नहीं जी रहे होते है। आपको कैसे पता चलता है कि आप आपकी सच्चाई जी रहे है या नहीं? जब आप इसके बारे में निश्चिन्त होते है, जब आपका दिमाग - विशेष रूप से इसका उपवल्कुटीय तंत्र जो तनाव को संकट जैसा महसूस करवाता है - इसके बारे में निश्चिन्त होता है।

तनाव को दुश्मन की तरह नहीं, बल्कि एक अनपेक्षित साथी के रूप में देखें। उदाहरण के लिए, एक कड़ी समयसीमा तनावपूर्ण हो सकती है, लेकिन यह मुझे तुच्छता को एक तरफ हटाकर महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान केन्द्रित करने देता है, मेरी इच्छा शक्ति, एकाग्रता को मजबूत बनाता है, लेखन के माध्यम से स्वयं का विश्लेषण करने एवं स्वयं को अभिव्यक्त करने की मेरी क्षमता को निखारता है और जो मैंने शुरू किया उसे पूरा करने पर मुझे संतुष्टि प्रदान करता है।

इस संदर्भ में, एक अभिभावक जिनका बच्चा परेशान करता है ने मुझसे कहा, ''वह हमें धैर्य सिखाता है। और चूंकि वह धीरे सीखता है, वह हमें सिखा रहा है कि कैसे कड़ी मेहनत अच्छे परिणाम ला सकती है।'' जब उन्होंने अपना नज़रिया बदला तो उन्हें तनाव महसूस होना बंद हो गया। मन विशाल है और आसमान जैसा है। उसे खुला और साफ रखें। तनाव के माध्यम से वह समझता है, सीखता है कि ताकत, दृढ़-निश्चय, अभिप्रेरण, एकाग्रता, सहनशीलता और स्वीकृति क्या होती है और संतोष, तुष्टि, खुशी, विनोद और हर्ष का अनुभव करने में हमारी मदद करता है।

तनाव एक संकट नहीं है। तनाव को स्वयं को डराने या काटने ना दें, इसके बजाय, इसे स्वयं से रचनात्मक सवाल पूछने दें: ''चीजों को बेहतर बनाने के लिए मैं क्या कर सकता हूँ?'' ''ऐसा क्या है जो मुझे याद दिलाया जा रहा है पर मैं नहीं कर रहा हूँ? जैसा कि जेम्स कैरल कहते है, कई बार हम रुक जाते है, शांत बैठ जाते है।'' हम सुनते है और किसी दूसरी दुनिया से हवाएँ फुसफुसाने लगती है। तनाव के दाँत केवल तब निकलते है जब आप उन्हें अपने ऊपर काबू करने देते है। उसे डर से पोषित ना करके आप उन दांतों को निकाल सकते है। कभी-कभी, आपको एक मनोचिकित्सक की सलाह लेनी पड़ सकती है और तनाव को दूर करने वाली दवाइयाँ खानी पड़ सकती है। उनसे हतोत्साहित मत होइए - वे आपके हाइपर ब्रेन को सिखाती है कि शांत होकर कैसा महसूस होता है।

तनाव द्वारा हम पर किए जाने वाले सबसे बड़े एहसानों में से एक है कि वह हमारे दिमाग को अधिक लचीला, अधिक विनम्र और अधिक संतुलित बनाता है। यह लाइफ-राइडर बन जाता है - सांसारिक अस्तित्व के उतार-चढ़ावों के साथ सुंदरता से चलता है। जीवन अद्भुत है, फिर कठिन है, फिर अद्भुत है। बीच-बीच में, यह सौभाग्यशाली रूप से साधारण, सामान्य और अच्छा होता है। इसके अद्भुत चरणों में इससे बेपनाह प्यार करें, जब वह कठिन हो तो स्नेही और विचारपूर्ण बनें, जब वह नियमित रूप से साधारण हो तो अत्यंत आभारी रहें। इस प्रकार से हम बुद्धिमत्ता नामक एक नई भाषा सीखते है और एक अंत से एक खूबसूरत शुरुआत का सूत्रपात करते है। और हम हमारी सच्चाई को समझते है: कि सुरंग के अंत में रोशनी हमेशा होती है। सुरंग बस हमारी अनुभूति है।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

Rotary
PEOPLE OF ACTION

नो पार्किंग बोर्डों पर रोटरी का संदेश

टीम रोटरी न्यूज़

रोटेरियन नो पार्किंग बोर्ड प्रदर्शित करते हुए।

रोटरी क्लब बड़ौदा सयाजीनगर द्वारा रोटरी की सार्वजनिक छवि को बेहतर बनाने के लिए शुरू की गई परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए बड़ौदा के अन्य रोटरी क्लबों और बड़ौदा मेट्रो, बड़ौदा मेन, बड़ौदा कॉस्मोपॉलिटन, बड़ौदा सनराइजर्स और बड़ौदा जवाहरनगर के रोटरी क्लबों ने सहयोग के लिए हाथ मिलाया है।

रोटरी क्लब सयाजीनगरी ने पहली बार मनो पार्किंग बोर्ड पर 'एंड पोलियो' और 'स्वच्छ भारत' जैसे रोटरी के मुख्य संदेश लिखने का कार्य शुरू किया। यह विचार, और इसके प्रभाव ने, शहर के अन्य रोटरी क्लबों को ''इस विशाल पीआर परियोजना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया'', रो ई मंडल 3060 के डीजीइ अनीश शाह कहते हैं।

क्लब लगभग 1,000 ऐसे 'नो पार्किंग' बोर्ड तैयार कर चुकी हैं, जिसने ''पोलियो को समाप्त करने के रोटरी के प्रयासों और शहरों को स्वच्छ रखने के उसके अभियान को रेखांकित किया हैं।''

इन बोर्डों को विभिन्न सार्वजनिक और निजी स्थानों जैसे कि बैंकों, सरकारी कार्यालयों और ऐसे ही अन्य स्थानों पर लगाया गया है। उन्होंने कहा, ''हमारे विचार में इस परियोजना का अनुमानित पीआर प्रभाव कम से कम 4 से 5 वर्षों तक रहेगा और यह रोटरी ब्रांड की छवि को और मजबूत करेगा।''

बोर्ड के अनावरण के दिन, 3060 मंडल अध्यक्ष (एंड पोलियो मूवमेंट) के डॉ जयंत शास्त्री ने पोलियो उन्मूलन के लिए रोटरी द्वारा किए गए कार्यों से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण विवरणों के बारे में बताया। ■

AKS Members from South Asia as of April 2019

RID	Name	Rotary Club
3141	Nischal H Israni	Bombay North
3141	Amit Chandra and Archana Chandra	Bombay
3141	Vijaylaxmi Poddar	Bombay
3141	Taizoon Fakhruddin Khorakiwala and Edith Khorakiwala	Bombay Worli
3141	Kishorilal Jhunjhunwala	Mumbai North End
3132	Asa Singh and Jagdish Kaur	Aurangabad
3150	Ravindra Reddy Marri and Sarala Devi Marri	Hyderabad
3190	Ravishankar Dakoju and Paola Dakoju	Bangalore Orchards
3150	Uday S Pilani and Roopal Pilani	Hyderabad Deccan
3000	Rathinasamy Theenachandran and Vasanthi Theenachandran	Madurai Metro
3281	Abul Hasan M Sadeq and Saleha Sadeq	Dhaka Scholars

Source: RISAO

हरिया रोटरी अस्पताल में बेहतर सुविधाएँ

टीम रोटरी न्यूज़

वापी के रोटरी क्लब, आरआईडी 3060, ने हाल ही में 63,771 डॉलर कीमत का चिकित्सा उपकरण हरिया रोटरी अस्पताल को उपलब्ध कराया। इन उपकरणों में 11 मॉनिटर, एक एडल्ट वेंटिलेटर, एक नीओनैटल वेंटिलेटर और क्लब के रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पताल में गहन चिकित्सा इकाई के लिए एक डीफिब्रिलेटर शामिल हैं।

इस परियोजना के लिए आवश्यक राशि की व्यवस्था टीआरएफ ने रोटरी क्लब मुंबई डाउनटाउन सीलैंड, रो ई मंडल 3142 के सदस्य गिरधारीलाल मोदी के 30,000 डॉलर के टर्म गिफ्ट योगदान और पिछले वर्ष के 10,000 डॉलर के डीडीएफ के माध्यम से की। इस परियोजना में रोटरी क्लब बिराटनगर, रो ई मंडल 3292, नेपाल, अंतर्राष्ट्रीय भागीदार थे।

वापी के हरिया रोटरी अस्पताल में PRIP कल्याण बेनर्जी, PDG गण रुचिर जानी और आशीष रॉय के साथ।

PRIP कल्याण बेनर्जी ने पीडीजी रुचिर जानी और आशीस रॉय, क्लब अध्यक्ष केतन पटेल और भूतपूर्व अध्यक्ष प्रकाश की उपस्थिति में अस्पताल के अधिकारियों को उपकरण सौंपे।

पटेल ने कहा, ''यह हमारी पहली वैश्विक अनुदान परियोजना है और हमें अब फाउंडेशन की शक्ति का एहसास हो गया हैं,'' पटेल ने कहा कि वह अपने क्लब के सभी सदस्यों को फाउंडेशन में उदारता से योगदान देने का आग्रह करेंगे ताकि ''समुदायों में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए अधिक से अधिक बेहतर कार्य किए जा सके।'' ■

एक ई क्लब ने एक पेयजल परियोजना निष्पादित की

एक स्कूल में पीने के पानी की सुविधा का उद्घाटन करते DG आर वी एन कन्नन।

रो ई मंडल 3232 के अधीन चेन्नई के रोटरी ई क्लब की स्थापना वर्ष 2013 में की गई थी, और यह क्लब ऑनलाइन बैठकें आयोजित करता है और इसके सदस्य संसार के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं। इस वर्ष अमेरिका में रहने वाले जी वेंकटेश के नेतृत्व में क्लब ने मदुरै के पास थंगललाचेरी गांव में एक पंचायत मध्य विद्यालय को पीने का पानी की सुविधा उपलब्ध कराई गई जो कि रो ई मंडल 3000 के अंतर्गत आता है। इस परियोजना के अधीन स्कूल में एक बोरवेल को गहरा किया गया, एक पानी की टंकी स्थापित की गई और एक मोटर कक्ष का निर्माण किया गया। रो ई मंडल 3000 डीजी आरवीएन कन्नन ने ई क्लब अध्यक्ष वेंकटेश की उपस्थिति में इस परियोजना का उद्घाटन किया जो उद्घाटन में भाग लेने के लिए अमेरिका से यहाँ आये थे। स्कूल के प्रधानाध्यापक ने रोटेरियन को उनके प्रयास के लिए धन्यवाद दिया। परियोजना की लागत एक लाख रुपये आई, जिसे दुबई, बैंकॉक, मलेशिया, अमेरिका और चेन्नई में रहने वाले क्लब के सदस्यों के योगदान द्वारा एकत्र किया गया था। ■

मुंबई, अल्माटी रोटेरियनों की संयुक्त बैठक

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब बॉम्बे हैंगिंग गार्डन (रोटरी क्लब बीएचजी), रो ई मंडल 3141 के सदस्यों के लिए यह गर्व करने का क्षण था, क्योंकि उनके क्लब ने डीजी शशिकुमार शर्मा के नेतृत्व में मंडल से लगभग 150 रोटेरियनों के लिए कजाकिस्तान के लिए चार दिवसीय पर्यटन यात्रा का आयोजन किया था। और इन सभी कार्यों के समापन में, उन्होंने अपनी अविस्मरणीय यात्रा के अंत में रोटरी क्लब अल्माटी, तुर्की रो ई मंडल 2430 के एक हिस्से के एक भाग के साथ एक संयुक्त बैठक का आयोजन किया।

पीडीजी राहुल टिंबिड्या ने रो ई मंडल 3141 द्वारा निष्पादित किए जा रहे विभिन्न परियोजनाओं और सामुदायिक कार्यक्रमों का अवलोकन प्रदान किया। डीजी शर्मा ने अपने मंडल में पर्यटकों के लिए स्वच्छता सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए के लिए रोटरी क्लब अल्माटी के साथ वैश्विक अनुदान परियोजना पर अपनी उत्सुकता व्यक्त की। मेजबान क्लब के सदस्यों के बीच रोटरी झंडे का आदान-प्रदान खुशी के माहौल में किया गया।

रोटरी क्लब अल्माटी के अध्यक्ष टोल्किन एबिल्डेवा ने डीजी शर्मा की भावनाओं की सराहना की और उनकी क्लब के सदस्यों ने भी इसी तरह का विचार व्यक्त किया। अल्माटी के दो रोटेरेक्टरों ने भी रोटरी और फेलोशिप पर अपने विचार व्यक्त किए।

डीजीएन सुनील मेहरा ने रोटेरियन को इस विदेशी दौरे में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और विशेष रूप से यात्रा की व्यवस्था बनाने के लिए लीड क्लब से रोटेरियन समीर और सोनिया करनानी को धन्यवाद दिया।

दृश्य मेजबानी

मध्य एशियाई गणराज्य की अपनी यात्रा के दौरान, मुंबई रोटेरियन को कोक तोबे नामक एक सुंदर पहाड़; चैरी घाटी, जो अमेरिका के कोलोराडो के महान घाटी के बाद दूसरी सबसे बड़ी घाटी हैं, अलामू पर्वत श्रृंखला के बीच में स्थित श्यामबुलक स्की रिसॉर्ट सहित कुछ मनोरम स्थानों का भ्रमण करने का अवसर प्राप्त हुआ; साथ ही सभी ने बाज़ शो; और अंत में, शॉपिंग ब्लिट्ज़ का आनंद भी लिया। रोटरी क्लब बॉम्बे हैंगिंग गार्डन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिलीप शाह कहते हैं, ''हम रोटरी क्लब अलमाटी के साथ इस बैठक, जो कि रो ई मंडल 3141 और 2430 के बीच अपनी तरह का पहला बैठक था, के समन्वय, व्यवस्था और पुनर्निर्धारण के लिए रोटेरियन अमरीश दफ्तरी के आभारी हैं।'' ■

अल्माटी, कज़ाकिस्तान में रो ई मंडल 3141 के रोटेरियन DG शशिकुमार और उनकी पत्नी रीटा के साथ।

रो ई मंडल 3000 ने मदुरई में गाँवों को सशक्त बनाया

वी मुत्तुकुमारण

अपने हैप्पी विलेज परियोजना में अनेक प्रतिष्ठित कार्यक्रम शामिल करते हुए, आरआई मंडल 3000 ने 665 ग्रामीण परिवारों को लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से एक कौशल प्रशिक्षण अभियान के हिस्से के रूप में एक ग्राम ज्ञान केंद्र (वीकेसी), एक स्वच्छता परिसर, आंगनवाडी भवन और बाल संसद की स्थापना की।

जबकि टीवीएस श्रीचक्रटायर्स ने अपनी सीएसआर शाखा, अरोग्य वेलफेयर ट्रस्ट के माध्यम से परियोजना के लिए 32,000 डॉलर का अनुदान दिया है, वही ''टीआरएफ ने हमारे अनुदान के लिए सहमति प्रदान की और अब हमारे पास अनेक सुविधाओं को स्थापित करने के लिए ₹45.25 लाख की राशि जमा है'', परियोजना सलाहकार और रोटरी क्लब मदुरै मिड्टाउन के भूतपूर्व अध्यक्ष आर श्रीनिवासन कहते हैं। चार गाँवों - वी मणिकमपट्टी, मुसुंडगिरिपट्टी, वेल्लामपट्टी और कथापट्टी - में - चिकित्सा शिविर और कौशल प्रशिक्षण सहित अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है - और जिसमें महिलाओं के सशक्तीकरण और युवाओं को कौशल से लैस पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

मणिकमपट्टी में नवनिर्मित वीकेसी बिल्डिंग का निर्माण लगभग ₹10 लाख की लागत से किया गया है, जिसमें एक कोचिंग सेंटर खोला जाएगा और छात्रों को शारीरिक, संज्ञानात्मक और बौद्धिक प्रशिक्षण देने के अलावे सौहार्दपूर्ण सीखने का माहौल उपलब्ध कराया जाएगा। ''एक बार भवन का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद, हम इसे सरकार को सौंप देंगे। लेकिन हम युवाओं के लिए कक्षाएं आयोजित करेंगे,'' वह कहते हैं।

वर्तमान में, मुसुंदगिरिपट्टी में एक सामुदायिक शौचालय और स्वच्छता परिसर का निर्माण चल रहा है और दूसरे गाँव में एक आंगनवाडी भवन का निर्माण सरकारी अधिकारियों द्वारा अंतिम बार निरीक्षण करने का इंतजार कर रहा है।

जिला कलेक्टर आर नटराजन के साथ DG आर वी एन कन्नन, एक प्लास्टिक रोको कार्यक्रम में बच्चों के साथ।

महिलाओं के लिए जीवन कौशल

कार्यशालाओं और व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से, सभी चार गाँवों में ग्रामीण महिलाओं को जीवन से संबंधित आवश्यक कौशल सिखाया जा रहा है, जिसमें बैंक खाता खोलने, बीमा योजनाएँ प्राप्त करने, और सरकार द्वारा उनकी भलाई के लिए दिए जाने वाले प्रोत्साहन और अधिकारों का लाभ उठाने से संबंधित कौशल सिखलाना शामिल हैं।

कार्यशालाओं और व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से, सभी चार गाँवों में ग्रामीण महिलाओं को जीवन से संबंधित आवश्यक कौशल सिखाया जा रहा है, जिसमें बैंक खाता खोलने, बीमा योजनाएँ प्राप्त करने, और सरकार द्वारा उनकी भलाई के लिए दिए जाने वाले प्रोत्साहन।

बाल संसद

अब तक 83 बच्चों ने इस अद्भुत संसद में नामांकन करवाया है और उन्होंने स्वच्छता और सर्वोत्तम प्रथाओं पर विचार-विमर्श और मार्गदर्शन के लिए अपने गाँव के 88 बुजुर्गों को शामिल किया है। ये बच्चें आधिकारिक मंचों पर सामाजिक सम स्याओं और शिकायतों को उठाते है।

श्रीनिवासन कहते हैं, ''हमने इन गांवों में बच्चों के बीच स्वास्थ्य ब्रिगेड का गठन किया है ताकि वे लोगों के मध्य स्वस्थ और बीमारी मुक्त जीवन के बारे में जागरूकता उत्पन्न कर सकें।'' ■

देवी का नृत्य

सीता रत्नाकर

मिथक वह सच्चाई है जो आत्मपरक, सहजज्ञ, सांस्कृतिक होती है और जिसकी जड़े विश्वास में धसी होती है।

- देवदत्त पटनायक

मेइतेइ, जिस नाम से मणिपुर के सबसे बड़े सजातीय समूह को जाना जाता है, उत्तर-पूर्वी भारत में नौ पहाड़ियों से घिरी हुई एक निराली अंडाकार वादी में निवास करते है। मणिपुर का शाब्दिक अर्थ है रत्नजड़ित भूमि और मेइतेइ अपने वंश की उत्पत्ति गन्धर्वों से मानते है जो महाभारत और रामायण जैसे महाकाव्यों में स्वर्ग के संगीतकार एवं नर्तक थे। वे उस क्षेत्र को गन्धर्व-देश के नाम से बुलाते है और मानते है कि उषा, भोर की वैदिक देवी, ने नृत्य कला की रचना की और उसे युवतियों को सिखाया। चिंगखेईरोल के नाम से मशहूर इस मौखिक प्रथा को पीढ़ी दर पीढ़ी सौंपा गया है। मणिपुरी, जिसे जगोई के नाम से भी जाना जाता है, इस क्षेत्र का शास्त्रीय नृत्य है और भारत के आठ प्रमुख शास्त्रीय नृत्यों में से एक है।

मणिपुरी नृत्य एक धार्मिक कला है जो आध्यात्मिक मूल्यों को व्यक्त करती है। इस नृत्य की जड़े, भारत के अन्य सभी शास्त्रीय नृत्यों की तरह, भरत द्वारा लिखित प्राचीन संस्कृत लेख नाट्य शास्त्र पर आधारित है। पारंपरिक रूप से, नृत्य वैष्णव विषय-वस्तुओं पर आधारित है जो 18वीं सदी में राजा चरई रोंग्बा के शासनकाल के दौरान एक प्रमुख शक्ति बन गया था। उनके उत्तराधिकारी, राजा गरीब नवाज़, बंगाल के धर्मोपदेशक चैतन्य महाप्रभु के कृष्ण भक्ति वैष्णव में परिवर्तित हो गए जिन्होंने वैष्णव पदावलियों से भगवान कृष्ण की विषय-वस्तुओं पर संगीत एवं नृत्य को प्रतिपादित किया। महाराजा भाग्यचंद्र ने गौड़ीय वैष्णव को अपनाया और नृत्य विधाओं का संशोधन कर, दस्तावेजीकरण कर और उन्हें विधिबद्ध करके मणिपुरी के स्वर्णिम काल का सूत्रपात किया। उन्होंने नृत्य के लिए एक विस्तृत वेशभूषा तैयार की जिसे *कुमिल* कहा जाता है और साथ ही उन्होंने पाँच रास लीलाओं में से *तीन रास - महा रास, बसंत रास* और *कुंज रास* - की रचना की। नृत्य रंगपटल में राम, शिव और क्षेत्रीय देवी-देवताओं पर विषय-वस्तु भी शामिल है। लाई हराओबा एक प्राचीन त्यौहार है जो मेइतेइ समुदाय द्वारा उमंग लाइ नामक एक वन देवता के सम्मान में मनाया जाता है। वे मानते है कि हर साल भगवान ग्रीष्म ऋतु के आगमन पर एक बार धरती पर आकर लोगों को शांति एवं समृद्धि का वरदान देते है। लाइ हराओबा जिसका अर्थ होता है ''देवताओं का उत्सव, ब्रम्हांड के सृजन,'' उद्गम और उद्भव के किस्से का एक आनुष्ठानिक व्यवस्थापन है। यह मणिपुर की सांस्कृतिक पहचान को उसके धार्मिक कीर्तनों, देशज संगीत एवं नृत्य, सामाजिक मूल्यों और प्राचीन रिवाजों के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण के साथ प्रतिबिंबित करता है वे सभी नृत्य की संरचना में खूबसूरती के साथ गुथे हुए होते है। प्रख्यात फिल्म निर्माता सत्यजीत रे ने कहा था, ''मिट्टी से जन्मी एक कला होने के कारण, मणिपुरी नृत्य जिसने समय के साथ उत्कृष्टता हासिल की है, अभी भी, लाई हराओबा परंपरा से जुड़ी गूढ़, जादुई विशेषता को बरकरार रखता है।''

मणिपुरी नृत्य की सबसे अनोखी विशेषता है विशिष्ट भव्य पोशाक। महिला नर्तकियाँ *पोतलोई* पोशाक, जिनमें सबसे मशहूर है *कुमिल,* पहने मणिपुरी दुल्हनों की तरह सजती है। *कुमिल* एक अत्यधिक अलंकृत ढोलाकार लम्बा घाघरा होता है जो नीचे से कड़क होता है, जिसे सोने एवं चाँदी की पेचीदा कढ़ाई एवं छोटे कांचों से सजाया जाता है। इसके शीर्ष पर खिले हुए फूल के आकार का लहराता हुआ जालीदार पारदर्शी टॉप स्कर्ट होता है, और यह कमर पर *त्रिकस्त* या तीन जगहों पर सामने, पीछे और बाजू की तरफ आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में बंधा होता है जैसा कि प्राचीन हिन्दू ग्रंथों में वर्णित है। सामान्य तौर पर इसे एक वेलवेट के ब्लाउज और सर को ढकने वाले एक सफ़ेद पारदर्शी घूंघट के साथ पहना जाता है। अन्य भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की तरह नर्तक घुँघरू नहीं पहनते है, लेकिन

चेहरा, गर्दन, कमर, हाथों और पैरों को गहनों एवं नाज़ुक फूलों के हारों से सजाते है जो नृत्य की समरूपता में प्रवाहित होते है। पुरुष नर्तक एक धोती पहनते है जो *धोत्र* या *धोरा* कहलाती है, यह एक शानदार रूप से रंगा हुआ कपड़ा होता है जिसे चुन्नट डालकर कमर पर बाँधा जाता है जिससे विस्तृत एवं स्थानिक हरकतों के लिए पैरों का मुक्त संचालन हो पाता है।

मणिपुरी नृत्य का लास्य या नारी पहलू अलौकिक और गीतात्मक होता है और ताण्डव या अधिक ओजपूर्ण पौरुष हरकतें भी प्रवाही आकर्षण से परिपूर्ण होती है। मौलिक नृत्य हरकतों को *चली* या *चरी* कहा जाता है। सबसे प्रसिद्द नृत्य है मणिपुरी रास लीला, जो तीन शैलियों, *ताल रसक, दंड रसक* और *मंडल रसक,* में होती है और जिन्हें पारंपरिक रूप से पतझड़ (अगस्त से नवम्बर) और एक बार पुनः बसंत (अप्रैल/मार्च) की पूर्णिमा की रातों में किया जाता है। बसंत रास होली के दौरान किया जाता है, जबकि दूसरे दीवाली और फसल-कटने के बाद के त्यौहारों के साथ होते है। नृत्य और संगीत राधा और कृष्ण के मध्य प्रेम एवं बातचीत को दर्शाते है, जो कि ललिता, विशाखा, चित्रा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इंदुरेखा, रंगदेवी और सुदेवी नाम की गोपियों की मौजूदगी में होता है। हर एक गोपी की अपनी एक व्यक्तिगत गीत रचना और नृत्य अनुक्रम होता है जहाँ शब्दों के दो अर्थ होते है, पहला शाब्दिक और दूसरा आध्यात्मिक। बोल, जो संस्कृत, मैथिली, बृज भाषा और अन्य बोलियों में होते है,

मणिपुरी नृत्य की सबसे अनोखी विशेषता है विशिष्ट भव्य पोशाक। महिला नर्तकियाँ *पोतलोई* पोशाक, जिनमें सबसे मशहूर है *कुमिल,* पहने मणिपुरी दुल्हनों की तरह सजती है।

नर्तक लाइ हरोबा का प्रदर्शन करते हुए।

प्रशंसित मणिपुरी नर्तकी सोमा दासगुप्ता।

सामान्य तौर पर जयदेव, विद्यापति, चंडीदास, गोविंदास और ज्ञानदास की शास्त्रीय कविताओं से लिए जाते है।

मणिपुरी की संगीत संगति में एक गायक, *पुंग* नामक एक तालवाद्य, *करताल* या मंजीरा, *पेना* नामक एक तंत्री वाद्य और बांसुरी जैसा एक सुषिर वाद्य। ढ़ोल बजाने वाले जो पुरुष कलाकार होते है पुंग बजाते है और बजाते हुये नृत्य करते है। वे सफ़ेद धोती और पगड़ी पहनते है और ढ़ोल का पट्टा अपने कंधे पर बांधकर ढ़ोल की थाप पर पेचीदी तालबद्ध हरकतें करते हुये *पुंग चोलोम* का प्रदर्शन करते है। *करताल चोलोम* समान प्रकार का नृत्य होता है जिसमें नर्तक मंजीरे के साथ प्रदर्शन करते है। जब इसे महिला नर्तकियों द्वारा किया जाता है तो यह *मंडीला चोलोम* कहलाता है। पुरुष नर्तक शिव का तांडव नृत्य भी करते है जो *डफ चोलोम* और *ढ़ोल चोलोम* कहलाता है। जब वे *गोपा रास* का प्रदर्शन करते है तो वे समसमायिक रूप से दैनिक जीवन के कार्यों, जैसे गाय चराने, का अभिनय करते है और इसके एकदम उलट होता है *उद्धत अकंबा,* जो छलांग मारने, उठने-बैठने और घूमने वाला एक सुंदर नृत्य है।

20वीं सदी के पूर्वार्ध में मणिपुरी नृत्य उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से तब बाहर निकला जब नोबल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर ने गुरु बुधीमंत्र सिंह को शांतिनिकेतन में मणिपुरी सिखाने के लिए एक शिक्षक के रूप में आमंत्रित किया। 1950 के दशक तक, झावेरी बहनों, नैना, रंजना, सुवर्णा और दर्शना ने पूरे भारत एवं विदेशों में भी नृत्य प्रदर्शन करना शुरू कर दिया था और पूरी दुनिया को आकर्षित किया। 1956 में, वे पहली गैर-मणिपुरी थी जिन्होंने इम्फ़ाल के शाही महल के भीतर स्थित गोविंदजी मंदिर में नृत्य किया था। उनके गुरु बिपिन सिंह और कलावती देवी के साथ मिलकर, उन्होंने 1972 में मणिपुरी नर्तनालय की स्थापना की, जिसके केंद्र मुंबई, कोलकाता और इम्फ़ाल में थे। गुरु सिंघजीत सिंह जो मणिपुर के नर्तकों के परिवार से ताल्लुक रखते है, ने नई दिल्ली में अपनी पत्नी चारु सीजा माथुर के साथ मिलकर मणिपुरी नृत्याश्रम की स्थापना की। उन्होंने उनकी नृत्य मंडली के साथ यूरोप, उत्तर और दक्षिण अमेरीका के अनेक देशों की बड़े पैमाने पर यात्राएं करते हुए इस प्राचीन नृत्य रूप का प्रदर्शन किया एवं इसे लोकप्रिय बनाया।

20वीं सदी के पूर्वार्ध में मणिपुरी नृत्य उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से तब बाहर निकला जब नोबल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर ने गुरु बुधीमंत्र सिंह को शांतिनिकेतन में मणिपुरी सिखाने के लिए एक शिक्षक के रूप में आमंत्रित किया।

सोमा दासगुप्ता एक प्रतिभाशाली मणिपुरी नर्तकी एवं नृत्य-निर्देशिका है जो पिछले 17 वर्षों से ह्यूस्टन, टेक्सास, यूएसए में इसे प्रदर्शित कर रही है एवं सिखा रही है। वह उनकी तृप्ति नृत्य अकादमी में युवा पीढ़ी को मणिपुरी सिखा रही है। मणिपुरी शैली में रवीन्द्रनाथ

पुंग चोलोम प्रदर्शन करते कलाकार।

नर्तकी सोमा दासगुप्ता पारंपरिक पोटलौं पोशाक में।

टैगोर की गीत रचनाओं का नृत्य निर्देशन करना उनकी विशेषता है। उनके अनुभव के बारे में पूछे जाने पर सोमा कहती है, ''मैंने यूएस में अनेक स्थानों पर मणिपुरी का प्रदर्शन किया है और इसकी अत्यंत प्रशंसा की गई है। मुझे बहुत गर्व महसूस होता है जब अमेरीकी आकर मुझसे नृत्य के बारे में अधिक पूछते है। मैं यहाँ विद्यार्थियों को शुद्ध नृत्य विधा सिखाने की आशा करती हूँ। प्रमुख चुनौती है मणिपुर, भारत से पोशाकों को लाना। मेरा सपना है कि मैं भारत से मणिपुरी नर्तकों को आमंत्रित करके एक कार्यक्रम का आयोजन करूं जहाँ पुरुष मणिपुरी नर्तक खोल नृत्य का प्रदर्शन करेंगे जैसा कि मेरे गुरुजी किया करते थे।''

मैं खुशकिस्मत हूँ कि भरतनाट्यम, कुचीपुड़ी, मोहिनीअट्टम और ओड़ीसी के अलावा मैं मेरी माँ के कारण थोड़ा मणिपुरी भी सीख पाई जिन्होंने शास्त्रीय कलाओं से उनके प्रेम के चलते विभिन्न शैलियों को सिखाने हेतु समस्त भारत से नृत्य शिक्षकों की तलाश की। इस अनावरण ने सभी कलाओं के प्रति निष्पक्ष सम्मान के साथ रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मेरी कलात्मक संवेदनाओं को निखारने में मदद की। जैसा कि ऑस्कर वाइल्ड कहते है, ''कला दुनिया में मौजूद व्यक्तिवाद की सबसे गहन विधा है।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

अपनी परियोजनाओं को रोटरी न्यूज़ में दिखाएं

रोटरी न्यूज़ हमारे सभी ज़ोनों के क्लबों की परियोजनाओं को दर्शाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए अपने समुदायों में लोगों की ज़िंदगियों को परिवर्तित करने के लिए आपके क्लबों/मंडलों द्वारा की गई सार्थक परियोजनाओं को हमारे साथ अवश्य साझा कीजिए। अपने क्लब से किसी ऐसे व्यक्ति की पहचान कीजिए जो आपके कार्यों की अच्छी रिपोर्ट तैयार कर सकें, और उस जानकारी को हमें अच्छी स्पष्ट तस्वीरों के साथ भेज सकें। यदि वे आपके सेल फोन कैमरे से भी खींची गई है, तो उन्हें *WhatsApp* पर भेजने के बजाय अपने फोन की गैलरी से सीधा ईमेल कीजिये क्योंकि *WhatsApp* तस्वीरों के आकार को छोटा करता है और इसलिए उनकी गुणवत्ता भी कम हो जाती है। आपकी परियोजना रिपोर्ट में क्या होना चाहिए उसके लिए यहाँ एक जांच-सूची है: परियोजना का विचार कैसे आया; जरूरत क्या थी; लागत क्या थी और धन कैसे इकट्ठा किया गया; चुनौतियाँ, निष्पादन और लाभार्थी।

तस्वीरें - एक तस्वीर 1,000 शब्दों से भी बढ़कर होती है। परियोजना, उसके लाभार्थियों की अच्छी, क्रियाशील तस्वीरें खींचिए और उन्हें हाइ रेसोल्यूशन एवं मूल आकार में हमें भेजिये।

इस बात में अंतर जरूर कीजिये कि कौन सी परियोजनाएं GML के लिए उपयुक्त है, और कौन सी सीधा राष्ट्रीय रोटरी पत्रिका के लिए भेजी जा सकती है।

अपनी परियोजनाओं को या तो *rushbhagat@gmail.com* पर या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजिये।

रो ई मंड्ल 3190 ने कॉर्पोरेट्स को उनके सहयोग के लिए सम्मानित किया

टीम रोटरी न्यूज़

लगातार दूसरे वर्ष, रो ई मंडल 3190 ने सामुदायिक विकास में योगदान देने वाले कॉरपोरेट्स को सम्मानित करने के लिए बेंगलुरु के FKCCI सभागार में रोटरी कर्नाटक सीएसआर सम्मेलन और पुरस्कार की मेजबानी की। ओलंपियन बॉक्सर और राज्यसभा सांसद मैरी कॉम ने डीजी सुरेश हरि की मौजूदगी में आठ कंपनियों को रोटरी अवार्ड प्रदान किया। रोटरी क्लब बैंगलोर जीवन भीम नगर ने अपने अध्यक्ष अनिल कुमार राधाकृ ष्णन के नेतृत्व में कार्यक्र म की अध्यक्षता की।

ईवेंट चेयरमैन अभिषेक रंजन और बॉक्सिंग चैंपियन मेरी कॉम एक कॉर्पोरेट प्रतिनिधि को पुरस्कार देते हुए। चित्र में (बाएं से) रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस के अध्यक्ष डी रविशंकर और डीजी सुरेश हरि शामिल हैं।

अपने संबोधन में मैरी कॉम ने कहा, ''कॉरपोरेट्स का प्रशंसनीय सहयोग न केवल व्यक्तियों बल्कि समाज के लिए एक वृहद स्तर पर बहुत फायदेमंद साबित होता है।'' अपने स्वयं के मुक्केबाजी करियर का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि उनके उदार रवैये से, खेल बहुत हो अधिक प्रतियोगी हो गया हैं।

कार्यक्र म के अध्यक्ष अभिषेक रंजन ने कहा कि सम्मेलन का ध्यान भविष्य के लिए एक रोड मैप का निर्माण करना और सामुदायिक सेवा में विभिन्न हितधारकों द्वारा किए गए योगदान को रेखांकित करना था। रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्केड्स के अध्यक्ष डी रविशंकर और डीजीई डॉ समीर हरियाणी ने भी प्रतिनिधियों को संबोधित किया।

संगोष्ठीमें कौशल विकास और उद्यमिता पर पाँच पैनल चर्चा आयोजित की गई; जिसमें शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना; स्वस्थ कर्नाटक; स्वच्छ कर्नाटक; और व्यापक पैमाने पर साझेदारी शामिल थी।

सम्मेलन में 60 से अधिक कंपनियों ने भगा लिया। एसआरएफ फाउंडेशन को मूलभूत शिक्षा और साक्षरता श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया गया; रोग निवारण और उपचार के लिए एसीसी ट्रस्ट; जल और स्वच्छता के लिए टोयोटा किलीस्कर मोटर और एचएएल को पुरस्कार प्रदान किया गया; और आर्थिक और सामुदायिक विकास के लिए अल्ट्राटेक सीमेंट पुरस्कार प्रदान किया गया। कैपजेमिनी टेक्नोलॉजी सर्विसेज को एक विशेष मान्यता पुरस्कार दिया गया। ■

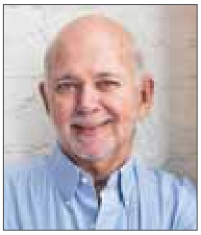

रो ई बोर्ड विविधता नीति को पारित करता है

रो ई अध्यक्ष **बेरी रेसिन**

रोटरी की उच्च प्राथमिकताओं में से एक है सदस्यता का विभाजन ताकि हम जिन समुदायों की सेवा करते है उनका और अच्छी तरह से प्रतिबिंबित किया जाना सुनिश्चित कर सकें। रोटरी के नेतृत्व में विविधता की कमी के बारे में बातचीत चलती रहती है। उदाहरण के लिए, जहाँ रोटरी की सदस्यता का 22 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं का है, यह आंकड़े हमें अपने नेतृत्व में प्रतिबिंबित होते नहीं दिखाई देते। हम और अधिक कर सकते है, और जनवरी में, रोटरी निदेशक मंडल ने रोटरी अंतर्राष्ट्रीय में विविधता, निष्पक्षता, और समावेश नीति की मंजूरी दे दी है:

एक वैश्विक नेटवर्क के रूप में जो एक ऐसी दुनिया बनाने का प्रयत्न करता है जहाँ लोग स्थायी परिवर्तन लाने के लिए एकजुट होते और कार्य करते है, रोटरी विविधता की कद्र करती है और सभी पृष्ठभूमि के लोगों के योगदानों का उत्सव मनाती है, उनकी उम्र, नस्ल, जाति, रंग, क्षमताएं, धर्म, सामाजिक आर्थिक स्थिति, संस्कृति, लिंग, लैंगिक रुझान, और लिंग पहचान की परवाह किये बिना। रोटरी एक विविध, निष्पक्ष, समावेशी संस्कृति को विकसित करेगी जिसमें कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों के लोगों के पास एक सदस्य और नेतृत्वकर्ताओं के रूप में सम्मिलित होने के अधिक अवसर होंगे।

यह बयान सभी के लिए है - क्लब स्तर से लेकर सचिवालय तक। रोटरी को - उम्र, जाति, लिंग, संस्कृति, लैंगिक रुझान और पहचान, इत्यादि में - प्राथमिक तौर पर विविधता लाने की आवश्यकता है।

मंडल ने जून 2023 तक रोटरी और रोटरी नेतृत्व पदों में महिलाओं की संख्या को 30 प्रतिशत तक बढ़ाने का एक लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, हम सभी के पास करने के लिए कार्य है। हमें अभी भी अच्छे लोगों को हमारे संस्थान में लाने की आवश्यकता है, इसलिए हमें कभी भी अच्छे लोगों को नज़रंदाज़ नहीं करना चाहिए; हमें सभी क्षेत्रों से योग्य व्यक्तियों की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय सभा प्रशिक्षण नेतृत्वकर्ताओं, क्षेत्रीय नेतृत्वकर्ताओं, और रोई समिति सदस्यों के रूप में अधिक महिलाओं की नियुक्ति करके हमने इस वर्ष लंबी छलांग लगाई है। स्थानीय स्तर पर, क्लबों को अधिक महिलाओं को एवं अन्य कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों के व्यक्तियों को नेतृत्व भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। अधिक विविध उम्मीदवारों के चुने जाने के बाद, वरिष्ठ नेतृत्व स्तर पर सेवा दे सकने वाले उम्मीदवारों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी होगी।

यह रोटरी के लिए एक ऐसे संगठन हेतु नया भविष्य बनाने का समय है जो अधिक खुला और समावेशी हो, सभी के लिए निष्पक्ष हो, साख का निर्माण करता हो, और पूरी रोटरी के लिए लाभकारी हो।

© The Rotarian

Rotary PEOPLE OF ACTION

बेरोजगार युवाओं के लिए रोटरी रोजगार मेला

रोई मंडल 2981 द्वारा डीजी एस पीरियोन के मार्गदर्शन में बेरोजगार युवाओं के लिए बृहद रोजगार मेला का आयोजन तिरुवरुर और कुंभकोणम के गाजा चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों में किया गया। इस मेले में कुल 18,750 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया और लगभग 7,500 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ।

पहला रोजगार मेला तिरुवूरुर शहर के वेलुदैयन एचएस स्कूल और कॉलेज में आयोजित किया गया था। इस मेले में 56 एमएनसी द्वारा 6,880 युवाओं का साक्षात्कार लिया गया और 2,330 लोगों को वही पर नियुक्ति पत्र दिया गया।

एक उम्मीदवार को DG पीरायोन प्लेसमेंट ऑर्डर देते हुए।

दूसरा रोजगार मेला कु ंभकोणम में शास्त्र विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 11,900 उम्मीदवारों की जाँच की गई। उम्मीदवारों के साक्षात्कार लेने के लिए चेन्नई के 42 एमएनसी और तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों से 26 एचआर कर्मचारी कैंपस में आए हुए थे। 5,000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ।

मंडल महासचिव एस रमेश, परियोजना अध्यक्ष एस डी पोंगुंद्रन, और एजीएस पी गणेशन, एस बालासुब्रमण्यन और शिवगुरुनाथन ने दोनों स्थानों पर रोजगार मेलों की सफलता के लिए समन्वय किया। ■

संक्षेप में

ए आर रेहमान ने कान फिल्मोत्सव में किया इफ्तार रात्रिभोज

ग्रैमी और ऑस्कर-विजेता संगीतकार ए आर रेहमान ने कान में अपना रमज़ान का रोज़ा तोड़कर इफ्तार रात्रिभोज किया। यह संगीत उस्ताद उनके द्वारा निर्देशित पहली फिल्म *ले मस्क,* जो भारत की पहली आभासी वास्तविकता फिल्म है, के प्रमोशन के लिए फिल्मोत्सव में आए थे। इन्स्टाग्राम पर उन्होंने सेब के रस का ग्लास हाथ में पकड़े हुये स्वयं की एक तस्वीर पोस्ट की।

भारत की जी एस लक्ष्मी बनी आईसीसी की पहली महिला मैच रेफरी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर जी. एस. लक्ष्मी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मैच रेफरियों की अंतर्राष्ट्रीय पैनल में शामिल होने वाली पहली महिला मैच रेफरी बन गई है। 51 वर्षीय लक्ष्मी ने 2008-09 में महिलाओं के घरेलू क्रिकेट में पहली बार रेफरी का काम किया, और तीन महिला एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय, और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों का निरीक्षण किया। तत्पश्चात्, ऑस्ट्रेलियाई क्लेयर पोलोसक, जो ओमान और नामीबिया के मध्य 27 अप्रैल के दिन खेले गए पुरुष ओडीआई में अंपायरिंग करने वाली पहली महिला अंपायर बनी, के बाद लक्ष्मी तत्काल प्रभाव से अंतर्राष्ट्रीय मैचों में रेफ़री बनने के लिए पात्र हो जाएंगी।

अरुणाचल प्रदेश में मिली साँप की नई प्रजातियाँ

अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कमेंग ज़िले में साँप की एक नई प्रजाति पाई गई है। गर्मी महसूस करने के अनोखे सिस्टम वाले इस लाल-भूरे रंग के जहरीले साँप को अशोक कैप्टेन के नेतृत्व वाले सरीसृप विज्ञानियों के एक दल द्वारा खोजा गया था। डीएनए अनुक्रमों के तुलनात्मक विश्लेषणों एवं रूपात्मक विशेषताओं के अध्ययन से पता चलता है कि यह साँप एक ऐसी प्रजाति का है जो पहले ज्ञात नहीं थी।

शेर्पा ने रिकॉर्ड बार की माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई

शेर्पा पर्वतोरोही कामी रीटा ने 23वीं बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई करके दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे अधिक बार सफलतापूर्वक चढ़ाई करने के अपने स्वयं के कीर्तिमान को तोड़ दिया है। 49 वर्षीय रीटा ने पहली बार 1994 में एवरेस्ट की चढ़ाई की थी और उसके बाद से लगभग हर साल वह इसकी चढ़ाई कर रहे है।

जेल यात्रा

तेलंगाना राज्य जेल विभाग द्वारा प्रशासित हेरिटेज जेल संग्रहालय एक अनोखा जेल पर्यटन चलाता हैं जिसे *'Feel the Jail'* कहा जाता हैं, जहाँ कोई भी 24 घंटों के लिए संगारेड्डी जेल में एक शुल्क भर कर रह सकता हैं। हाल ही में कुआलालंपुर से एक दंत चिकित्सक और एक रेस्तरां मालिक हैदरबाद के इस 220 साल पुरानी जेल में रहने आए थे।

किरण ज़ेहरा द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

रोटरी द्वारा नासिक में शौचालय, हैंडवाश स्टेशन की स्थापना

टीम रोटरी न्यूज़

ऑस्ट्रेलियाई भागीदारों के साथ रोटरी क्लब नासिक रोड़ के रोटेरियन परियोजना स्थल पर। PDG दत्तात्रेय देशमुख भी तस्वीर में शामिल हैं।

रोटरी क्लब नासिक रोड, आरआईडी 3030 द्वारा नासिक से 25 किलोमीटर दूर तालेगांव में विद्या प्रशाला हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज में तीस शौचालयों और दो हैंडवाश स्टेशनों का उद्घाटन किया।

इस वैश्विक अनुदान परियोजना को क्लब ने अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों - रोटरी क्लब बॉक्स हिल सेंट्रल, रो ई मंडल 9810; वारनाम्बूल ईस्ट, रो ई मंडल 9780; कोबर, रो ई मंडल 9670 - ऑस्ट्रेलिया; और एम्सबरी, रो ई मंडल 7930; और क्लेटन, यूएस से रो ई मंडल 7710 के सहयोग से पूरा किया किया।

रोटरी फाउंडेशन ट्रस्टी जूलिया फेल्प्स, जो रो ई मंडल 3060 के मंडल सम्मेलन के लिए RIPR के रूप में नासिक में थी, ने स्कूल के अधिकारीयों को नई स्वच्छता सुविधाओं की कमान सौंपीं।

स्वच्छता परियोजना को 60 दिनों के भीतर पूरा किया गया क्योंकि काम शुरू होने से पहले उद्घाटन समारोह की तारीख को अंतिम रूप दिया गया था। जूलिया के साथ, पार्टनरिंग क्लबों के रोटेरियन के मेजबान - स्टीफन मैकेंजी, पीडीजी जेनिफर कोबर्न, रोजर कोबर्न, पीडीजी ब्रायन मार्टिन, पीपी डॉन स्वीनी, अनीता स्वीनी, मार्क बल्ला और एनी बला, ऑस्ट्रेलिया से - और डीजी पिंकी पटेल, रो ई मंडल 3060, उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

इस स्कूल में 17 गाँवों के लगभग 1,200 बच्चे 6 किलोमीटर की दूरी से पैदल चलकर पढ़ने आते हैं। इस अवसर पर पीडीजी दत्तात्रेय देशमुख और डीजीई राजेंद्र भामरे भी उपस्थित थे।

छात्रों ने प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और एक पारंपरिक लज़ीम नृत्य किया। प्रतिनिधियों को छात्रों को दिए जा रहे व्यावसायिक कौशल की प्रदर्शनी दिखाई गई, और छात्रों द्वारा पूरे किए जा रहे विज्ञान परियोजनाओं को दिखाया गया। ■

मतदान पात्र को चलाना

लोकसभा चुनावों में नागरिकों को वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य, रोटरी क्लब उल्हासनगर, रो ई मंडल 3142, के साथ पेट ऑक्सफोर्ड स्कूल, ने एक जागरूकता अभियान संचालित किया, जिसका शीर्षक था - *Ungali dikhao-discount/gift pao*। क्लब ने 20 प्रमुख संगठनों के साथ सहयोग किया, जिसमें रेस्तरां, परिधान की दुकानें, मिठाई की दुकानें और खुदरा स्टोर शामिल थे, जिन्होंने वोट डालने वाले जिम्मेदार नागरिकों को उपहार या छूट देकर प्रोत्साहित किया, जिनमें से कुछ दुकानों ने नागरिकों को 25 प्रतिशत तक की छूट दी।

"हमने व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर इस अभियान का खूब प्रचार किया और संपूर्ण शहर में पर्चे बाटे। प्रमुख स्थानों पर बैनर लगाए गए। इससे लोगों के बीच हमारे अभियान के बारे में जगरूकता फ़ैली," क्लब के अध्यक्ष दिनेश दंडालिया ने कहा। भाग लेने वाले दुकानों के बाहर छूट / उपहारों की घोषणा करने वाले बैनर भी लगाए गए थे।

रोटेरियन परिणाम से खुश थे, क्योंकि इससे "महत्वपूर्ण 48.1 मतदान प्रतिशत प्राप्त हुआ, शायद पिछले 25 वर्षों में सबसे अधिक मतदाता-प्रतिशत था।" डंडालिया ने परियोजना अध्यक्ष विजय मखीजा और गुल आड्वाणी की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। ■

संक्षिप्त समाचार

रो ई मंडल 3012 के लिए यह पुरस्कार की अधिकता है। पीडीजी शरत जैन को टीआरएफ़ साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विस अवार्ड मिला; रोटरी क्लब दिल्ली रिवरसाइड के सतीश गुप्ता को रो ई के स्वयं से बढ़कर सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया और रोटरी क्लब कौशाम्बी के सुरेन्द्र मिश्रा को एक पोलियो-मुक्त दुनिया के लिए क्षेत्रीय सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया।

रो ई मंडल 3240 के डीजी सायंतन गुप्ता को भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त सैयद मुअज्ज़म अली द्वारा दिल्ली में मानव सेवा सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया। चिकित्सीय विज्ञान के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए उनका सम्मान किया गया।

रोटरी क्लब जयपुर, रो ई मंडल 3054, ने इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव मनाने के लिए अखिल-महिला साइकल रैली का आयोजन किया जिसमें महिलाओं की शिक्षा एवं उनके सशक्तिकरण पर जागरूकता फैलाई गई। राजस्थान की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री ममता भूपेश और राज्य की पूर्व सभापति सुमित्रा सिंह ने इस कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई।

Wordsworld

नृत्य, नर्तक और इतिहास की एक झलक

संध्या राव

देवदासियों पर बनी एक काल्पनिक कहानी पथप्रदर्शक महिलाओं के समय और कला के बारे में अधिक जानने में मदद करती है।

मेरी माँ 1970 के दशक की यह कहानी सुनाती है जब उन्होंने और उनकी ननंद ने फैसला किया कि उनके परिवार स्वयं अपना खयाल रख सकते है, जब वे चेन्नई (तब के मद्रास) में संगीत एवं नृत्य के 'मौसम' के दौरान होने वाले प्रत्येक कंसर्ट में से जितने हो सके उतने में उपस्थित होंगी। बालासरस्वती, भारत की सबसे महान भरतनाट्यम नर्तकियों में से एक, संगीत अकादमी में प्रदर्शन कर रही थी और उनके प्रदर्शन से कुछ मिनट पहले ही, उन्होंने मृगंदम वादक के प्रति असंतोष व्यक्त किया और उसे प्रतिस्थापित करने पर ज़ोर दिया। किसी को उनकी पसंद के मृगंदम वादक को ढूँढने के लिए भेजा गया। सबसे कम वक्त लगने पर भी प्रतिस्थापक तालवादक को मंच तक पहुँचने में आधा घंटा तो लगना ही था: उस पूरे समय के दौरान बाला ने गायक, जो बारंबार *पुळ्ळी मान* (चित्तीदार हिरण) वाक्यांश को गा रहा था, की आवाज पर विभिन्न मौखिक अभिव्यक्तियों (अभिनय) और हस्त मुद्राओं के प्रदर्शन का अभ्यास किया।

आपको यह कहानी उनके पोते डगलस नाइट द्वारा लिखित *बालासरस्वती: हर आर्ट एंड लाइफ* में नहीं मिलेगी, परंतु आपको दूसरी अनेक कहानियाँ मिलेगी, विशेष रूप से उनकी प्रसिद्ध दादी वीणाई धनम्मल के बारे में जिनके साथ बाला रहती थी। उन दिनों मद्रास में कला प्रदर्शन परिदृश्य का एक उच्चतम बिन्दु था धनम्मल के जॉर्जटाउन वाले निवास में शुक्रवार की शाम का वीणा वादन, जिसे सुनने के लिए कलाकार, कला प्रेमी और उच्च वर्ग के लोग उपस्थित होते थे। बालासरस्वती ने नाइट को बताया कि एक बार, जब वह छोटी थी, उन्होंने किसी को वीणाई धनम्मल की पोती के रूप में स्वयं अपना परिचय दिया था। इस बात को सुनकर, उनकी दादी ने कहा कि किसकी हिम्मत है जिसने स्वयं का परिचय उनकी पोती के रूप में दिया। उस क्षण, बाला ने कहा, उन्होंने स्वयं से वादा किया कि उनकी दादी एक दिन स्वयं का परिचय बालासरस्वती की दादी के रूप में देने के लिए विवश होंगी। वह दिन आया, जैसा कि पुस्तक से पता चलता है।

बाला तंजावुर की देवदासियों के परिवार से ताल्लुक रखती थी। छोटी उम्र से ही मंदिर में ईश्वर की सेवा में समर्पित मातृसत्तात्मक वंश की ये महिलाएं पारंपरिक रूप से अत्यधिक प्रशिक्षित एवं प्रतिभाशाली, पेशेवर नर्तकियाँ एवं संगीतज्ञ होती थी, और प्रभावशाली, उच्च वर्ग के पुरुषों के संरक्षण में रहा करती थी। अपने सर्वश्रेष्ठ समय के दौरान, देवदासियाँ प्रभावशाली और धनी होती थी, लेकिन ब्रिटिश शासन के आने के साथ विक्टोरियाई-युग के मूल्यों का आगमन हुआ जिसने, समाज में अन्य बदलावों को लाने के साथ ही परिणामस्वरूप एक ऐसी व्यवस्था की शुरुआत की जो धीरे-धीरे इन महिलाओं को शोषण की ओर ले गया।

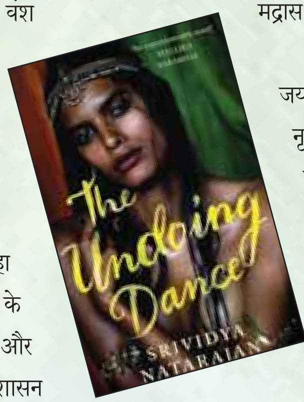

जैसा कि लीला सैमसन *रुक्मिणी देवी: अ लाइफ* में लिखती है, ''निजी और सार्वजनिक जीवन, जिसमें मंदिर के कर्तव्य शामिल होते थे, दोनों को मिलाने की देवदासियों की क्षमता वास्तव में असाधारण थी। नृत्य एक आदर्श होता था और लगन के साथ उसका अनुसरण किया जाता था। बहुत सी देवदासियों के पास संरचनाओं का विशाल रंगपटल होता था जो कि, दुर्भाग्य से, अधिकांशरूप से खो चुका है। जिस समय रुक्मिणी बड़ी हो रही थी और भारत में विदेशी हुकूमत के खिलाफ आवाज बुलंद हो रही थी उस समय समाज द्वारा समुदाय पर किए गए सभी जुल्मों के बदले में, इसने महिलाओं को पीछे धकेलने वाली सामाजिक बाधाओं के बिना देवदासियों को उत्कृष्ट नर्तकी बनाने के लिए इज्जत और एक आवश्यक स्थान भी प्रदान किया।''

लीला सैमसन लिखती है कि बाला लगभग 14 वर्ष की रही होगी और टी. के. चिदम्बरनाथ मुदलियर के घर पर प्रदर्शन कर रही थी जब रुक्मिणी देवी अरुंडेल, जो तब लगभग 28 वर्ष की थी, ने पहली बार उनका नृत्य देखा। रुक्मिणी देवी अरुंडेल ब्रह्मविद्यावादी परिवार से ताल्लुक रखने वाली एक उच्च वर्ग की महिला थी जिनका विवाह उनसे करीब 25 वर्ष बड़े एक अंग्रेज़ से हुआ था। सबसे पहले वह बैले नर्तकी एना पेवलोवा से आकर्षित हुई थी और फिर देवदासियों के पारंपरिक नृत्य *सादिर* या *चिन्ना मेलम* से वह इतना आकर्षित हो गई कि उन्होंने स्वयं नृत्य सीखना चाहा। एक गुरु की तलाश में वह मद्रास की हर एक देवदासी के घर जा रही थी। इस प्रकार वह इस घर में आई जहाँ वह जयम्मल (बाला की माँ) और बाला के नृत्य की मनोहरता एवं भाव से प्रभावित हुई। आखिरकार उन्हें मयलापोर गौरी अम्मल में अपना गुरु मिला जो कपलीश्वर मंदिर की एक देवदासी और अपने अभिनय के लिए जानी जाने वाली, वीणाई धनम्मल की करीबी मित्र थी। थियोसोफिकल सोसाइटी के एक कार्यक्रम में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन करने के एक साल के भीतर, उन्होंने नृत्य एवं संगीत के एक स्कूल की स्थापना की, जिसका नाम बाद में कलाक्षेत्र रखा गया। इसके साथ ही उन्होंने उच्च वर्ग के युवा लोगों के जत्थे के लिए भरतनाट्यम सीखने के अवरोध को खत्म कर दिया, जो एक लंबे समय से केवल कुछ ङ्गनियतफ लोगों द्वारा ही की जाने वाली चीज़ के रूप में ङ्गअलग कियाफ हुआ था।

इन दो किताबों में इन सभी चीजों के अलावा और भी बहुत कुछ है, साथ ही उनके कई किस्से और सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और कला प्रदर्शन के इतिहास का जिक्र भी है। इस संदर्भ में, हम एक अन्य पथप्रदर्शक महिला, डॉक्टर मुथुलक्ष्मी रेड्डी, से संक्षिप्त मुलाक़ात करते है जो स्वयं एक देवदासी की लड़की थी, पुरुषों के कॉलेज में दाखिला लेने वाली पहली महिला थी और भारत की प्रथम महिला विधायक थी। उन्होंने मद्रास में कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना की, जो उस समय देश में कैंसर के इलाज के लिए समर्पित दूसरा संस्थान था। लेकिन एक डॉक्टर-राजनेता का दो नर्तकियों से क्या वास्ता? खैर, संसद में एक विधेयक के माध्यम से उन्होंने उस देवदासी प्रथा को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसने उन्हें वेश्या के रूप में चिन्हित किया हुआ था।

बालासरस्वती और रुक्मिणी देवी की दुनियाएँ श्रीविद्या नटराजन के दिलचस्प काल्पनिक लेखन, *द अनडूइंग डांस,* में एक साथ आई जिसे मैं पढ़े बिना नहीं रह सकी। शायद ऐसा इसलिए था क्योंकि इस उपन्यास का विषय व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए सुपरिचित एवं लुभावना था; शायद इसलिए क्योंकि एक युवा पत्रकार के रूप में मुझे नृत्य एवं नर्तकों के बारे में लिखने के अनेक अवसर मिले; शायद इसलिए क्योंकि उस समय बाला और रुक्मिणी देवी दोनों, जो हालांकि वृद्ध हो चुकी थी, का बहुत सम्मान एवं प्रभाव था; लेकिन सबसे अधिक, शायद इसलिए क्योंकि मैं उन दोनों की व्यक्तिगत कहानियों से सम्मोहित थी।

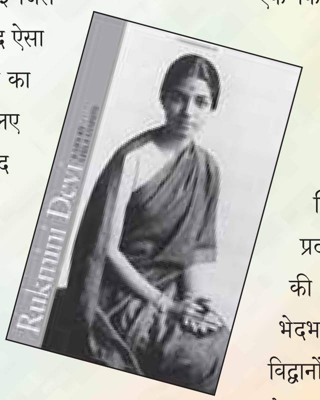

द अनडूइंग डांस, देवदासियों की 13 पीढ़ियों के संदर्भ में लिखित एक कहानी में महिलाओं की तीन पीढ़ियों की दुनिया में पाठकों को ले जाता है। इन तीन महिलाओं - रज़ई, कल्याणी, हेमा - की कहानियाँ उनकी अपनी आवाज में कही गई है जिसमें एक आदमी, बालशंकर, की आवाज भी है जो उच्च वर्ग का है पर देवदासियों के कार्य के प्रति संवेदी है, और साथ ही उसकी माँ, विजया, की आवाज भी है जो उनका तिरस्कार करती है। कल्याणी बालशंकर की दूसरी पत्नी है जिसकी उसकी पहली पत्नी, जो जल्द मर जाती है, से एक लड़की, हेमा, है। कल्याणी की नृत्य करने की बहुत लालसा रहती है, पर वह कर नहीं सकती; हेमा परम्पराओं के अंतर्विरोधों पर सवाल उठाती है; रज़ई देवदासी के अपने दिनों को याद करते हुये मंदिर के निकट फूल बेचती है। कथावस्तु के नज़रिये से बहुत कुछ नहीं बताया जाना चाहिए ताकि किताब पढ़ने के अनुभव चौपट ना हो। इतना कहना ही पर्याप्त है कि किरदारों की जिंदगियाँ एक दूसरे से टकराती है, और रहस्यों एवं बलिदानों के उजागर होने के साथ ही नृत्य के क्षेत्र में ताकत की और सामाजिक दबावों के अंतर्गत राजनीति भी उजागर होती है। कहानी के केंद्र में नृत्य है: समान रूप से, यह आजादी और बंधन लाता है।

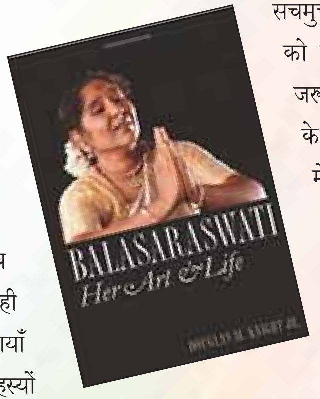

एक किताब के रूप में, यह सम्पूर्ण नहीं है, लेकिन यह विभिन्न स्तरों पर प्रतिध्वनित होती है और बहुत से सवाल खड़े करती है: विशेष रूप से महिलाओं एवं नर्तकियों की स्थिति के बारे में, पारंपरिक कला प्रदर्शन के वाणिज्यीकरण पर, गुरु की भूमिका और स्थान पर, जातिगत भेदभाव पर, अनुदान एवं अनुसंधान विद्वानों के कार्यों के तरीकों पर, भक्ति पर और भरतनाट्यम के संदर्भ में *श्रृंगार* के साथ ही और भी बहुत कुछ पर।

दिसंबर 2018 में *द हिन्दू* को दिये गए एक साक्षात्कार में, बहुआयामी लेखिका ने एक विचार-उत्तेजक टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''उनका इरादा चाहे जो भी हो, रुक्मिणी अरुंडेल और मुथुलक्ष्मी रेड्डी जैसी सशक्त एवं प्रगतिशील महिलाओं ने आखिरकार इसइ वेल्लालर (वह समुदाय जिससे देवदासिया ताल्लुक रखती है) की महिलाओं को अशक्त ही बनाया है क्योंकि वे एक ऐसे लोकाचार पर प्रतिक्रिया दे रही थी जिसमें महिलाओं की उचित सार्वजनिक उपस्थिति उनकी लैंगिगता के विलोपन पर निर्भर थी। अरुंडेल सही मायनों में यह मानती है कि यदि उन्होंने उनकी देवदासी जड़ों के निशानों को ङ्कमिटायाफ नहीं होता तो वह भरतनाट्यम को उनकी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परियोजना के लिए खो देती। रेड्डी सचमुच में मानती है कि उन्हें देवदासियों को ङ्कवेश्याओंफ के साथ जोड़ने की जरूरत इस बात को सुनिश्चित करने के लिए पड़ी कि उनकी 'अनैतिकता' में चिकित्सीय हस्तक्षेप का हाथ था, जो उन्हें और उनके बच्चों को यौन संचारित विकारों से बचाता था। कला प्रदर्शन करने वाली महिलाओं के लिए उनका समाधान विवाह था, जो किसी भी महिला के लिए सशक्तिकरण का एक संदेहास्पद तरीका है, लेकिन विषेशरूप से उन गणिकाओं के लिए विनाशकारी था जिन्होंने कला के सृजन के लिए उनके शरीर का उपयोग किया।''

वेश्यावृत्ति पर अभी भी बातचीत गरमा जाती है, भले ही यौन कार्य को धीरे-धीरे समाज के बड़े हिस्से में वैध पेशे के रूप में देखा जा रहा है। जैसा कि सभी चीजों में होता है, इस मुद्दे के भी अनेक पहलू है जैसा कि *द अनडूइंग डांस* में बताया गया है। मूल रूप से, हालांकि, श्रीविद्या नटराजन के अपने शब्दों में यह उपन्यास ''मेरा प्रयास है उस विस्मय और अचरज को व्यक्त करने का जो मैंने तब महसूस किया जब मैंने मेरे इसइ वेल्लालर गुरुओं को उनकी कला को प्रदर्शित करते हुये देखा, और हमारी सामूहिक कलात्मक स्मृति से इन संपत्ति के गायब होने पर मेरी उलझन को व्यक्त करने का।''

दोनों जीवनियों की एक महत्वपूर्ण विशेषता उनमें तस्वीरों की बहुलता है। उनमें से एक, जो 1937 में खींची गई थी, में दो महिलाएं दिखती है, एक सीधी खड़ी है, दूसरी आगे की ओर झुकी हुई है, दोनों ने धारीदार पजामा और मैचिंग की कमीज पहनी हुई है, बिंदी नहीं लगाई है, हाथों में सिगरैट पकड़ी हुई है, ज़ाहिर है स्टूडियो में पोज़ दे रही है। वे अच्छी सहेलियाँ तंजावुर बालासरस्वती और मदुरै षण्मुखवडिवु सुब्बुलक्ष्मी है। जैसा कि कहा जाता है, एक तस्वीर एक हज़ार शब्दों से बढ़कर होती है।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मंडल गति

रोटरी क्लब तंजावुर कॉसमॉस - रो ई मंडल 2981

तिरुथुराईपून्दी तालुक के 10 गांवों के 18 शिविरों में शरण लिए हुये गाजा चक्रवात के पीड़ितों को ₹6.5 लाख की राहत सामग्री वितरित की गई। जापान तमिल संगम से धन प्राप्त किया गया था।

रोटरी क्लब विल्लुपुरम - रो ई मंडल 2982

श्री वेंकटचलापथी पॉलिटैक्निक कॉलेज के रोटरेक्ट क्लब और आरसीसी विरात्तीकुप्पम के सहयोग से एरिक्करई सलामेडु गाँव में 25,000 ताड़ के पौधे रौपकर रोटरी दिवस मनाया गया। एजी एम. मणिकन्दन और परियोजना अध्यक्ष एम सेंथिल कुमार ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

रोटरी क्लब वाइज़ेग कपल्स - रो ई मंडल 3020

ज़िला परिषद हाइ स्कूल, वीरनारायणम, के विद्यार्थियों के लिए नौसेना की एक सुविधा और कौशल विकास संस्थान के लिए एक शैक्षणिक दौरे का आयोजन किया गया।

रोटरी क्लब पोन पुदुपट्टी - रो ई मंडल 3000

पोन्नामारावथी श्री दुर्गा हॉस्पिटल और अरविंद आइ हॉस्पिटल, मदुरई, के सहयोग से एक मधुमेह नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 200 से अधिक मरीजों की नेत्र विकारों के लिए जांच की गई। एक सामान्य स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें 600 से अधिक लोग लाभान्वित हुये।

विधियाँ

रोटरी क्लब चन्द्रपुर - रो ई मंडल 3030

चंद्रपुर जीनियस नामक एक प्रश्नोत्तरी में मंडल के लगभाग 30 स्कूलों ने हिस्सा लिया। विजेता दलों को नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफियां वितरित की गई। ग्रैंड फ़िनाले में 1,000 से भी अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। रोटेरियन रेखा दांडेकर परियोजना समन्वयक थी।

रोटरी क्लब होशियारपुर नॉर्थ - रो ई मंडल 3070

सड़क सुरक्षा जागरूकता पैदा करने की एक अनूठी परियोजना के तहत, यमराज ने व्यस्त मार्गों पर वाहन चालकों का रास्ता रोककर उनसे गाड़ी चलाते समय हेलमेट पहनने एवं सीट बेल्ट बांधने का अनुरोध किया और सड़क नियमों का पालन करने वाले ड्राईवरों को गुलाब दिये।

रोटरी क्लब भुज वालसिटि - रो ई मंडल 3054

विभिन्न स्थानीय टीमों के लिए एक नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिससे शहर में रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि हुई। हिस्से लेने वाली टीमों ने मैदान पर उनके जोश एवं खेल-कूद कौशलों का प्रदर्शन करके जनता का मनोरंजन किया।

रोटरी क्लब यमुनानगर रिवेरा - रो ई मंडल 3080

एक वैश्विक परियोजना के रूप में रोटरी क्लब वाग्गा वाग्गा ऑस्ट्रेलिया, रो ई मंडल 9700, के सहयोग से आयोजित किए गए एक नेत्र शिविर में 1,000 से अधिक मरीजों की जांच की गई। साथ ही, मोतियाबिंद सर्जरियों के लिए 300 मरीजों की पहचान की गई। क्लब द्वारा चलाए जाने वाले एक नेत्र दान केंद्र ने पिछले 10 वर्षों में 370 जोड़ी आँखों को एकत्रित किया है।

रोटरी क्लब धुले फेमिना - रो ई मंडल 3060

धुले बस डिपो के बस चालक दल के लिए एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। परामर्श के बाद लगभग 250 बस ड्राईवरों एवं कंडक्टरों को दवाइयाँ दी गई।

मंडल गति

रोटरी क्लब भटिंडा कैंटॉन्मेंट - रो ई मंडल 3090

क्लब सदस्यों द्वारा अप्पू सोसाइटी स्कूल के विद्यार्थियों को जूते, मोजे और जर्सी वितरित की गई। इस भाव प्रदर्शन के लिए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने रोटेरियनों को धन्यवाद दिया।

रोटरी क्लब फ़िरोज़ाबाद - रो ई मंडल 3110

शहर के कैला देवी मंदिर में सुविधाओं से वंचित परिवारों के मध्य भोजन वितरित किया गया। इस परियोजना में क्लब अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, रोटेरियन लक्ष्मी कान्त बंसल ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

रोटरी क्लब बॉम्बे क्वीन सिटि - रो ई मंडल 3141

लोअर परेल में एक तीन-दिवसीय विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 3,000 से अधिक लोगों की विभिन्न बीमारियों के लिए जांच की गई। डीजी शशि कुमार शर्मा ने उस शिविर का उद्घाटन किया जिसका आयोजन 2008 से किया जा रहा है।

रोटरी क्लब उडुपी मणिपाल - रो ई मंडल 3182

स्पंदन स्कूल ऑफ स्पेशल चिल्ड्रेन में एक नेत्र शिविर का आयोजन किया गया और सहवासियों को दोपहर का भोजन भी प्रदान किया गया। क्लब ने आवास को एक स्टील का रैक दान किया।

रोटरी क्लब नगरकोइल - रो ई मंडल 3212

लड़कियों के लिए होने वाले कन्याकुमारी डिस्ट्रिक्ट हॉकी टूर्नामेंट में ग्यारह टीमों ने हिस्सा लिया जिसका उद्घाटन डीजी के राजगोपालन ने किया था। विजेताओं का चयन राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के लिए किया गया और साथ ही मंडल खेल प्राधिकरण ने इस तरह के खेल-कूद कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए रोटरी को धन्यवाद दिया।

विधियाँ

रोटरी क्लब वनियाम्बदी मिडटाउन - रो ई मंडल 3231

नेक्कूंधी गाँव के सरकारी हाई स्कूल में इंटरेक्ट क्लब के साथ साझेदारी में एक विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। विभिन्न सिद्धांतों पर प्रदर्शनियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने उनके ज्ञान का प्रदर्शन किया।

रोटरी क्लब चेन्नई कोस्टल - रो ई मंडल 3232

100 जरूरतमन्द धोबियों को एलपीजी आइरन बक्से वितरित किए गए। 14 लाख की इस परियोजना को रोटेरियन राम और राजीव गुप्ता ने समर्थन दिया। डीजी बाबू पेरम माननीय अतिथि के रूप में वहाँ मौजूद थे।

रोटरी क्लब रांची मिडटाउन - रो ई मंडल 3250

झारखंड सशस्त्र पुलिस की महिला सिपाहियों के बैरक में एक सैनिटरि पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना की गई। क्लब अध्यक्ष सुनीता वाधवा ने महिला सिपाहियों को स्वच्छता एवं सफाई के प्रति जागरूक किया।

रोटरी क्लब जबलपुर एक्सलेन्स - रो ई मंडल 3261

एक सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को 200 से अधिक जोड़ी जूते वितरित किए गए। इस विचारपूर्ण भाव के लिए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने रोटेरियनों को धन्यवाद दिया।

रोटरी क्लब बल्लीगूंगे अपटाउन - रो ई मंडल 3291

ङउष्णोताफ नामक एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसमें एक दूरगामी गाँव के 200 से अधिक जरूरतमन्द लोगों को रोटेरियनों ने कंबल वितरित किए। इस परियोजना ने उस इलाके में रोटरी की छवि में वृद्धि की।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

Subscribe NOW!

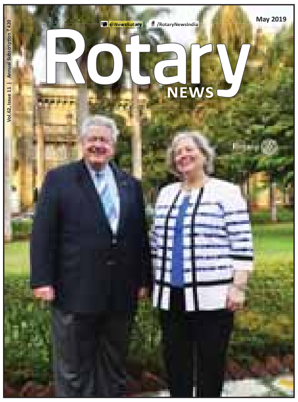

for Rotary News Print Version & e- Version

For the Rotary year 2019 – 2020

As concerned citizens of the world, those of you who are alarmed at the degradation of the environment and slaughter of trees, kindly opt for our e-Version.

Annual Subscription (India)

Print version	e-Version
₹420/-	₹360/-

(with effect from July 2019)

Print version ☐ e- Version ☐

	English	Hindi	Tamil
No. of Copies			

For every new member the pro-rata is ₹35 a month.

Please attach the TYPED list of individual members with their complete address, PIN code, Mobile number and e-mail ID. Intimate language preference (English/Hindi/Tamil) against each member's name. Please do not send the Semi-annual Report for address list.

Rotary Club of .... RI District ....

Name of the President/Secretary ....

Address ....

....

....

City .... State .... PIN ☐☐☐☐☐☐

STD Code .... Phone: Off. .... Res. ....

Mobile ....E-mail ....

Cheque/DD No. .... Dated .... for Rs. ....

Drawn on ....

in favour of "ROTARY NEWS TRUST" is enclosed.

Date: President/Secretary

Mail this form to:
Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008.
Tamil Nadu, India. Ph: 044 4214 5666, e-mail: rotarynews@rosaonline.org

Subscription norms

1. Subscription is for the Rotary year (July to June).
2. **It is mandatory for every Rotarian to subscribe to a Rotary magazine.**
3. The annual subscription for print version is ₹420 per member.
4. Subscription for the full year must be sent in July, in the prescribed form.
5. Those joining after July can pay only for the remaining Rotary year at ₹35 an issue.
6. Subscription account of the club with *Rotary News* is a running account and does not cease at the end of June every year.
7. Names of all members, with their complete postal address with **PIN CODE,** mobile number and e-mail ID must be typed and sent along with the form and DD/cheques payable at par.
8. Copies of Semi Annual Report **SHOULD NOT** be sent as address list.
9. Language preference (English, Hindi and Tamil) should be stated alongside member's name.
10. **Members, please ensure that your name is included in the Subcribers' list that your club sends us. Often, names of members who have paid their subscription, are left out from the club list.**
11. Clubs must inform *Rotary News* about reduction in number of members, if any, before or in May. Please help reduce wastage of copies.
12. Clubs are liable to pay for the number of magazines we despatch according to the list available at Rotary News Trust.
13. Unpaid dues of the club will be shown as outstanding against the club. Any payment received subsequently will be adjusted against earlier dues.
14. **Clubs with subscription arrears will be notified to RI and may face possible suspension.**
15. We are in the process of tallying our subscriber list with RI membership from India.
16. If you want to switch to *The Rotarian*, please do so. But inform us **immediately** to avoid receipt of *Rotary News*. Or else your club will have to pay for it.

रोटरी ने बनाया नवजात देखभाल को सस्ता

वी मुत्तुकुमारन

1995 में रोटरी सेंट्रल-टीटीके-वीएचएस ब्लड बैंक की स्थापना करने के दौरान, रोटरी ने चेन्नई के वीएचएस अस्पताल के साथ एक बख्तरबंद, स्टांप के कागज पर समझौता किया था जिसका अभी भी इवेंस्टन स्थित रोई मंडल द्वारा एक संधारणीय परियोजना के लिए एक आदर्श एवं सफल साझेदारी के रूप में उल्लेख किया जाता है, झठखऊ पीटी प्रभाकर ने कहा।

1991 में बेंगलुरु में उनके अंकल पीटी कस्तूरी द्वारा स्थापित किए गए रोटरी-टीटीके ब्लड बैंक से प्रेरणा लेकर, पीआरआईडी ने एक बार फिर वीएचएस परिसर में एक ब्लड बैंक के माध्यम से टीटीके समूह के साथ मजबूत संबंध बनाए। जहाँ जमीन, उपकरण और अन्य सुविधाएं मेरे क्लब रोटरी क्लब मदरा सेंट्रल द्वारा प्रदान किए गए थे, अस्पताल ने कर्मचारी एवं विशेषज्ञता प्रदान की और कंपनी ने प्रति वर्ष 50 लाख देकर परिचालन खर्चों का ध्यान रखा। रोटरी क्लब मद्रास मेट्रो, रोई मंडल 3232, द्वारा अभिमन्यु खंड के प्रसूति और बाल स्वास्थ्य विभाग को प्रदान किए गए पाँच उच्च-तकनीक वाले नवजात देखभाल उपकरण और एक एंबुलेंस का उद्घाटन करने के बाद वह वीएचएस में रोटेरियनों, डॉक्टरों और चिकित्सा-सहायकों को संबोधित कर रहे थे। ''प्रति वर्ष ब्लड बैंक द्वारा 12,000 यूनिट से भी अधिक रक्त चढ़ाया जा रहा है और डॉक्टर के एस संजीवी, एक उत्कृष्ट सामाजिक इंजीनियर, द्वारा स्थापित वीएचएस रोटेरियन रमन शेट्टी, रोटेरियन दिलीप बजाज और रोटेरियन डॉक्टर एस सुरेश, वीएचएस अस्पताल के सचिव, के योगदानों के कारण आज भी अपने आदर्शों पर कायम है,'' प्रभाकर ने कहा।

जहाँ ₹5 करोड़ की लागत वाले अभिमन्यु खंड में पैसा रमन शेट्टी की जी.के. शेट्टी धर्मार्थ संस्था ने लगाया था और मार्च 2017 में पीआरआईपी कल्याण बैनर्जी ने उद्घाटन किया था, वहीं बजाज ने वर्ष 2015-16 में 158,000 डॉलर के एक वैश्विक अनुदान के लिए टीआरएफ़ को उनके पारिवारिक न्यास उषा के जॉली ट्रस्ट के माध्यम से 100,000 डॉलर दिये थे। इस भाव ने प्रसूति एवं नवजात खंड में चिकित्सीय उपकरण एवं फर्नीचर के लिए धन एकत्रित करने में मदद की।

अपने सम्बोधन में, डीजी बाबू पेरम ने कहा कि रोटरी क्लब मद्रास मेट्रो के 50 वर्ष से अधिक उम्र के सदस्यों ने कई दशकों के दौरान अनेक सामुदायिक परियोजनाओं में उत्कृष्टता हासिल की है और कहा कि जल्द ही उनके टीआरएफ़ योगदान मिलियन डॉलर तक पहुँच जाएंगे। क्लब ने अब तक संस्थान को 900,000 डॉलर दिये है।

वैश्विक साझेदार की खोज

आवश्यक उपकरण की जरूरतों वाले नवजात खंड, जिसका हाल ही में उद्घाटन हुआ था, के साथ, ''हमने हमारी दूसरी वैश्विक अनुदान परियोजना शुरू की जिसके लिए बजाज अपने पारिवारिक न्यास के माध्यम से 31,000 डॉलर का टर्म गिफ्ट देने के लिए

VHS अस्पताल में जवजात नैदाजिद अपकरणों के अजावरण पर PRID पी टी प्रभाकर, रोटेरियनों के साथ।

आगे आए। लेकिन हमें एक वैश्विक अनुदान साझेदार की आवश्यकता थी क्योंकि उपकरण की कीमत बहुत अधिक थी,'' परियोजना का ब्यौरा देते हुये पीपी टी रविचंद्रन ने कहा। इस स्थिति में, उन्हें ज्ञात हुआ कि रे केपेरोस - जिनके साथ उन्होंने 2010 में सेंट्रल वैली, कैलिफोर्निया के अपने दौरे के दौरान जीएसई नेतृत्वकर्ता के रूप में एक कार्यकारी संबंध स्थापित किए थे - रो ई मंडल 5220 के गवर्नर थे। ''मुझे और अधिक आश्चर्य तब हुआ जब मुझे पता चला कि पीडीजी डेव मेंटूथ, मेरे जीएसई दौरे के दौरान मेरे मेज़बानों में से एक, इस मंडल के वैश्विक अनुदान समिति के सदस्य थे।''

एक ई-मेल करने के दो घंटों के भीतर, ''मुझे मेंटूथ की तरफ से जवाब आया जिसमें उन्होंने इस परियोजना में रुचि दिखाई थी।'' वे ग्वाटेमाला, फ़िलीपिन्स और मंगोलिया में समान प्रकार की परियोजनाएं कर रहे है। इस प्रकार रोटरी क्लब एस्कलोन सनराइस 5,000 डॉलर का दान करने के लिए आगे आया, जबकि गृह क्लब (मद्रास मेट्रो) ने 1,900 डॉलर इकठ्ठा किए और टीआरएफ़ ने 4,800 डॉलर देकर परियोजना की कुल लागत को 43,000 डॉलर तक पहुँचा दिया। धन का इस्तेमाल नवजातों के लिए महत्वपूर्ण देखभाल उपकरणों को खरीदने के लिए किया गया - फेटल डॉपलर (2 इकाईयाँ); एनेस्थेसिया वर्कस्टेशन; नॉन-इनवेसिव तरीके से बीपी और खून में ऑक्सीजन के स्तर को मापने के लिए ट्रेज डूओ (3 इकाईयाँ); सर्जिकल डायथर्मी; और नियोपफ शिशु रिससिटैटर (2 इकाईयाँ)।

नवजात हेतु एंबुलेंस को ₹17 लाख में खरीदा गया था और धन का एकत्रीकरण एक अनुदान संचयन समारोह, नवम्बर 2018 में आयोजित किए गए एक स्टैंड अप कॉमेडी कार्यक्रम, के माध्यम से किया गया था। परियोजना प्रमुख एसपीएम शिवकुमार ने याद किया कि पिछले दशक में कैंसर इंस्टीट्यूट में क्लब ने करोड़ों रुपये की परियोजनाएं की है और अभिमन्यु खंड के माध्यम से वीएचएस में भी कुछ वैश्विक अनुदान परियोजनाएं की है।

रोटरी क्लब मद्रास मेट्रो में 102 पीएचएफ़, सात प्रमुख दानकर्ता और राम सुंदरम के रूप में एक एकेएस सदस्य है। बजाज ने घोषणा की कि वह क्लब परियोजनाओं और संगठन के लिए प्रत्येक में ₹50 लाख का योगदान दे रहे है।

क्लब अध्यक्ष सुंदर नटराजन ने डॉक्टर के एस संजीवी हॉल में आयोजित उद्घाटन समारोह में पीआरआईडी प्रभाकर, डीजी पेरम, बजाज एवं रमन शेट्टी जैसे दानकर्ताओं एवं अन्य रोटेरियनों का स्वागत किया।

नवजातों की नि:शुल्क जांच

डॉक्टर सुरेश ने कहा, विषमताओं की जांच करने के लिए वीएचएस नि:शुल्क जांच प्रदान करेगा। ''वर्तमान समय में नवजात एवं बाल चिकित्सा की बढ़ती लागत के कारण, कुछ गर्भवती महिलाएं जो चिकित्सीय लागतों को वहन नहीं कर सकती गर्भपात करवा रही है जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। हम बहुत ही सस्ते दामों पर नवजातों को स्वास्थ्य देखभाल और साथ ही डॉक्टर जयराजू अक्षय निधि के साथ मुफ्त जांच भी प्रदान कर सकते है,'' उन्होंने कहा। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

कोलकाता में अनाथ बच्चों को भोजन कराना

टीम रोटरी न्यूज़

DG मुकुल सिन्हा (बाएं से तीसरे) और रोटरी क्लब रबींद्र सरोबर के अध्यक्ष ऋत्विक गंगूली निर्मला शिशु भवन में क्लब सदस्यों के साथ।

जो या तो अनाथ होते हैं या जिन्हें उनके माता-पिता छोड़ देते हैं, ऐसे ही 20 बच्चों को कोलकाता में मिशनरीज ऑफ चैरिटी द्वारा संचालित किए जा रहे निर्मला शिशु भवन में रोटरी क्लब रबींद्र सरोबर और रोटरी क्लब विक्टोरिया, आरआई मंडल 3291 के सदस्यों द्वारा एक शानदार दोपहर का भोजन कराया गया।

यह कार्यक्रम, जो क्लबों की नियमित सेवा गतिविधियों का हिस्सा था, में छह वर्ष से कम आयु के बच्चों को रोटरी द्वारा प्रायोजित स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेते देखा गया। रोटरी क्लब रवीन्द्र सरोबर के अध्यक्ष ऋत्विक गांगुली कहते हैं, ''उन्हें उनके परिवारों, एकल माता-पिता द्वारा उपेक्षा की जाती हैं या वे अनाथ हैं और उन्हें देखभाल और सहायता की आवश्यता हैं।''

इसके अलावा, रोटेरियन ने बच्चों के लिए दूध पाउडर, कपडे, भोजन किट और खिलौने भी दान में दिया। डीजी मुकुल सिन्हा ने क्लब के प्रयासों की सराहना की। शिशु भवन में निष्पादित इस परियोजना पर कुल लागत ₹40,000 आई। ■

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the
Rotary News / Rotary Samachar
subscription online

Our Bank details:

Bank : HDFC Bank
SB Account

Branch : Egmore, Chennai

A/c Name : Rotary News Trust

A/c No. : 50100213133460

IFSC Code : HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Rotary at a glance

Rotarians	: 1,228,117
Clubs	: 36,005
Districts	: 538
*Rotaractors	: 167,007
Clubs	: 10,038
*Interactors	: 555,266
Clubs	: 24,142
RCC	: 10,409

**Estimated*

As on May 14, 2019

Membership Summary

As on May 1, 2019

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	114	4,695	211	41	233	205
2982	68	3,117	164	69	117	53
3000	131	5,506	540	233	686	203
3011	82	3,506	746	47	117	25
3012	91	3,626	816	57	132	56
3020	77	4,087	228	56	467	349
3030	92	4,981	625	81	326	195
3040	95	2,130	241	33	138	142
3053	69	3,088	545	10	57	96
3054	128	6,336	1,114	77	325	475
3060	103	4,369	572	59	128	139
3070	103	3,173	344	47	164	58
3080	82	3,480	304	77	226	109
3090	79	2,014	64	36	39	122
3100	78	1,932	118	12	78	146
3110	116	3,874	317	30	52	104
3120	76	3,246	397	31	63	52
3131	132	5,564	1,244	95	315	90
3132	101	4,014	436	39	217	151
3141	96	5,708	1,366	112	274	84
3142	95	3,524	677	77	205	64
3150	95	3,620	370	61	249	109
3160	75	2,627	162	28	48	82
3170	126	5,730	633	59	351	165
3181	84	3,788	367	57	276	115
3182	85	3,414	257	32	282	96
3190	128	5,146	696	126	372	52
3201	145	5,504	367	96	141	49
3202	131	5,107	258	79	448	47
3211	140	4,531	294	8	98	129
3212	99	4,125	329	96	300	142
3231	83	3,543	345	50	217	306
3232	120	5,077	832	118	352	83
3240	89	3,153	405	49	181	171
3250	102	3,928	688	62	217	178
3261	73	2,660	349	11	112	43
3262	92	3,451	423	38	77	77
3291	147	3,748	734	84	137	604
India Total	**3,822**	**151,122**	**18,578**	**2,373**	**8,217**	**5,366**
3220	72	2,038	289	77	215	73
3271	89	1,569	263	55	19	16
3272	148	2,316	386	51	40	40
3281	211	5,903	880	224	94	189
3282	148	4,112	405	126	50	43
3292	117	4,653	721	123	133	113
S Asia Total	**4,607**	**171,713**	**21,522**	**3,029**	**8,768**	**5,840**

Source: RI South Asia Office

On the racks

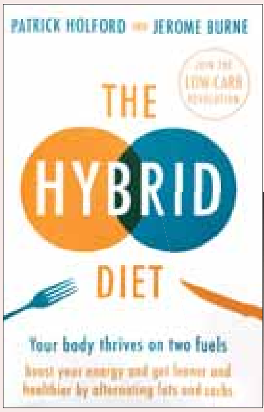

The Hybrid Diet

Author : **Patrick Holford and Jerome Burne**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **383; ₹499**

This book shows you how to make the best use of glucose (which comes from carbohydrates in fruit and vegetables) and ketones (which are made in the body from fat) when you need them.

In their quest to discover the perfect diet, leading health journalist Jerome Burne and nutrition expert Patrick Holford, have explored latest cutting-edge science and put together a plan that is sound, simple and delicious — one that is based on how your body works best.

Recent research has shown that a diet that is very low in carbs and high in good fats is effective for weight loss, can counteract many diseases and will enhance athletic performance and endurance. The drawback is that it is difficult to stick to such a diet as most people love carbs. But as The *Hybrid Diet* demonstrates, we don't need to choose.

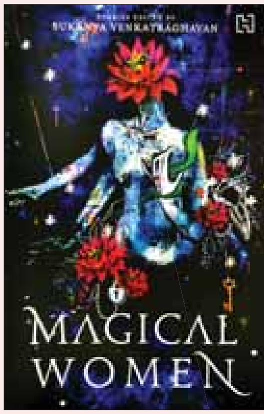

Magical Women

Author : **Sukanya Venkatraghavan**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **215; ₹399**

Here is a compelling collection of short stories that speak of love, rage, rebellion, choices and chances . *Magical Women* brings together some of the strongest female voices in contemporary Indian writing. The stories combine astounding imagination with superlative craft to intrigue and delight readers in equal measure.

A weaver is initiated into the ancient art of bringing a universe into existence; a demon hunter encounters an unlikely opponent; four goddesses engage in a cosmic brawl; a graphic designer duels with a dark secret involving a mysterious tattoo; a defiant *chudail* (witch) makes a shocking announcement at a kitty party; a puppet seeking adventure discovers who she really is; and finally, a young woman's resolute choice leads her to haunt 'Death' across millennia. With lots of emotion, fantasy and mystery, the stories have a gripping narrative.

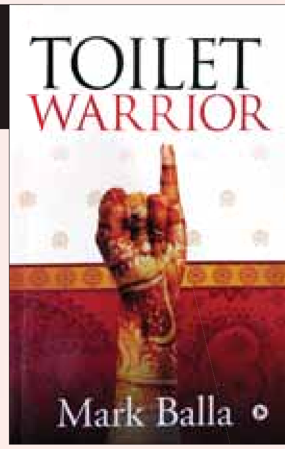

Toilet Warrior

Author : **Mark Balla**
Publisher : **Notion Press**
Pages : **223; ₹499**

During a business trip to India in 2012, Mark Balla, member of RC Box Hill Central, RID 9810, Australia, struck a friendship with two youngsters in Dharavi, one of the largest slums in the world. He was surprised to see that girls stayed away from a Dharavi school for want of toilets and decided to build exclusive toilets for girl students in India.

Toilet Warrior is his journey from Queenstown in Australia to India and how Rotary and the World Toilet Organisation helped him transform the lives of 30,000 girls. Highly inspiring, witty, and cleverly narrated, the book tells the story of his awakening and its impact. In the *Final Word,* PRID Sushil Gupta says, "I hope the readers will enjoy reading this real story, a story of how one man can change society."

When you buy this book through *www.operationtoilets.org.au*, you will be making a contribution to projects that will change the lives of some of the most underprivileged people in the world.

Compiled by Kiran Zehra
Designed by Krishnapratheesh S

कोरिया में पश्चिमी शास्त्रीय संगीत की लहर

टीसीए श्रीनिवास राघवन

छह वर्ष पूर्व, जब मैं सेवानिवृत्त हुआ ही था, मेरी पत्नी जो जेएनयू में कोरियाई विषय की प्रोफ़ेसर है, ने कोरिया में कुछ अनुसंधान करने के बारे में सोचा। मैं भी साथ में गया। हालांकि हमारे कमरे में टीवी लगा हुआ था, पर उसमें अँग्रेजी में कुछ नहीं आता था। इसलिए, मैं लैपटाप पर आईपीएल देखता था जबकि मेरी पत्नी कोरियाई मनोरंजन टेलीविज़न देखा करती थी। उसने मुझे बताया कि धारावाहिक बहुत ही बढ़िया थे। दयनीय स्थिति है, वह कहती थी, कि तुम्हें कोरियाई नहीं आती। मुझे तब तक कुछ भी समझ नहीं आया जब तक कि भारत में नेटफ्लिक्स नहीं आया और मेरी पत्नी ने कोरियाई धारावाहिकों को वापस देखना शुरू नहीं किया। लेकिन इस बार मैं भी आनंद ले पा रहा था: नेटफ्लिक्स में सबटाइटल्स होते है, और यकीन मानिए, एकदम उचित शब्दों के साथ वे बिलकुल सही होते है और छोटी-छोटी बारीकियों का भी खयाल रखा जाता है।

पिछले दो वर्षों में हमने विभिन्न शैली के दो दर्जन से भी अधिक धारावाहिकों को देखा है क्योंकि वे बहुत अच्छे है। मेरी पत्नी कहती है कि आधुनिक कोरियाई लोगों के लिए उत्कृष्टता की तलाश ही स्वयं में एक इनाम है। रूपरेखा सरल और स्पष्ट होती है। आलेख स्फूर्तिदायक होते है। सम्पादन उच्च कोटी का होता है। दृश्य कभी भी तीन मिनट से अधिक लंबे नहीं होते है, इसलिए एपिसोड तेजी से आगे बढ़ता रहता है। और साथ में बजने वाला संगीत भी अधिकतर उचित होता है। अभिनय शानदार होता है, शायद इसलिए क्योंकि लाइटिंग बहुत अच्छी होती है और 90 प्रतिशत शूटिंग पास आकार की जाती है। नायकों को पता होता है की उन्हें अभिनय एकदम सही करना है, जो समान्यतः वे करते भी है। उन्हें ऐसा इसलिए करना पड़ता है क्योंकि प्रतिस्पर्धा बहुत कड़ी है और कमाई, बहुत अधिक नहीं है।

सबसे हटकर, कोरियाई मनोरंजन टेलीविज़न में पश्चिमी शास्त्रीय संगीत पर आधारित धारावाहिकों का एक उल्लेखनीय उपवर्ग होता है। कहानियाँ सभी सामान्य मानवीय रिश्तों की दुर्बलता के बारे में होती है। लेकिन वे पश्चिमी शास्त्रीय संगीत एवं संगीतज्ञों की विषय-वस्तु के इर्द-गिर्द घूमती है। बड़े ऑर्केस्ट्रा को दर्शाने के लिए वे बहुत से अभिनेताओं को इकट्ठा करते है। उदाहरण के लिए, 2008 का एक पुरस्कार जीतने वाला धारावाहिक था 'द बीथोवेन वायरस'। यह बहुत ही शानदार, आलीशान और समृद्ध था। इसमें 18 एपिसोड थे और औसतन हर एक एपिसोड एक घंटे जितना लंबा था। यदि आपको पश्चिमी शास्त्रीय संगीत और एक अच्छी कहानी पसंद है, तो आपको यह सीरियल अवश्य देखना चाहिए।

'कैंटेबाइल' नामक एक और धारावाहिक है जिसका इतालवी में मतलब होता है गाने-योग्य। एक अन्य का नाम है 'सीक्रेट अफेयर' जिसमें एक उम्दा पियानोवादक अपने से काफी छोटे युवा आदमी के प्रेम में पड़ जाती है। कुछ यूट्यूब पर है, जैसे 'फाइव फिंगर्स' जो एक पियानोवादक और उसके परिवार के साथ ख़राब संबंध के बारे में है। एक अन्य है 'स्प्रिंग वाल्ट्ज़' जो एक पियानोवादक और उसके अतीत के बारे में है।

इन धारावाहिकों को देखकर इस बात पर आश्चर्य करना लाज़मी है कि कैसे बीथोवेन, मोजर्ट, हायडन, बाख, चैकोव्स्की और उन जैसे अन्य लोगों ने कोरिया में दिल के तारों को छुआ। और ऐसा होना कब शुरू हुआ? पश्चिमी शास्त्रीय संगीत में ऐसा क्या है जो अभिभावकों को उनके बच्चों को इसे सीखने के लिए भेजने और, यदि वे उसमें अच्छे होते है, तो उन्हें उच्च शिक्षा हेतु भी भेजने के लिए मनाता है? इतने सारे प्रख्यात कोरियाई संवाहक और संगीतकार, जिनमें से कुछ अब सुपरस्टार है, कहाँ से आए?

यदि आपको पश्चिमी शास्त्रीय संगीत और एक अच्छी कहानी पसंद है, तो आपको 'द बीथोवेन वायरस' देखना चाहिए।

19वीं सदी के अंत में मिशनरीस के साथ पश्चिमी शास्त्रीय संगीत कोरिया में आया। फिर 1910 में जापानियों ने कोरिया पर आक्रमण किया और उसे अपना उपनिवेश बनाया और उनके साथ पश्चिमी शास्त्रीय संगीत की एक अन्य लहर आई जो बरकरार रही क्योंकि कोरियाई कुलीन वर्ग ने इसे अपनाया, शायद उनके जापानी आकाओं को प्रसन्न करने के लिए। सच्ची कहानी पर आधारिक एक अत्यंत प्रसिद्ध धारावाहिक 'हिम ऑफ डैथ' इस पहलू पर रोशनी डालता है।

1945 में जापानियों को अमेरिकियों ने बेदख़ल कर दिया और 1948 में, अनपेक्षित रूप से जॉन एस किम नामक एक संगीतज्ञ ने सिओल फिलहारमोनिक की शुरुआत की। मुझे उन्हें सुनने का मौका तब मिला जब उनके ऑर्केस्ट्रा ने आकाश तले बीथोवेन *नाइन्थ* बजाया था। उन्होंने किम को शास्त्रीय संगीत की पढ़ाई करने के लिए अमेरिका भेजने का प्रबंध किया। कोरिया में उनकी वापसी के बाद, उन्होंने शास्त्रीय संगीत का सुसमाचार फैलाना शुरू किया जिसे बहुत से लोगो ने सुना। आज जापान और चीन के साथ कोरिया एकमात्र ऐसा देश है जो खुले दिल से पश्चिमी शास्त्रीय संगीत में पैसा लगा रहा है। पश्चिम में तो ऑर्केस्ट्रा अब केवल भीड़ इकट्ठा करके पैसे जुटाने तक सीमित रह गए है। यह, मैं कहना चाहूँगा, वास्तव में पश्चिम से पूरब की ओर ऊर्जा का विस्थापन है। ■

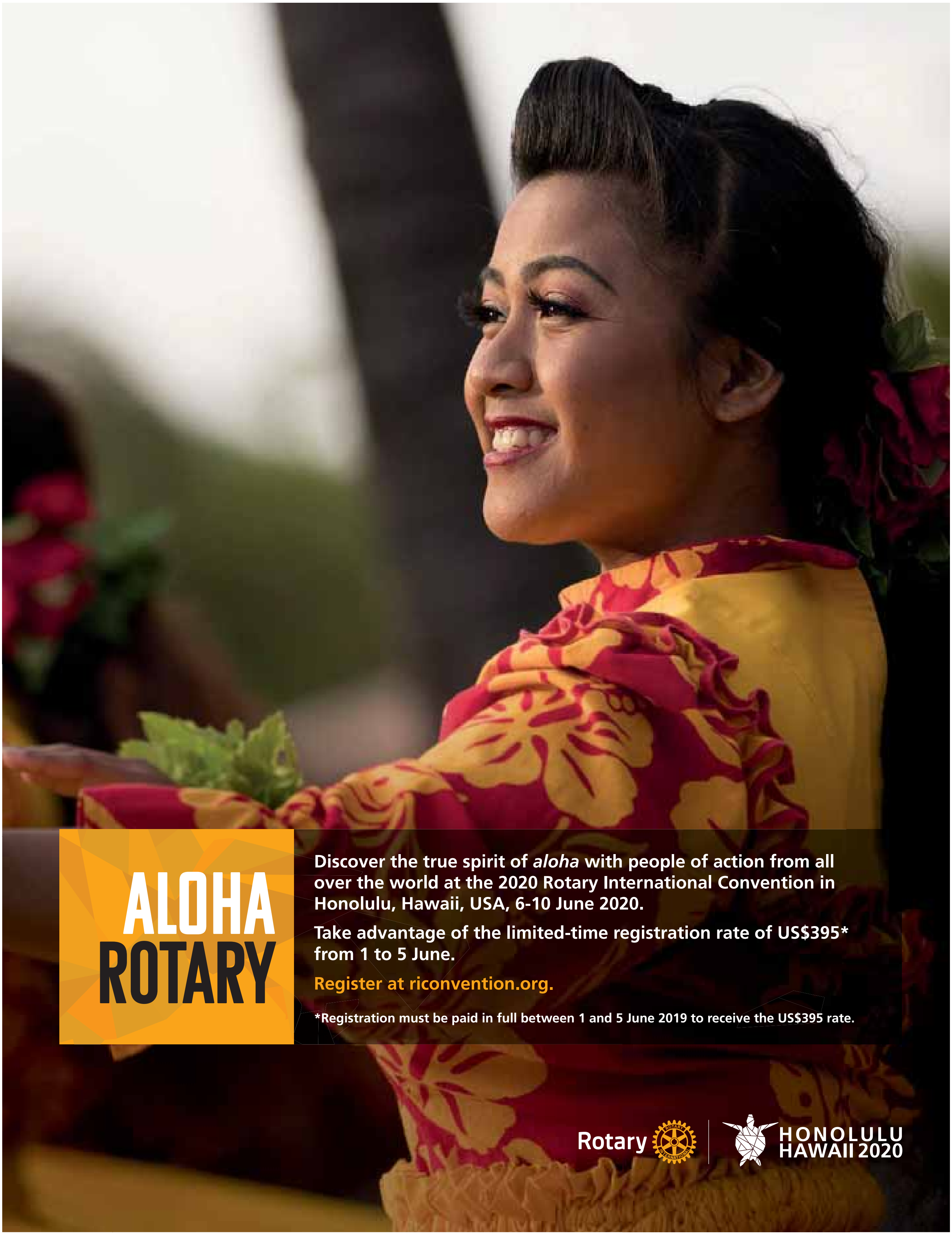
ALOHA
ROTARY
Discover the true spirit of *aloha* with people of action from all over the world at the 2020 Rotary International Convention in Honolulu, Hawaii, USA, 6-10 June 2020.
Take advantage of the limited-time registration rate of US$395* from 1 to 5 June.
Register at riconvention.org.
*Registration must be paid in full between 1 and 5 June 2019 to receive the US$395 rate.
Rotary
HONOLULU
HAWAII 2020

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month

ADVT

Rotary District 3012

BE THE INSPIRATION
R.I. THEME 2018-19

ROTARY DISTRICT 3012 GLOBAL GRANT PROJECT

ROTARY VARDAN CT SCAN MACHINE

Inaugurated by Dr. SUBHASH JAIN AKS

DISTRICT GOVERNOR 2018-19, R.I. DISTRICT 3012

in the Presence of **Dignitaries & District Team Members** on **Sunday, 19th May 2019**
at **Vardan Multispeciality Hospital,** Meerut Road NH-38 (Opp. Guldhar) Ghaziabad (U.P.)

DR. SUBHASH JAIN AKS
District Governor 2018-19